सुविचार
जिसने अपने आप को वश में कर लिया है, उसकी जीत को देवता भी हार में नहीं बदल सकते।
महात्मा बुद्ध

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi ● Friday, 29 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 338 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com   E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक...

चार साल पर हेमंत ने गिनायीं उपलब्धियां
झारखंड हर चुनौती से निपटने को तैयार, हो रहा सर्वांगीण विकास : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI : सरकार के चार साल पूर्व होने पर सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार का ठीक तरह से गठन भी नहीं हुआ था और देश-दुनिया में वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने दस्तक दे दी। वैश्विक महामारी के चलते देश में लंबे समय तक लॉकडाउन लगा रहा। झारखंड देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाता है वैसी स्थिति में कोरोना जैसी आपदा राज्य के लिए अभिशाप जैसी थी। हेमंत ने कहा कि हमारी सरकार ने महामारी के समय भी अन्य राज्यों के अपेक्षा झारखंड में बेहतर कार्य किया तथा गरीब, मजदूर, किसान सहित सभी को सुरक्षा प्रदान करते हुए महामारी का डटकर सामना किया। वैश्विक महामारी के चपेट में आकर हमारे मंत्रिमंडल के दो मंत्री भी शहीद हुए।

पेज 3 भी देखें।

मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते सीएम सोरेन।

- वैश्विक महामारी के चलते देश में लंबे समय तक लगा रहा लॉकडाउन
- केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर साधा निशाना
- महामारी के चपेट में आकर हमारे मंत्रिमंडल के दो मंत्री भी शहीद हुए

केंद्र सरकार से नहीं मिला कोई सहयोग

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्यकर्मियों को संवेदनशील बनाने का प्रयास किया है। किसी भी राज्य का सर्वांगीण विकास केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के आपसी समन्वय से होता है, लेकिन केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग हमें नहीं मिल रहा है। हमारी सरकार ने झारखंड के किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों सहित सभी वर्ग को सरकार की विभिन्न भावी योजनाओं से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया है। झारखंड में 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। राज्य का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब हम गांव को मजबूत करेंगे। जब गांव मजबूत होगा तभी शहर और राज्य मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हम झारखंड के गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर राज्य के माथे पर जो पिछड़ेपन का टैग लगा है, उसे हटाने में जरूर कामयाब होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 में झारखंड युवा राज्य की गिनती में शुमार हो जाएगा। पिछले 20 वर्षों में इस राज्य को पूर्व सरकारों से जितनी अपेक्षाएं थीं, उसके मुताबिक पूर्ववर्ती सरकारें बिल्कुल खरी नहीं उतर पाईं।

जनता की भावनाओं के साथ मिलकर किए काम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य कर्मियों को संवेदनशील बनाने का प्रयास किया है। जिस उद्देश्य के साथ हम लोगों ने सरकार बनाई उसे उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह सरकार अबतक गांव के लोगों के साथ, राज्य की जनता के भावनाओं के साथ कम से कदम मिलाकर चलने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं, आगे हम लोगों को और कई चुनौतियों से सामना करना है परंतु इन चुनौतियों से निपटने के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं।

भाजपा का आरोप पत्र, गिनाईं नाकामियां
भाजपा ने जितना भी काम किया है, वह किसी से छुपा नहीं : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार के 29 दिसंबर को चार साल पूरे होने पर प्रदेश भाजपा ने गुरुवार को आरोप पत्र जारी किया। पांच सदस्यीय समिति द्वारा तैयार आरोप पत्र जारी किया गया। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि एनडीए ने अब तक 13 साल शासन किया यानी 4764 दिन सरकार में रहा। यूपीए ने 10 साल यानी 3625 दिन तक राज किया है। इसी दौरान यूपीए गठबंधन की सरकार में अधिक बार राष्ट्रपति शासन रहा है। भाजपा ने जितना भी काम किया है, वह किसी से छुपा नहीं है। जेएमएम ने क्या काम किया है यह भी किसी से छुपा नहीं है। यहां की सरकार लगातार ये आरोप लगाती है कि केंद्र सरकार मदद नहीं कर रही है। यदि पूरे देश में कहीं भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो वह झारखंड की होती है।

सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी कर उसकी कॉपी दिखाते भाजपा नेता।

- वैश्विक महामारी के चलते देश में लंबे समय तक लगा रहा लॉकडाउन
- केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर साधा निशाना
- महामारी के चपेट में आकर हमारे मंत्रिमंडल के दो मंत्री भी शहीद हुए

केंद्र सरकार का मिलता रहा है सहयोग

मरांडी ने कहा कि देश में 37 करोड़ जबकि यहां 2.20 करोड़ को आयुष्मान कार्ड मिला है। 11 करोड़ 72 लाख को शौचालय योजना का लाभ देश में मिला है जबकि झारखंड में 40 लाख 8 हजार 283 को दिया जा चुका है। 11 करोड़ 27 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ देश भर में मिला है। झारखंड में भी 27 लाख लाभान्वित हो चुके हैं। देश में 16 आईआईएम खुले हैं जबकि यहां एक। देशभर में सात आईआईटी खोले गये जबकि इनमें से एक का लाभ इस राज्य को भी मिला है। आरोप पत्र के मुताबिक इस वर्ष बजट अनुमान के अनुसार झारखंड सरकार द्वारा कैपिटल आउटलेट पर 21,248 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया था। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2023 तक मात्र 7868 करोड़ रुपये यानी 37 प्रतिशत ही खर्च किया गया। झारखंड सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण विकास की योजनाएं ठप्प रहीं। झारखंड सरकार के बजट के अनुमान के अनुसार उसके पास 2023-24 में खर्च करने को लगभग 1,01,101 करोड़ की राशि है, जिसमें लगभग 50,218 करोड़ का योगदान केंद्र सरकार कर और ग्रांट के रुप में दे रही है।

आरोप पत्र की मुख्य बातें

आरोप पत्र में लिखा है कि यदि देश में नौ करोड़ 59 लाख पीएम उज्वला योजना का लाभ मिला है तो झारखंड में 35 लाख 27 हजार 135 लोगों को इस योजना का लाभ मिला है। तीन करोड़ लोगों को पीएम आवास का लाभ पूरे देशभर में मिल रहा है तो झारखंड में 15 लाख 84 हजार 185 लोगों को इस योजना का लाभ मिला है लेकिन हमने आरोप पत्र के माध्यम से सब कुछ बयां कर दिया है कि आखिर केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ झारखंड की जनता को कितना मिला है? ये अलग बात है कि झारखंड सरकार लोगों तक उन योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचा पाती है, जो अनाज भी रहता है वह जनता को दे नहीं पाती है।

SHARE

सेंसेक्स	:	72,410.38
निफ्टी	:	21,778.70

SARAFA

सोना	:	6,050
चांदी	:	81.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

प्रीति को ईडी का समन तीन जनवरी को बुलावा

RANCHI : राजधानी रांची के बरियातू रोड स्थित बर्लिन अस्पताल मामले में प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने प्रीति कुमार को समन जारी किया है। ईडी ने समन जारी करते हुए प्रीति कुमार को तीन जनवरी 2024 को पूछताछ के लिए ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है।

7 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

NEW DELHI : जयपुर सहित आधा दर्जन से अधिक एयरपोर्ट अधिकारियों को ईमेल पर एयरपोर्ट और प्लेन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कार्यालय कस्टमर केयर आईडी पर ईमेल मिलने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया।

कोरोना के 702 नए मामले 6 मरीजों की मौत

NEW DELHI : देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 702 नए मामले सामने आए हैं और इससे 6 मरीजों की मौत हो गई है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मौजूदा समय में देश में 4150 एक्टिव मामले हैं। कोरोना से 692 मरीज स्वस्थ हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली में कोरोना के 9 नए मामले सामने आए हैं और एक की मौत हुई है।

बूटी रोड में मौत का तांडव 4 दोस्तों की दर्दनाक मौत
ओवरस्पीड कार अनियंत्रित होकर पोल से टकराई

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में एक साथ चार दोस्त काल के गाल में समा गए। तीन दोस्त अफरोज, साबिर और आमिर बरियातू बस्ती के रहने वाले थे। वहीं चौथा राजू ओरमांझी का रहने वाला था। सभी राजू को उनके घर छोड़ने ओरमांझी जा रहे थे। बूटी मोड़ से डुमरदगा जाने के दौरान उनकी लाल रंग की कार का नियंत्रण अचानक बिगड़ गया और गाड़ी सीधे एक पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोल से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। एस्कीडेंट की आवाज सुन आसपास के लोग दुर्घटनास्थल पर जमा हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों की दुर्घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सदर थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत अपनी टीम के साथ स्पाट पर पहुंचे। लोगों की मदद से कार में फंसे लहुलुहान लड़कों को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सदर थाना पुलिस की मदद से शवों का पोस्टमार्टम रिम्स में कराया गया और स्वजनों को हादसे की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मृतकों के स्वजनों में मातम छा गया और वे आनन फानन में रिम्स पहुंचने लगे। स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल था। चारों युवाओं की मौत की फैली खबर के बाद उनके घर में कोहराम मच गया।

- सदर थाना क्षेत्र के बूटी मोड़ से डुमरदगा जाने वाले रूट पर हुआ हादसा
- पुलिस ने बताया कि कार पर सवार चारों युवक थे और उनकी उम्र 25-30 वर्ष थी
- इनमें तीन मृतक बरियातू बस्ती के रहने वाले थे जबकि एक ओरमांझी का

दुर्घटना के बाद कार के परखच्चे उड़ गए।

दोस्त को छोड़ने ओरमांझी जा रहे थे युवक

रांची में एक कार के बिजली के खंभे से टकराकर पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र में आधी रात के बाद एक सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। कार चालक ने नियंत्रण खो दिया था जिसके बाद बिजली के खंभे से कार टकरा गई और फिर पलट गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है और जांच की जा रही है। बता दें कि हादसा गुरुवार देर रात 1:30 बजे हुआ। थाना प्रभारी ने बताया कि राजू साहू को ओरमांझी छोड़ने बरियातू के तीन युवक अफरोज अंसारी, साबिर अंसारी और आमिर हुसैन भी कार पर सवार थे। तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई और मौके पर ही तीनों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि कार पर सवार चारो युवक थे और उनकी उम्र 25-30 वर्ष थी। इनमें तीन मृतक बरियातू बस्ती के रहने वाले थे जबकि एक ओरमांझी के निवासी थे, जिसे छोड़ने बरियातू से ओरमांझी जा रहे थे।

टक्कर के बाद पलट गई कार

सड़क हादसा सदर थाना क्षेत्र के बूटी मोड़ से डुमरदगा जाने वाले रूट पर हुआ। दुर्घटनाग्रस्त कार की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है। सूचना मिली कि वाहन चालक कार को काफी तेज रफ्तार में चला रहा था और कार पर वह नियंत्रण नहीं रख सका। जिस कारण ओवरस्पीड कार अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई। टकराने के बाद कार पलट गई और इसमें सवार 4 युवकों की मौत हो गई। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई।

इधर, गुना हादसे में 13 लोग जिंदा जले

GUNA : मध्यप्रदेश के गुना में बुधवार को देर रात डंपर से टक्कर के बाद यात्री बस में आग लग गई थी। हादसे में 13 लोग जिंदा जल गए थे। 11 शव बस के अंदर जबकि दो गेट के पास मिले थे। शवों की हालत ऐसी है कि मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। 16 लोग झुलस गए थे। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुना एसपी विजय कुमार खत्री ने बताया था कि बस में करीब 30 सवारियां थीं। हादसे में मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। गुना कलेक्टर तरुण राठी और एसपी विजय कुमार खत्री के साथ ही परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा को हटा दिया है। कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार जिला पंचायत सीईओ प्रथम कौशिक को सौंपा गया है। आरटीओ रवि बरेलिया को सस्पेंड कर दिया गया है। फायर ब्रिगेड देर से पहुंचने के कारण सीएमओ (चीफ म्युनिसिपल ऑफिसर) बीडी कतरोलिया को भी सस्पेंड कर दिया गया है।

ईडी की चार्जशीट में पहली बार प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम

NEW DELHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में पहली बार कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम आया है। जांच एजेंसी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत प्रियंका नाम चार्जशीट में शामिल किया है। एजेंसी के मुताबिक, प्रियंका ने 2006 में हरियाणा के फरीदाबाद में 5 एकड़ की खेती की जमीन खरीदी। प्रियंका ने ये जमीन दिल्ली के रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा से खरीदी। फरवरी 2010 में इस जमीन को पाहवा को ही बेच दिया। ईडी के मुताबिक, यह जमीन फरीदाबाद के अमीपुर गांव में पाहवा से खरीदी गई थी। इसी एजेंट से प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी 2005-2006 में अमीपुर गांव में 40.08 एकड़ जमीन के तीन टुकड़े खरीदे और उसे दिसंबर 2010 में एजेंट को ही बेच दिया।

डॉ सारंगी होंगे झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

PHOTON NEWS RANCHI : सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की सेवानिवृत्ति के उपरांत उड़ीसा हाई कोर्ट के सीनियर जस्टिस डॉक्टर बीआर सारंगी को झारखंड हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने डॉ जस्टिस बीआर सारंगी के सीनियरिटी को देखते हुए उनके नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार से की है। जस्टिस डॉक्टर बीआर सारंगी 20 जून 2013 को उड़ीसा हाई कोर्ट के जस्टिस बने थे। इससे पहले करीब 27 वर्षों तक उड़ीसा हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में

उन्होंने प्रेक्टिस किया था। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा गुरुवार को सेवानिवृत हो गए। 29 दिसंबर से झारखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में जस्टिस एस चंद्रशेखर को चीफ जस्टिस कार्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दरिंदगी : पलामू में सरकारी क्वार्टर में महिला से गैंगरेप, दो गिरफ्तार
पलामू डीसी के स्कॉट वाहन व एसपी आवास का ड्राइवर अरेस्ट

CRIME REPORTER PLAMU : पलामू जिले की रहने वाली तीन बच्चों की मां के साथ गुरुवार की सुबह में शहर थाना क्षेत्र के नवाटोली सरकारी क्वार्टर में सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में महिला द्वारा दिए गए फर्द बयान के आलोक में शहर थाना में मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपी पलामू डीसी के एस्कॉर्ट वाहन के ड्राइवर नावाजयपुर थाना क्षेत्र के नावाखास गांव निवासी 30 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार यादव एवं एसपी क्वार्टर के ड्राइवर बिहार के गया निवासी 40 वर्षीय प्रकाश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर

- रांची सासाराम इंटरसिटी ट्रेन से रूद्रा हॉस्पिटल के पास जाने के लिए स्टेशन पर उतरी थी महिला
- महिला का मोबाइल रिचार्ज कर आरोपियों ने लिया भरोसे में

लिया है। पीड़िता के बयान के अनुसार महिला रांची सासाराम इंटरसिटी ट्रेन से रूद्रा हॉस्पिटल के पास जाने के लिए स्टेशन पर उतरी थी। इसी बीच एसपी आवास का ड्राइवर प्रकाश कुमार स्टेशन के पास टहल रहा था। प्रकाश कुमार से जब महिला अपने मोबाइल रिचार्ज करने के लिए दुकान पूछ रही थी तो इसी बीच उसने उसका मोबाइल रिचार्ज कर दिया और पैसे लेकर फिर उसे नावाटोली स्थित सरकारी क्वार्टर में लेते आया, जहां धर्मेंद्र कुमार रह रहा था। वहां दोनों से महिला से दुष्कर्म किया।

चंपत राय बोले- 4000 मजदूर 24 घंटे कर रहे काम, मुख्य मंदिर 360 फीट लंबा और 235 फीट होगा चौड़ा

राम मंदिर के गर्भगृह में नहीं होंगी मां सीता

AGENCY AYODHYA : 70 एकड़ में बनने वाले राम मंदिर में भगवान रामलला की मूर्ति गर्भ ग्रह में विराजित होगी। यह राम का वह रूप होगा, जिसमें वे 5 साल के बालक रूप में होंगे। क्योंकि मूर्ति भगवान के बाल स्वरूप की है, इसलिए मुख्य मंदिर के गर्भगृह में मां सीता की कोई मूर्ति नहीं होगी। चंपत राय कहते हैं, मुख्य मंदिर 360 फीट लंबा और 235 फीट चौड़ा होगा। मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। परिसर के जिस गर्भगृह में रामलला विराजेंगे वहां पहुंचने के लिए 32 सीढ़ियां चढ़नी पड़ेंगी। सबसे खास बात यह है कि जो मूर्ति स्थापित होगी वह उस स्वरूप की होगी, जिसमें भगवान की शादी नहीं हुई है। यानी की मुख्य मंदिर में आपको मां

राम मंदिर की ये तस्वीर चंपत राय ने जारी की। लिखा- प्रभु श्री राम जी का मंदिर धीरे-धीरे भव्य स्वरूप ले रहा है।

सीता की मूर्ति नजर नहीं आएगी। मुख्य मंदिर के अलावा जन्मभूमि परिसर में 7 और मंदिर बनाए जा रहे हैं। इनमें भगवान राम के गुरु ब्रह्मर्षि वशिष्ठ, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, महर्षि वाल्मीकि, अगस्त्य मुनि, रामभक्त केवट, निषादराज और माता शबरी के मंदिर शामिल हैं। इन मंदिरों का निर्माण 2024 तक पूरा हो जाएगा। राम मंदिर के गर्भगृह तक जाने से पहले आपको लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। मंदिर का प्रवेश पूर्व दिशा में बने सिंह द्वार से होगा। सिंह द्वार से 32 सीढियां चढ़कर सबसे पहले रंग मंडप मिलेगा। यहां भगवान राम के जीवन से जुड़े चित्र और किरदार दीवारों पर उकेरे गए हैं। रंग मंडप से आगे चलने पर नृत्य मंडप पड़ेगा। गर्भ गृह के सबसे नजदीक यही जगह है। नृत्य मंडप में देवी देवताओं की मूर्तियां, रामायण की चौपाइयां पत्थरों पर बहुत सुंदरता से उकेरी गई हैं। नृत्य मंडप से आगे बढ़ने पर भगवान का गर्भ गृह पड़ेगा। यहीं पर 22 तारीख को पीएम मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे।

पीएम रामलला को आईना दिखाने की रस्म पूरी करेंगे

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। प्राण प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मंदिर के आचार्य (मुख्य पुजारी) मौजूद रहेंगे। सबसे पहले पीएम मोदी प्रभु श्रीराम को आईने में उनका चेहरा दिखाएंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से 23 दिन पहले यानी 30 दिसंबर को मोदी अयोध्या आ रहे हैं। 30 दिसंबर को मोदी श्रीराम एयरपोर्ट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन कर रोड शो करेंगे। इससे पहले मंदिर ट्रस्ट रामलला की बन रही 3 मूर्तियों में से एक का चयन कर लेगा। 29 दिसंबर को मूर्ति का चयन हो जाएगा। रामलला की इसी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

इंडिया और एनडीए में विचारधारा की लड़ाई

NAGPUR : कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह में राहुल गांधी ने कहा- इंडिया और एनडीए में विचारधारा की लड़ाई है। कुछ दिन पर भाजपा के एक सांसद मुझे लोकसभा में मिले। उन्होंने मुझसे कहा- बीजेपी में गुलामी चलती है... जो ऊपर कहा जाता है, वो बिना सोचे समझे करना पड़ता है। बीजेपी में रहकर सहा नहीं जाता। मैं हूं बीजेपी में, मगर दिल मेरा कांग्रेस में है। मैंने कहा- भाई दिल तेरा कांग्रेस में शरीर बीजेपी में। मतलब, दिल शरीर को कांग्रेस में लाने से डर रहा है, यही हो सकता है। मैंने कहा मन क्यों नहीं बन पा रहा है। आप एमपी हो। आप मुझे हिंट दे रहे हो। मन क्यों नहीं बन पा रहा है। हमारे महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने पीएम से सवाल पूछा- जीएसटी में किसानों का क्या हिस्सा होगा। मोदी जी को सवाल अच्छा नहीं लगा, पटोले जी आउट हो गए। उनकी विचारधारा राजाओं की विचारधारा है। किसी की सुनना ही नहीं। ऑर्डर आएगा, आपको उसका पालन करना पड़ेगा।

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत, सजा घटाई
कतर में 8 भारतीयों की मौत की सजा पर रोक

AGENCY NEW DELHI : कतर में भारत के आठ नौसैनिक जिन्हें मौत की सजा मिली थी उन्हें अब राहत मिली है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कतर की एक अदालत ने जासूसी के एक कथित मामले में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को सुनायी गयी मौत की सजा को कम कर दिया है। साथ ही मंत्रालय ने अपने बयान में यह कहा है कि हमने दहारा ग्लोबल मामले में कतर की अपीलीय अदालत के फैसले पर गौर किया, जिसमें सजा कम कर दी गई है। ऐसे में कहा जा रहा है कि मौत की सजा पाए 8 पूर्व नौसैनिकों के लिए यह बड़ी राहत है। जानकारी हो कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व जवानों को

- जासूसी के आरोप में कतर में किया गया था गिरफ्तार
- दहारा ग्लोबल कंपनी के कर्मचारी थे सभी भारतीय

जासूसी के आरोप में कतर में गिरफ्तार किया गया था और वहां की एक अदालत ने अक्टूबर में उन्हें मौत की सजा सुनायी थी। जानकारी यह सामने आ रही है कि सभी भारतीय नागरिक दोहा स्थित दहारा ग्लोबल कंपनी के कर्मचारी थे और उन्हें अगस्त 2022 में ही हिरासत में लिया गया था। हालांकि, उनके खिलाफ लगे आरोपों को कतर के अधिकारियों ने सार्वजनिक नहीं किया था। उन्हें फैसला देते हुए मौत की सजा सुनाई गई थी।

स्वस्थ रहने के लिए फल-सब्जियां खाएं छिलके समेत

अगली बार जब भी आप सेब खाने से पहले उसका छिलका उतारना शुरू करें तो दो बार सोचें। यदि विशेषज्ञों की राय मानें तो कई फलों तथा सब्जियों को छिलके समेत खाना अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है।

क्लीनिकल न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं, ''लोग जो भोजन तैयार करते हैं उसके बारे में बुनियादी पोषक तथ्यों को नजरअंदाज कर जाते हैं। विभिन्न खाद्यों को छिलके के बगैर खाने से उसके जरूरी पोषक तत्वों के लाभ से हम वंचित रह जाते हैं। उदाहरण के लिए बादाम का छिलका एंटी ऑक्सीडेंट्स का बढ़िया स्रोत है। बादाम के छिलके में मौजूद फ्लेवनॉएड्स इसमें मौजूद विटामिन ई के साथ मिलकर एंटी ऑक्सीडेंट गुणों को दोगुना कर देते हैं। बादाम के छिलके में पॉलीफिनोल्स भी होते हैं जो हृदय रोगों के खतरे को कम करते हैं और बुरे कोलेस्ट्रॉल की ऑक्सीडेशन को रोकते हैं जो धमनियों को नुकसान पहुंचाता है। बादामों में फाइबर, प्रोटीन, फैटी एसिड्स, विटामिन्स, मिनरल्स तथा फाइटोन्यूट्रीएंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं।''
एक अन्य डाइटीशियन कहते हैं, ''कुछ फलों तथा सब्जियों के छिलकों का सेवन करने से विटामिन की हमारी खपत बढ़ती है, हमारी ऊर्जा का स्तर ऊंचा होता है और यहां तक कि कैंसर से लडऩे में भी सहायता मिलती है। फलों के छिलके में पोटाशियम तथा स्वास्थ्यवर्द्धक सोडियम भरपूर मात्रा में होता है। ये आंतडिय़ों की सफाई करने में सहायक होते हैं।''
संतरे तथा नींबू के छिलकों को केक्स तथा पेस्ट्रीज में शामिल किया जा सकता है। संतरे का छिलका न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि फल से चार गुना अधिक फाइबर उपलब्ध करवाता है। छिलके समेत खीरे में भी कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं। यह विटामिन के (ब्लड क्लॉटिंग के लिए जरूरी), विटामिन सी तथा मैग्नीशियम का प्रमुख स्रोत है।''

कुछ फलों के छिलके

केला – केले का छिलका सेरोटोनिन से भरपूर होता है जो एक एंटी डिप्रैसेंट है।
सिट्रस फल – नींबू तथा नारंगी में लीमोनीन तथा रयूटिन नामक शक्तिशाली फ्लेवनॉएड्स होते हैं। ये बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होते हैं।
सेब – सेब फ्लेवनॉएड्स जैसे एंटी ऑक्सीडेंट्स, पोटाशियम तथा फाइबर के भरपूर स्रोत होते हैं। सेब के छिलके में इस फल के मुकाबले दोगुना अधिक एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं।
कीवी – इसके फर वाले छिलके में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर विरोधी और सूजन विरोधी गुण होते हैं।
अनानास – इसके छिलके में ब्रोमीलेन मौजूद होता है, जो मृत मानवीय कोशिकाओं को तोड़ता है। इस प्रकार पेट तथा आंतडिय़ों की परतों की रक्षा होती है।

सब्जियों के छिलके

हरी पत्ता गोभी – इसका छिलका कैल्शियम, विटामिन सी, घुलनशील फाइबर, प्रोटीन्स तथा एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है।
आलू – इसका छिलका घुलनशील फाइबर, पोटाशियम, आयरन, फासफोरस तथा विटामिन सी से भरपूर होता है।
टमाटर – इसका छिलका लाइकोपीन नामक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जिसमें कैंसर तथा सूजन विरोधी गुण पाए जाते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।
लहसुन – इसके छिलके में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स एजिंग को रोकने के साथ ही हृदय की रक्षा भी करते हैं।

अगली बार जब भी आप सेब खाने से पहले उसका छिलका उतारना शुरू करें तो दो बार सोचें। यदि विशेषज्ञों की राय मानें तो कई फलों तथा सब्जियों को छिलके समेत खाना अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक होता है।

अच्छा कोलेस्ट्रॉल भी हो सकता है दिल का दुश्मन

बुरा कोलेस्ट्रॉल दिल के लिए खतरनाक है। आप इस बात से तो हम सभी वाकिफ थे, लेकिन अब अच्छे कोलेस्ट्रॉल को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। अमेरिका में ओहिया राज्य के क्लीवलैंड क्लीनिक के शोधकर्ताओं द्वारा हाल ही में किए गए एक शोध में यह खुलासा हुआ है। इस शोध में पता चला है कि अभी तक दिल का सच्चा साथी माने जाने वाला अच्छा कोलेस्ट्रॉल अर्थात हाई डेंसिटी लाइपोप्रोटीन (एचडीएल) दिल के लिए घातक भी साबित हो सकता है। यह असामान्य रूप से धमनियों में जमकर खून के बहाव को भी बाधित कर सकता है और इस तरह यह भी दिल के दौरे और दिल से जुड़ी दूसरी बीमारियों का कारण बन सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि शोध में द्वारा नए सिरे से किए गए खुलासे के बावजूद लोगों को स्वास्थ्यवर्धक भोजन का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन दिल के संबंध में एचडीएल की कहानी कुछ ज्यादा ही पेचीदा है।

उच्च कार्बोहाइड्रेट आहार भी बीमारियों का कारण

नवीनतम शोधों से पता चला है कि मैदे से बनी ब्रैड, आलू, परिष्कृत चावल और पास्ता जो कार्बोहाइड्रेट के उत्तम स्रोत हैं, का सेवन स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है। हाल ही में एक शोध में कुछ महिलाओं को कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन ब्रैड, आलू, पास्ता, परिष्कृत चावल आदि का सेवन करवाया गया और कुछ महिलाओं को रेशेयुक्त आहार जैसे अनाज की ब्रैड और गेहूं का दलिया आदि का सेवन करवाया गया।
जिसमें शोधकर्ताओं ने कार्बोहाइड्रेट युक्त आहार का सेवन करने वाली महिलाओं को रेशेयुक्त आहार का सेवन करने वाली महिलाओं की तुलना में अढ़ाई गुणा अधिक 'टाइप टू डायबिटीज' होने की संभावना पाई। इस शोध से शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उच्च कार्बोहाइड्रेट आहार जिसमें रेशे की मात्रा कम हो, गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इससे पूर्व हुए अन्य शोधों से यह भी पता चला है कि रेशेयुक्त आहार का सेवन न करने से हृदय रोगों, कैंसर (पेट, आंत) होने की संभावना भी अधिक होती है।

नींद न आए तो इन्हें आजमाएं

- सोने से पहले एक गिलास हल्का गर्म दूध पिएं। यह बिना किसी रुकावट के नींद लाने में मदद करता है। इसमें एमिनो एसिड होता है जो शरीर की तंत्रिकाओं को शांत करता है, जिससे नींद अच्छी आती है।
- दिन भर में अच्छी मात्रा में दही खाएं।
- सोने से पहले चुटकी भर जायफल का पाऊडर दूध या पानी में मिला कर पिएं।
- आधे-आधे चम्मच खसखस, चीनी और शहद का पेस्ट बनाएं और सोने से पहले इसे खाएं।
- दूध में 2 बड़े चम्मच शहद मिलाकर पिएं।
- रात को खाने में सलाद की जगह कच्चा प्याज खाएं। इसको खाने से मुंह से दुर्गंध आती है, तो ब्रश करके सोएं। इसमें मौजूद खास तरह के रसायन नींद लाने में मदद करते हैं।
- अपने सोने और उठने का खास समय निर्धारित कर लें और कोशिश करें कि उसी वक्त पर सोएं और उसी वक्त पर उठें। इस कोशिश में अलार्म घड़ी की सहायता लें।
- सोने से पहले पानी में तुलसी या पोदीना पत्तियां डालकर गुनगुने पानी से स्नान करें। यह शरीर का तापमान पहले तो बढ़ाएगा, फिर धीरे-धीरे ठंडक प्रदान करेगा।
- हल्के व ढीले कपड़े पहन कर कुछ पढ़ते-पढ़ते सोएं। नींद में जल्दी ध्यान केंद्रित होगा और कुछ ही समय में आप नींद के आगोश में होंगी।
- किसी तरह के मद्य-व्यसन के प्रयोग से बचें।
- फल या फलों का रस, सब्जियां और साग अपनी रूटीन डाइट में शामिल करें।
- सोने से पहले ढेर सारा पानी न पिएं। बार-बार यूरिन आने के कारण नींद में व्यवधान पड़ेगा।
- चीनी की बजाय शहद मिला कर पिएं क्योंकि चीनी तुरंत ऊर्जा देती है। भले ही यह ऊर्जा कम समय के लिए ही बनी रहे, पर इससे शूगर लैवल बढ़ और गिर सकता है और नींद में खलल पैदा हो सकता है।
- सोने से पहले 3-4 बार गहरी व लम्बी सांसें लें।
- नियमित रूप से दिन में कम से कम 20 मिनट के लिए व्यायाम करें। यह नींद का स्तर और समय दोनों को प्रभावित करेगा।

गर्भवती मां के खान-पान से पड़ सकता है बच्चे के दिमाग पर असर

गर्भवती महिला के खानपान में वसायुक्त पदार्थों की अधिकता बच्चे के दिमाग को प्रभावित कर सकती है, जिससे आगे चलकर जीवन में बच्चे के मोटे होने की आशंका बढ़ जाती है। हाल ही में अमेरीका के येल स्कूल ऑफ मैडिसिन में जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में यह पता चला कि वसायुक्त भोजन से चूहों के बच्चों के दिमाग में बदलाव आ गया। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि उनके इस अध्ययन से मोटे लोगों के बच्चों के भी आगे मोटे होने की व्याखया की जा सकती है। अध्ययन के दौरान कुछ चुहियों को वसायुक्त भोजन दिया गया और कुछ को सामान्य, जिन चुहियों को वसायुक्त भोजन दिया गया, उनके बच्चों के दिमाग में हाईपोथेलेमस वाले भाग में बदलाव देखा गया। दिमाग का यह भाग शरीर में उपापचय (मैटाबोलिज्म) की दर को नियंत्रित करता है।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Friday, 29 December 2023

BRIEF NEWS

महागठबंधन सरकार के चार साल बेमिसाल रहे : कांग्रेस

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि महागठबंधन सरकार के चार साल बेमिसाल रहे। सरकार ने हर मोर्चे पर राज्य की खुशहाली और तरक्की का एक नया आयाम गढ़ा है। सिन्हा गुरुवार को पार्टी कार्यालय में बोल रहे थे। उन्होंने बाबूलाल की ओर से जारी श्वेत पत्र पर तंज करते हुए कहा कि श्वेत पत्र में जितने पन्ने हैं उससे कहीं अधिक महागठबंधन सरकार की विकासशील योजनाएं धरातल पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि श्वेत पत्र के जरीये जनता को गुमराह न करें। बाबूलाल मरांडी का श्वेत पत्र ईडी और आईटी से आगे नहीं निकल पाया। इससे यह साफ प्रतीत होता है कि भाजपा के पास सरकार की नाकामियां गिनाने को कुछ नहीं है। सिर्फ एक विपक्ष की भूमिका अदा करते हुए श्वेत पत्र जारी किया गया है। उन्होंने बाबूलाल को आईना दिखाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने रोटी कपड़ा और मकान देने का काम किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में यूनिवर्सल पेंशन जैसी सुरक्षा देने का काम किया। राज्य कर्मियों को ओल्ड पेंशन, पारा शिक्षकों को सहायक शिक्षक, पुलिस कर्मियों को 13 माह का वेतन और क्षतिपूर्ति अवकाश देकर मजबूत किया।

रांची में सजेगा राम दरबार बांटे जाएंगे निमंत्रण पत्र

RANCHI : अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इस आयोजन को लेकर पूरे देश में तैयारी चल रही है। इस तैयारी में राजधानी रांची सहित पूरा झारखंड लगा हुआ है। श्रीराम मंदिर अयोध्या से आए अभिमंत्रित अक्षत राजधानी रांची के विभिन्न मंदिरों में रखे जा रहे हैं। लोगों को इसके दर्शन भी कराए जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर विश्व हिंदू परिषद और भाजपा की ओर से तमाम तैयारियां की जा रही हैं। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सहमंत्री झारखंड रंगनाथ महतो ने कहा कि एक से 15 जनवरी तक निमंत्रण पत्र बांटे जाएंगे। उन्होंने बताया कि देश से लेकर गांव तक के लिए मंदिर कार्यक्रम की एक केंद्रीय योजना बनायी गयी है। इसी के अनुसार काम किया जा रहा है। केंद्रीय कार्य योजना के मुताबिक चार चरणों में काम किया जाएगा।

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवकों का धरना स्थगित

RANCHI : हरमू स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय (कैम्प) में पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह सदस्य, झारखंड राज्य समन्वय समिति विनोद कुमार पाण्डेय से पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार के नेतृत्व में 18 सदस्य प्रतिनिध मंडल की वार्ता हुई। इसमें विनोद कुमार पाण्डेय के द्वारा संघ के सदस्यों को आश्वस्त किया गया कि उनकी मांगों के प्रति सरकार गंभीर है। यह सरकार स्थानीय और मूलवासियों की सरकार है। पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ का भी कल्याण इसी सरकार के द्वारा किया जाएगा। यह सरकार राज्य के युवा एवं बेरोजगारों के प्रति अपना सकारात्मक नजरिया रखती है। हम किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने देंगे। विनोद कुमार पांडेय से वार्ता के बाद संघ के प्रतिनिधि मंडल ने संतुष्टि जताई। उसके द्वारा यह निर्णय लिया गया कि अब 8 जनवरी 2023 तक संघ की ओर से धरना का कार्यक्रम स्थगित रखा जाएगा।

गैंगस्टर को पकड़ने वाली एटीएस टीम सम्मानित

RANCHI : डीजीपी के निर्देश पर महाराष्ट्र एटीएस के सहयोग से झारखण्ड एटीएस के द्वारा पिछले कई वर्षों से आतंक का पर्याय रहा गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को 15 मई 2023 को मुंबई के वाशी से गिरफ्तार किया गया था। अमन श्रीवास्तव 27 जघन्य आपराधिक कांडों में वाछित था और वो वर्ष 2015 से फरार चल रहा था। अमन श्रीवास्तव की गिरफ्तारी में महाराष्ट्र के डीजी सदानंद दाते के निर्देशन में एसपी शीला दिनकर साइल और एवं वरीय पुलिस निरीक्षक आधिकराव पोल एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उक्त अभियान में शामिल महाराष्ट्र एटीएस के पुलिस पदाधिकारियों को झारखंड के डीजीपी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया था।

RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

सरकार के चार साल पूरे होने के एक दिन पहले सीएम हेमंत सोरेन मीडिया से हुए रू-ब-रू

प्यार से तो सिर भी काट कर डाल दूं : हेमंत

सरकार, इंडिया गठबंधन, भाजपा, केंद्र सरकार, राम मंदिर, ईवीएम समेत तमाम मुद्दों पर बेबाकी से की बात

PHOTON NEWS RANCHI : हमें डरा-धमका कर कोई भी काम नहीं करा सकता है। अगर कोई प्यार से पेश आए तो अपना सिर भी काट कर दे दूं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह बात उस सवाल के जवाब में कही, जिसमें उनसे पूछा गया था कि आप लगातार कह रहे हैं कि जब भी केंद्र से राज्य का हिस्सा मांगते हैं, तो हमारे पीछे ईडी और जांच एजेंसी लगा देती है। सरकार गठन के कुछ घंटे बाद से ही हमारी सरकार को गिराने का प्रयास शुरू हो गया। क्या इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनने के बाद आपको डरा-धमका कर गठबंधन से दूर रहने का दबाव तो नहीं बनाया जा रहा है? हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि वह गुरुजी के पुत्र और झारखंड आंदोलन की उपज हैं। अगर कोई यह समझ रहा है कि डरा धमका कर कुछ करा लेगा तो वह मुगालते में जी रहा है। डरा-धमका के कोई भी हमसे कुछ नहीं करा सकता है। हां, अगर प्यार से कोई कहे तो अपना सिर भी काट कर रख दूं। सरकार के कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने के एक दिन पहले वह अपने आवास पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। सीएम ने कहा कि हम धर्म और जात की राजनीति नहीं करते हैं। हम विकास और सबका हित हो, उस सोच के तहत काम करते हैं। अभी तक राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण मुझे नहीं मिला है, अगर बुलावा आया तो जरूर जाएंगे। हम मंदिर भी जाते हैं, मस्जिद भी जाते हैं, गुरुद्वारा भी जाते हैं और चर्च भी जाते हैं। इसलिए राम मंदिर जाने में क्या दिक्कत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जातिगत गणना कराएगी। रही बात ओबीसी आरक्षण, मॉल लिंचिंग बिल या अन्य बिल या विधयेक की तो राजभवन उस पर कुंडली मारके बैठ जाता है। यह केवल झारखंड में नहीं, बल्कि पूरे देश में जहां-जहां गैर भाजपा सरकार है, सभी जगह हो रहा है। अब तो राज्य सुप्रीम कोर्ट तक जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट राजभवन को दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। इससे समझा जा सकता है क्या हालात है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड गठन के बाद ही झारखंड आंदोलनकारियों की समस्याओं का समाधान हो जाना चाहिए था। मगर नहीं हुआ। अगर हम झारखंड आंदोलन से जुड़े लोगों की भी समस्या सुलझा नहीं सकें तो बेकार है। मैं खुद इस मामले को देख रहा हूं, जल्द ही झारखंड आंदोलनकारियों से जुड़ी सभी समस्याओं का वे समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि इस राज्य की कुल आबादी 80 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र है। जब तक गांव और ग्रामीण मजबूत नहीं होंगे, तब तक न तो शहर का विकास होगा और न ही राज्य का। इसलिए हमारी सरकार गांव, ग्रामीण, मजदूर, गरीबों के लिए कई योजनाएं लेकर आई है। जिसका सीधा फायदा अब लोगों तक पहुंचाने में लगे हैं।

- कोई यह समझ रहा है कि डरा धमका कर कुछ करा लेगा तो वह मुगालते में जी रहा
- हम धर्म और जात की राजनीति नहीं करते
- राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण मुझे अभी तक नहीं मिला

गठबंधन को पीएम चेहरे की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि इंडिया गठबंधन को पीएम चेहरे की जरूरत नहीं है। चेहरा तो एक कृत्रिम उपज है। असल में चेहरा तो जनता बनाती है। इसलिए इंडिया गठबंधन का पीएम के चेहरे को लेकर इस तरह का विवाद पैदा नहीं किया जाना चाहिए। यह देश के लिए कोई इश्यू नहीं है। देश के इश्यू क्या है, यह पूरा देश जानती है। हम इश्यू और मुद्दों पर अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल हो या ना हो, इस सवाल पर सीएम सोरेन ने कहा कि ईवीएम का इस्तेमाल कहां से शुरू हुआ। जहां से इस तकनीक का इस्तेमाल शुरू हुआ, वहां क्यों बंद हो गया। हर वो तकनीक जिससे लोकतांत्रिक देश में चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा हो, उससे तौबा कर लेनी चाहिए। अगर हम इंडिया को बतौर विश्व गुरु प्रोजेक्ट कर रहें तो कम से कम इस आधार पर ही ईवीएम को समाप्त कर देना चाहिए और पुराने सिस्टम से चुनाव कराने चाहिए।

राज्यों के पास आय के साधन बहुत सीमित

टैक्स में राज्य के हिस्से पर बात करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी जानते हैं कि देश में जीएसटी लागू है। इसके लागू होने के बाद राज्यों के पास आय के साधन बहुत सीमित रह गए हैं। केवल एक्साईज, बालू-गिट्टी सहित कुछ छोटे-छोटे चीज ही आय के साधन बच गए हैं। मगर इस पर भी विपक्ष की नजर है। रोड़े अटका रहा है। आखिकार राज्य को आय कैसे प्राप्त हो। विपक्षी हिस्सा मांगने में मदद नहीं करते हैं।

सवैधानिक संस्थाओं पर सवाल

हाइकोर्ट द्वारा खनन लीज मामले में मिली राहत से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि भारत एक संघीय ढ़ांचे के तहत काम करता है। क्या आज संघीय ढांचा अपने सिस्टम से काम कर रहा है। आखिर क्यों संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठ रहा है। पूरा देश देख रहा है और समझ रहा है। कहां-क्या और कैसे हो रहा है। यह देश कानून और संविधान से चलता है। देश में कानून और संविधान है कि नहीं।

काम का सर्टिफिकेट जनता देगी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हम क्या काम किए हैं और क्या कर रहे हैं। इसका सर्टिफिकेट जनता देगी। अगर हम काम बताना शुरू करें और सूची बनाना शुरू करें तो विपक्ष उसमें समा जाएगा। राज्य गठन हुआ तो सरप्लस बजट था। आज हम घाटे के बजट के साथ राज्य के विकास को गति दे रहे हैं। सरप्लस बजट गया कहां। जो काम आज हो रहे हैं, क्या वह पहले नहीं हो जाना चाहिए था। हम यह नहीं कहते हैं कि राज्य की सारी समस्या खत्म हो गयी। मगर इसे सुधारने का काम तो शुरू हो चुका है। हम यह भी नहीं कह सकते हैं कि सिस्टम से भ्रष्टाचार शून्य हो गया। मगर इसे कम करने की दिशा में काम शुरू हो चुके हैं। विपक्ष ने राज्य बनने के बाद पेड़ के फल-फुल और पत्ते-डाली तक काट डाले, हम उसे फिर से हरा करने में जुटे हैं। धनबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत बिजी शिड्यूल में चल रहे थे। कुछ दिन पहले ही धनबाद के हालात के बारे में मुझे पता चला। इसके बारे में केवल इतना ही कह सकते हैं कि धनबाद में उत्पन्न हुई समस्या के राजनीतिक कारण भी हैं। समस्या उत्पन्न भी किए गए हैं। जहां समस्या उत्पन्न हुए हैं, वहां के लोग आएं, वे ही इसका हल बताएं, उनके बताए रास्ते के जरिए ही इसका हल निकालेंगे।

...तो हम पेंशन पांच हजार रुपया दें देंगे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के हर वर्ग, हर कर्मचारी के हित को देखकर काम कर रही है। हमने हर कर्मचारियों और हर वर्ग को ध्यान में रखकर काम किया। पूर्ववर्ती सरकारों ने सामाजिक सुरक्षा को लेकर कुछ काम नहीं किया। क्या विधवा होने की उम्र होती है। क्या विधवा होने के वर्षों बाद उसे पेंशन मिलेगा। हमने इस दर्द को समझा, जो कोई महिला विधवा होगी उसे उसी दिन से पेंशन मिलेगा। आज आप सर्च मशीन लेकर खोजिए कोई बुजुर्ग नहीं मिलेगा जिसे पेंशन नहीं मिल रहा है। पूरे देश में यूनिवर्सल पेंशन देने वाला झारखंड पहला राज्य बना। ओल्ड पेंशन भी झारखंड से शुरू हुआ। आज पेंशन की राशि पूरे देश में सबसे अधिक झारखंड में हैं। अगर केंद्र हमारा बकाया दे दे तो हम पांच हजार रुपया तक पेंशन दे देंगे। केवल डेढ़ लाख नौकरी निजी संस्थाओं में हमने दिया। जेपीएससी के नियमों को ठीक किया। हजारों सरकारी नौकरी दी।

झारखंड के 14 आईपीएस को आईजी-डीआईजी में प्रोन्नति

बोकारो रेंज के डीआईजी बनाए गए सुरेंद्र कुमार झा

CRIME REPORTER RANCHI : राज्य सरकार ने 14 आईपीएस को डीआईजी और आईजी रैंक में प्रोन्नति दी है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने बुधवार देर रात अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार माइकल राज एस को बोकारो जोनल आईजी, ए विजय लक्ष्मी को आईजी ट्रेनिंग, नरेंद्र सिंह को रेल आईजी, शैलेंद्र कुमार सिन्हा को झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग का निदेशक और सुदर्शन प्रसाद मंडल को आईजी सीआईडी बनाया गया है। वहीं दूसरी ओर एटीएस एसपी के पद पर पदस्थापित सुरेंद्र कुमार झा को बोकारो रेंज का डीआईजी, शैलेंद्र कुमार बर्णवाल को डीआईजी के पद पर प्रोन्नति देते हुए (एसआईबी) स्पेशल ब्रांच रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है। जबकि वाई एस रमेश को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए होमगार्ड डीआईजी, कार्तिक एस को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए रेल डीआईजी, मनोज रतन चौथे को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए स्पेशल ब्रांच डीआईजी के पद पर पद स्थापित किया गया है।

इसी प्रकार संध्या रानी मेहता को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए सीआईडी डीआईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा धनंजय सिंह को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए डीआईजी जंगल वॉरफेयर स्कूल नेतरहाट के पद पर पदस्थापित किया गया। साथ ही अश्वनी कुमार सिन्हा को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए डीआईजी वायरलेस, नौशाद आलम को डीआईजी के पद पर पदस्थापित करते हुए डीआईजी कार्मिक के पद पर पदस्थापित किया गया है।

- नौशाद आलम डीआईजी कार्मिक के पद पर पदस्थापित
- मनोज रतन चौथे बनाए गए स्पेशल ब्रांच के डीआईजी

सुरेंद्र कुमार झा।

नौशाद आलम।

इधर, 93 इंस्पेक्टर बने डीएसपी

रांची, 28 दिसम्बर (हि.स.)। राज्य के 93 इंस्पेक्टर को डीएसपी रैंक में प्रोन्नति मिली है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को अधिसूचना जारी कर दी है। डीएसपी बनने वालों में डेविड सुनील कुमार मिंज, राजबल्लभ पासवान, लक्ष्मण प्रसाद, अरुणा मिश्रा,प्रमोद कुमार सिंह,अशोक पासवान, अनिल एक्का,अटल शांडिल, किशोर तिर्की, सत्येंद्र नारायण सिंह, प्रभात कुमार सिंह, गोवर्धन उरांव,अजीत अरुण एक्का, सुधीर सुरीन, मुनु टुडू, नलिन कुमार मरांडी, अर्जुन पूर्ति, राइफल मुर्मू,चंद्र मोहन हांसदा, राम जी महतो, अलबिनुस इंदवार, बैजू उरांव, प्रकाश टोप्पो, अनूप बी पी केरकेट्टा, संतोष कुमार, दीपाली नायक, सतीश कुमार सिन्हा, मणि भूषण प्रसाद, वेंकटेश कुमार, मनोज कुमार सिंह, निवास सिंह,रमाकांत तिवारी, जय गोविंद प्रसाद गुप्ता, शैलेश कुमार चौहान, संजय कुमार, मुन्ना प्रसाद गुप्ता, रमेश कुमार, संजय कुमार, श्रीनिवास, राजीव रंजन लाल, सुनील कुमार चौधरी, संजीव कुमार 1, रविंद्र कुमार सिंह, विद्या शंकर, राजकुमार यादव, सुधीर कुमार चौधरी, कृष्ण मुरारी, आबिद खान, शिव प्रकाश कुमार, नीरज कुमार, प्रभास नाथ मिश्रा, राम नारायण चौधरी, विजय रंजन कुमार, नीरज, शंकर कामती, मंजू कुमारी कश्यप, सुमन कुमार सुमन, यदु साव, इंद्रदेव राम, अजय कुमार केसरी, अरविंद कुमार सिंह, निरंजन तिवारी, अरविंद कुमार, कौशलेंद्र कुमार झा, मनोज कुमार ठाकुर, राजेश कुमार सिन्हा, भरत राम, शिवपूजन बहेलिया, दीपक कुमार, झानो हांसदा,राधेश्याम दास, राजेंद्र कुमार दास, बिनेश लाल, राजेश प्रसाद रजक, राजेश कुमार, बिरजू गंझू,विश्वनाथ सिंह, सत्येंद्र प्रसाद, अशोक कुमार राम, बनारसी प्रसाद, दयानंद आजाद, सुजीत राय, धर्मदेव पासवान, बालकृष्ण भगत, नोएल भूषण मिंज, वीरेंद्र टोप्पो, बुधराम उरांव, जयप्रकाश टोप्पो, सावना खड़िया, परमेश्वर लेयांगी, सुलेखा इसाबेला टुडू, गंदरु भगत और नयन सुख दादेल शामिल हैं।

2011 बैच के सात आईपीएस का सलेक्शन ग्रेड में प्रमोशन

RANCHI : राज्य सरकार ने 2011 बैच के सात आईपीएस को सलेक्शन ग्रेड प्रमोशन और दो को परफॉर्मा प्रमोशन दिया है। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार सेलेक्शन ग्रेड में प्रमोशन पाने वाले में चंदन कुमार झा, प्रियदर्शी आलोक, चंदन कुमार सिन्हा, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा, मणिलाल मंडल और अंबर लकड़ा शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर परफॉर्मा प्रमोशन पाने वाली लिस्ट में शिवानी तिवारी और जया राय का नाम है। ये दोनों आईपीएस वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

डोरंडा में महिला की हत्या के बाद आरोपियों ने धारधार हथियार से काट दिया था का प्राइवेट पार्ट

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा, गैंगरेप के बाद हत्या की आशंका, छानबीन जारी

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित बड़ा घाघरा के खुशबू टोली से बुधवार की सुबह बरामद 50 वर्षीया महिला की हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के साथ दरिंदगी की पुष्टि हुई है। उसके सिर को पत्थर से कूचने के बाद दरिंदों ने उसके प्राइवेट पार्ट को धारदार हथियार से काट दिया था। घटना की प्रकृति बता रही है कि हत्यारों की संख्या एक से अधिक रही होगी। आशंका जताई जा रही है कि दरिंदों ने पहले महिला के साथ पहले सामूहिक दुष्कर्म किया और उसके बाद पत्थर से उसके सिर को कूच दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। दुष्कर्म से संबंधित साक्ष्य को मिटाने के उद्देश्य से उसके प्राइवेट पार्ट को धारदार हथियार से काट डाला। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने महिला के प्राइवेट पार्ट का स्लाइड भी बनवाया है, ताकि दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म के बिंदु पर राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला से जांच कराई जा सके। बिसरा सुरक्षित रख दिया गया है, जिसमें नेल क्लिपिंग आदि भी शामिल हैं। वैज्ञानिक तरीके से जांच में घटना के संबंध में और परतें खुलेंगी। फिलहाल, पुलिस तक पोस्टमार्टम की रिपोर्ट अभी नहीं पहुंची है। इधर, शव बरामदगी के दूसरे दिन भी इस पूरे मामले में पुलिस खाली हाथ रही। अब तक हत्यारों के बारे में पुलिस को ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो कुछ संदिग्धों की जानकारी मिली है, जिनका पता लगाया जा रहा है। बहुत जल्द पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा। पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज से भी हत्यारों की तलाश कर रही है। राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने भी घटनास्थल से फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए थे, जिसकी जांच में कुछ और तथ्य सामने आएंगे। दरिंदगी की शिकार महिला ने पति की मौत के बाद दूसरी शादी की थी। उसका दूसरा पति सिमडेगा का रहने वाला है। उसने भी पहली पत्नी की मौत के बाद उक्त महिला से दूसरी शादी की थी। पति पेशे से राजमिस्त्री है।

- गुरुवार को डोरंडा के बड़ा घाघरा के खुशबू टोली स्थित किराए के मकान से बरामद हुआ था महिला का शव

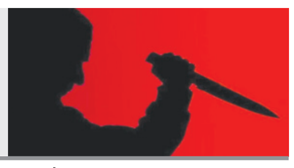

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मुख्य सचिव और डीजीपी को लिखा पत्र

इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, एएसआई व कांस्टेबल को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का किया अनुरोध

CRIME REPORTER RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड पुलिस से इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, एएसआई और कांस्टेबल को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का अनुरोध किया है। इसको लेकर एनआईए ने मुख्य सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि एनआईए के विभिन्न ब्रांचों में 43 इंस्पेक्टर, 51 सब इंस्पेक्टर, 13 एएसआई पर 12 हेड कांस्टेबल की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। इन पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति एनआईए के दिल्ली, रांची, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, कोच्चि, रायपुर, चंडीगढ़, इंफाल, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, जयपुर, पटना और अहमदाबाद में की जायेगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एनआईए की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए इन पदों पर आवेदन दे सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 119 पद भरे जायेंगे। इन पदों पर बहाली डेपुटेशन के आधार पर की जायेगी। इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।

झारखंड पुलिस की उपलब्धि : राज्य में इस वर्ष संगठित आपराधिक गिरोह के 248 बदमाश गिरफ्तार

पिछले एक साल में 397 नक्सलियों को पुलिस ने दबोचा

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड पुलिस के लिए साल 2023 सफलताओं से भरा रहा। जनवरी 2023 से लेकर 20 दिसंबर 2023 तक झारखंड के विभिन्न जिलों में कुल 397 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। झारखंड में सक्रिय संगठित अपराधी गिरोह के कुल 248 अपराधी गिरफ्तार किए गए। इसके अलावा झारखंड पुलिस ने इस एक साल के दौरान 834 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। साथ ही पांच करोड़ रूपया बैंक अकाउंट में फ्रीज कराया गया। अवैध शराब और मादक पदार्थ के कारोबार से जुड़े 696 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। एक साल के दौरान झारखंड में 61,001 मामले दर्ज हुए। कुल 60049 मामले का निष्पादन किया गया। इसके अलावा पांच वर्षों से अधिक समय से लंबित 1716, दस वर्षों से अधिक समय से लंबित 174 और पांच वर्षों से कम समय से लंबित 58159 कांड शामिल है। राज्य में कुल 88810 वारंट और 1866 कुर्की का निष्पादन किया गया। साथ ही कांड में 21162 वारंट कुर्की में कल 25433 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। राज्य में वाहन चोरी के विभिन्न कांडों में 838 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, और चोरी किए गए 932 दो पहिया और 108 चार पहिया के साथ दो ऑटो भी बरामद किया गया। झारखंड में पिछले एक साल के दौरान 397 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें एक सैक सदस्य, एक आरसीएम, पांच जोनल कमांडर, 11 सब जोनल कमांडर, नौ एरिया कमांडर शामिल हैं। इसके अलावा इस दौरान 26 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष सरेंडर किया। जिसमें तीन आरसीएम, दो जोनल कमांडर, नौ सब एरिया कमांडर और दो एरिया कमांडर शामिल है। इस दौरान झारखंड पुलिस ने नक्सलियों के 152 हथियार 10350 गोली, नक्सलियों के द्वारा लगाए गए 244 आईईडी और 17.56 लाख रूपया लेवी के बरामद किए।

इन गिरोह के इतने अपराधियों को किया गया गिरफ्तार

झारखंड में सक्रिय संगठित अपराधी गिरोह के 248 अपराधी गिरफ्तार हुए। जिनमें पांडेय गिरोह के 14, अमन साव गिरोह के 20, प्रिंस खान गिरोह के 62, फहीम खान गिरोह के तीन, अमन सिंह गिरोह के 29, नेशनल आदिवासी डेमोक्रेटिक फोर्स के चार, रोहित मुंडा गिरोह के एक, कैलू पासवान गिरोह के चार, अमन श्रीवास्तव गिरोह के नौ, विकास तिवारी गिरोह के 14 और रंजीत साव गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इन अपराधियों के पास से 129 हथियार, 1677 गोली चार विस्फोटक पदार्थ, 72.29 लाख रूपया और 65 दिरहम बरामद किया गया। झारखंड एटीएस के द्वारा संगठित अपराधी गिरोह के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इन गिरोहों के फंडिंग, आर्थिक स्रोत, हवाला चैनल और उनके द्वारा अपराध से अर्जित किए गए संपत्तियों का पता लगाकर जप्त करने का काम किया जा रहा है।

धर्म स्थलों का सम्मान वक्त की आवाज : मुफ्ती अब्दुल्लाह

PHOTON NEWS RANCHI : मुफ़्ती अब्दुल्लाह अजहर कसमी केंद्रीय अध्यक्ष मुस्लिम मजलिस ए उलेमा झारखंड ने अपने संदेश मे कहा के स्वतन्त्र भारत मे एक सौ चालीस करोड़ लोग रहते हैं। विश्व का सब से बड़ा लोकतंत्र भारत ही है। जहां अनेकता में एकता वा आपसी भाई चारा एक मिसाल है। भारत के धर्म गुरुवों ने हमेशा एक दूसरे का सम्मान करते आए हैं। साथ ही धर्म स्थलों की पवित्रता का खयाल सम्मान करने का हर संभव प्रयास रहा है। आज भारत मे सद भाव एवं प्रेम के धागा को मजीद मजबूत करने की जरूरत है। आईये हम सब मिल कर संकल्प लें के भारत को विकसित और मजबूत करने के लिए अपना बहूमूल्य योगदान दें।

नफरत, भेद भाव, छुवा छू, एवं घृणा को समाप्त करने के लिए अपने अपने मन को साफ करें। ईश्वर ने इस संसार मे खूबसूरत जिंदगी गुजरने का शुभ अवसर दिया है। इस उपहार को मानवता के सेवा के लिए लगाएं। हर मनुष्य का जिंदगी ईश्वर के हाथ में है। वही जिंदगी व मौत का मालिक है। अपने अपने हीर्दय को पाक और साफ रखें और अहिंसा के राह पे चल कर बापू के बताए हुए मार्ग दर्शन पर चलने के लिए एक दूसरे का सहभागी बनें।

इस्तीफे से ललन सिंह का इनकार

एनडीए में शामिल होने के सवाल पर नीतीश ने कुछ नहीं कहा; तेजस्वी बोले- महागठबंधन में सब ठीक

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने ललन सिंह को जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने की खबरों को खारिज कर दिया। गुरुवार को जब सीएम से यह पूछा गया है कि यह चर्चा है कि आप एनडीए में जा सकते हैं तो इस सवाल को वे टाल गए। शुक्रवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी और परिषद की बैठक होगी। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने इस्तीफे की खबर को खारिज कर दिया है। दिल्ली में उन्होंने कहा कि भाजपा जो नैरेटिव सेट करती है उसे आपको फॉलो करना होता है। आप मैनेजमेंट से बात कर लीजिए। जो नैरेटिव सेट करना हो सेट कर लीजिए। जेडीयू एक है। एक रहेगी। आप चाहे जितनी ताकत लगा लीजिए। ये राष्ट्रीय कार्यकारिणी और परिषद की बैठक है। तेजस्वी

यादव ने भी ललन के इस्तीफे की खबर को खारिज किया। उन्होंने कहा कि हर पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक करती है। ये एक सामान्य बैठक है। महागठबंधन में सब कुछ ठीक है। इस बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पटना में कहा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब कुछ ही दिन के मेहमान हैं। वह मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। लालू यादव ने पूरा चक्रव्यूह रच दिया है, पहला चक्रव्यूह- अवध बिहारी को स्पीकर बनाना...नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बना रहे हैं, ये कुछ दिन के मेहमान हैं। लालू जी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास एक रास्ता यही है कि वह तेजस्वी को सीएम बना दें और दूसरा-खउ्व का फ्खऊ के साथ विलय कर दें। यही दो रास्ता है अगर नहीं माने तो उनका जाना तय है। दरअसल, पिछले दो दिनों से चर्चा तेज थी कि 28-29 दिसंबर को पार्टी की राष्ट्रीय बैठक (कार्यकारिणी-परिषद) में पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय होगा। ललन सिंह पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि, पार्टी के नेता और वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को कहा था कि ललन के इस्तीफे की खबर सिर्फ अफवाह है। महागठबंधन एकजुट है। कोई कंफ्यूजन नहीं है। हां, मीडिया और भाजपा कंफ्यूजन फैला रही है।

हालांकि, दिल्ली में I.N.D.I.A गठबंधन की बैठक 19 दिसंबर को थी। बैठक के बाद से ही ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने की चर्चा तेज चल रही है। बैठक के अगले दिन नीतीश कुमार सिंह लौट आए थे, लेकिन ललन सिंह दूसरे दिन आए। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी दूसरे दिन ही आए थे। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार और ललन सिंह में सबकुछ ठीक नहीं होने की खबरें बाहर आने लगीं। नीतीश और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव गुरुवार को भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय अरुण जेटली की राजकीय जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान तेजस्वी यादव ने भी ललन के इस्तीफे की खबर को खारिज किया।

संक्षिप्त डायरी

छात्र की हत्या साथ पढ़ने वाली छात्रा के घर मिली लाश

जमुई ।जमुई में इंटर के छात्र (16) की हत्या हुई है। उसका शव कोचिंग में साथ पढ़ने वाली छात्रा के घर से बरामद हुआ है। रुपेश कुमार का शव टाउन थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-14 महिसोरी इलाके में सुनील शर्मा के घर मिला है। सुनील की बेटी (13) रुपेश के साथ कोचिंग में पढ़ती थी। लड़की मैट्रिक की छात्रा है। आसपास चर्चा है कि मामला प्रेम-प्रसंग का है, लेकिन रुपेश के पिता रंजीत शाह ने इससे साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि लव-अफेयर जैसी कोई बात नहीं है। सुनील शर्मा ने मुझसे डेढ़ लाख रुपए उधार लिए थे, उसी को लेकर विवाद था। पैसों के लिए ही मेरे बेटे की हत्या की गई है।सदर एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि शव पर जख्म के कई निशान हैं। हर एंगल से पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। फिलहाल जिस घर से लाश मिली है, वहां से लड़की और उसकी मां को हिरासत में लिया है। अन्य सदस्य फरार है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, रिपोर्ट का इंतजार है।मृतक सदर थाना क्षेत्र के महिसोरी निवासी रंजीत शाह का पुत्र रूपेश कुमार है। मृतक के फुफेरे भाई के अनुसार वो हर दिन सुबह चार बजे दौड़ने के लिए घर से निकलता था। मेरा भाई कितने बजे से गायब था, यह पता नहीं। आज चार बजे के पहले वो घर में था या नहीं इसकी भी जानकारी नहीं है।

मानव कंकाल मिलने से हड़कंप

भागलपुर।भागलपुर के भ्रमरपुर गांव के काली मंदिर के पास गढ़े में झाड़ियों के बीच मिट्टी में दबा कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। कंकाल पर लोगों की नजर तब गई जब कुत्ते झाड़ियों के बीच से हड्डियों को खींच रहे थे, यह खबर फैलते ही लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। कंकाल के पास जूते और कपड़े भी मिले हैं।लोगों का कहना हैं की कंकाल पुराना हो सकता हैं। इस दौरान हत्या की बात भी सामने आ रही है। स्थानीय लोगों ने मानव कंकाल मिलने की सूचना बिहपुर पुलिस को दी। बिहपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार पुलिस बलों के साथ भ्रमरपुर पहुंचे और कंकाल को बरामद कर । लोगों में इस बात की चर्चा है बिलाश यादव की हत्या हुई थी, लेकिन उसका शव बरामद नही हो था। कहा जा रहा की कंकाल बिलाश का हो सकता है। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं कर रही है।नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने पत्रकारों को बताया कि रंगरा थाना क्षेत्र के एक गड्ढा में मानव कंकाल मिला है, जिसका डीएनए टेस्ट के लिए मायागंज अस्पताल भेजा गया है। एफएसएल टीम को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। हम लोग पता लग रहे हैं।

अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त

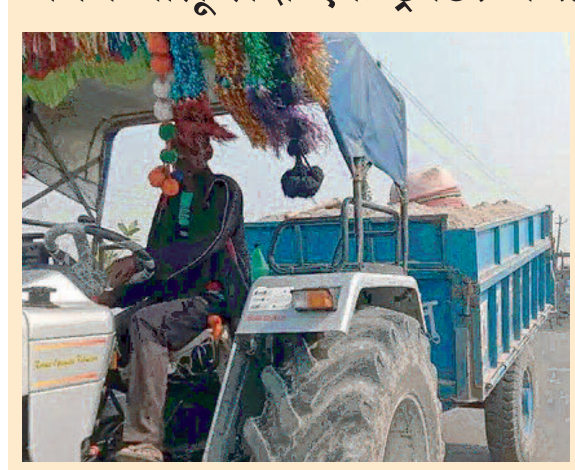

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के दाउदनगर खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। पूरा मामला दाउदनगर थाना क्षेत्र के सिपहां लख के पास का है। यह कार्रवाई औरंगाबाद के खान निरीक्षक मो.दानिश आलम और दाउदनगर थाने के सब इंस्पेक्टर रामायण कुमार के संयुक्त नेतृत्व में छापेमारी की गई। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर भागने में सफल रहा। ट्रैक्टर चालक और मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज इस संबंध में खान निरीक्षक द्वारा ट्रैक्टर चालक और मालिक के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा गया है कि अवैध उत्खनित बालू का बिना वैध परिवहन चालान के परिवहन किया जा रहा था, जिससे सरकार को राजस्व की क्षति हुई है।

नाबालिग को लेकर शादीशुदा युवक फरार

पूर्णिया। पूर्णिया में एक बच्चे का पिता नाबालिग लड़की (15) को बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर फरार हो गया। नाबालिग के पिता ने अकबरपुर ओपी में अपहरण का मामला दर्ज करवाया था। 5 घंटे के भीतर ही पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया, जबकि उसे भगाकर ले जाने वाले शादीशुदा युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामला पूर्णिया के रूपौली प्रखंड के अकबरपुर ओपी का है।नाबालिग के पिता ने बताया कि उनकी बेटी मंगलवार शाम करीब 5 बजे अकबरपुर ओपी क्षेत्र के भिखना पंचायत से कोचिंग पढ़कर घर लौटी ही थी। पड़ोस का एक युवक उसे किसी काम के बहाने घर से ले गया। इसके बाद शादीशुदा युवक मो. एहसान अपने साथी मो. अहमद के साथ बाइक लिए उनकी बेटी के पास पहुंचा। यहां मो. एहसान ने उसे बहलाया - फुसलाया। रूमाल में कोई चीज मिलाकर उसकी बेटी को बेहोश कर दिया। इसके बाद उनकी बेटी को बाइक पर बैठाकर फरार हो गया। मो. एहसान पहले से ही शादीशुदा है। वह एक बच्चे का पिता भी है। वहीं काफी खोजबीन के बाद भी जब उन्हें उनकी बेटी नहीं मिली। ग्रामीणों से पूछने पर पता चला कि बाइक से दो युवक उनकी बेटी को लेकर कहीं जा रहे थे। इसके बाद उन्हें बेटी के साथ किसी अनह ोनी की आशंका सताने लगी। इसके बाद बुधवार सुबह करीब 9 बजे वह बेटी को अगवा किए जाने की शिकायत लिए स्थानीय अकबरपुर ओपी पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाया।

रूस की पर्यटक कोरनीरा डारिया का गुम हुआ बैग

गया। वाराणसी से डोभी आई विदेशी युवती कोरनीरा डारिया का बैग गुम हो गया। बैग में महिला के कपड़े पासपोर्ट रसियन करेंसी समेत भारतीय करेंसी पड़े हुए थे। बैग गुम होने से परेशान विदेशी महिला ने आनन-फानन में इसकी शिकायत डोभी थाने की पुलिस को दी।इसके बाद डोभी थाने की पुलिस तत्परता से विदेशी महिला का बैग पुलिस ने बराचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोभी चेक पोस्ट के समीप एन एच-2 से बरामद कर लिया। इसके बाद डोभी पुलिस ने बैग को रूस से आई विदेशी युवती को सुपुर्द कर दिया।

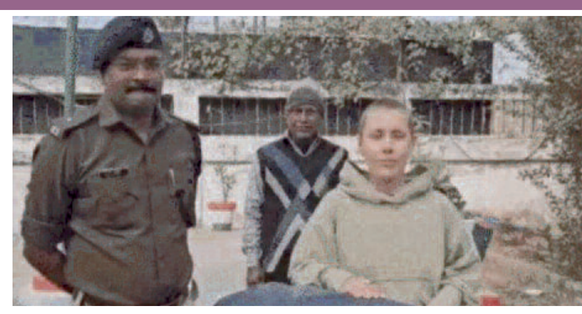

बैग मिलते हीं विदेशी महिला का चेहरा खुशी से खिल उठा, उसमें अपना सारा सामान चेक करने के बाद पुलिस टीम को थैंक्यू कहा।पूरी जानकारी के मुताबिक रूस के राकसेनडोर शहर की रहने वाली युवती कोरनीरा डारिया वाराणसी घूमने आई थी। इस दौरान वहां वह किसी बस से गया के डोभी मोड़ पर उतरी और अपने बैग को ऑटो पर यह समझकर रख दिया कि ऑटो बोधगया को जाएगी। इसकी जानकारी ऑटो चालक को भी नहीं लगी। इसी बीच ऑटो खुल गया। उसके बाद विदेशी युवती काफी परेशान हो गई। उसे परेशान देखकर स्थानीय लोगों की मदद से डोभी थाना पहुंची। इसके बाद स्थानीय डोभी थाने की पुलिस छानबीन में जुट गई। पुलिस को पता लगा कि ऑटो बराचट्टी की ओर बढ़ी है। इसके बाद डोभी पुलिस की टीम ने ऑटो को रुकवाया ऑटो चली जा रही थी। ऑटो को रुकवाया तो ऑटो के सीट से विदेशी महिला का बैग बरामद किया गया। ऑटो चालक ने कहा उसे भी पता नहीं।

मेडिकल छात्रों की बढ़ी नाराजगी

पटना । नौकरी का इंतजार कर रहे पारा मेडिकल के छात्रों में वैकेंसी नहीं निकलने से रोष है। लंबे अरसे के बाद अगस्त 2022 में उस समय के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के समय ओटी असिस्टेंट, एक्स-रे- टेक्नीशियन, ईसीजी टेक्नीशियन के पद पर जो बहाली निकाली गई थी, उसे भी इसी दिसंबर महीने के 4 तारीख को रद्द कर दिया गया है।अब इसे लेकर पारा मेडिकल स्टूडेंट्स काम काज ठप कर सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने वाले हैं। पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार की तरफ

से आंदोलन की रूप रेखा तैयार की जा रही है। इसे लेकर पीएमसीएच और एनएमसीएच में छात्रों की एक बैठक भी हुई है। बहरहाल राज्य के लगभग सरकारी अस्पतालों में कर्मियों की जगह पारा मेडिकल के स्टूडेंट ही काम कर रहे हैं। इनकी संख्या लगभग पूरे राज्य में 50 हजार के करीब है।पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने बताया कि बिहार के अधिकतर अस्पतालों में पारा मेडिकल स्टाफों की कमी है। इन लोगों की जगह स्टूडेंट्स से ही काम लिया जा रहा है। नई वैकेंसी नहीं आ रही है। छात्रों ने उस समय के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के समय संघर्ष किया था। जो सड़क पर लंबी लड़ाई लड़ी थी। उसके बाद अगस्त महीने में बहाली निकाली गई थी। अब उस बहाली को दिसंबर में रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिलावार पारा मेडिकल के स्टूडेंट्स के साथ बैठक हो रही है।

नगर परिषद में जमकर हुआ हंगामा

किशनगंज । किशनगंज नगर परिषद क्षेत्र के विकास को लेकर बुधवार को नगर परिषद के सभाकक्ष में वार्ड पार्षदों की बैठक की गई। बैठक कार्यपालक पदाधिकारी प्रवीण कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान व उप्रमुख पार्षद निखत कलीम की अध्यक्षता में की गई। वहीं बैठक में नप क्षेत्र के कई अन्य मुद्दे रखे गए। बैठक में विभिन्न योजना की पर चर्चा की गई जिसके बाद कई पार्षदों ने जमकर विरोध किया। वार्ड नंबर 32 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अनवर ने बताया कि कई वार्डों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और लोगों को देखकर ही

काम किया जा रहा है। इसका एक ही एजेंडा है, जब से नया बोर्ड गठन हुआ है तब से किसी भी बाबू को पैसा देकर काम कराया जा रहा है। कहा कि महीने में लाखों रुपए कचरा उठाने के लिए दी जाती है, लेकिन एनजीओ द्वारा कभी भी दो-डोर कचरा नहीं उठाया जाता है।दूसरे टेंडर में झाड़ू लगाने के लिए 13 लाख रुपए दिए जाते हैं लेकिन आज तक लगाते हुए नहीं देखे हैं। हमने वार्ड पार्षद से यह सवाल किया तो कहा कि हमने काम लिख कर दिया है। प्रतिनिधि अनवर साहिल ने कहा कि 16/10/23 पार्षदों द्वारा 6 कार्यों की सूची दी गई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण थी, लेकिन उसके बाद नित निकलता है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि आवास योजना सहित अन्य योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। सभी योजनाओं को देख जायेगा। नगरपरिषद एरिया में पूर्व से जो योजना चल रहा है उसे भी देखा जायेगा।नप अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के समय में जो लोग विरोधी खेमे में थे, वही लोग विकास को बाधित करने की नीयत से रोज नया-नया हथकंडा अपना कर विकास को बाधित करना चाहते हैं।

शराब तस्कर को छोड़ने का आरोप

बेगूसराय । बिहार के बेगूसराय में पुलिस पर शराब तस्करों को पैसे लेकर छोड़ने का आरोप लगा है। खबर के मुताबिक बलिया थाना क्षेत्र के मसूरचक गांव की है। जहां के ग्रामीणों ने एक बोरे में रखी शराब के साथ एक तस्कर को पकड़ा। इसकी सूचना थाना को दी। थाना से टाइगर मोबाइल के जवान भी आए। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पैसा लेकर शराब तस्कर को छोड़ दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीण मोहम्मद जाहिद ने बताया कि हमारे गांव में जमकर शराब की बिक्री हो रही है। रात में हम लोगों ने काले रंग के एक बोरा में बंद

अंग्रेजी शराब की खेप पकड़ी। इसके बाद बलिया थाना को सूचना दी। थाना से टाइगर मोबाइल के जवान लालो और पप्पू सहित तीन पुलिसकर्मी आए। हम लोगों ने जब शराब बेचे जाने की जानकारी दी तो कारोबारी से पुलिसवालों ने अकेले में बात की और उसे छोड़कर वहां से निकल गए। इस संबंध में एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है।

लूट मामले का अपराधी चरस के साथ गिरफ्तार

मोतिहारी। रामगढ़वा पुलिस ने 15 हजार के इनामी बदमाश को चरस के साथ पकड़ा है। बेला चौक के पास गिरफ्तारी की गई है। इनामी बदमाश मणि सहनी पिछले 15 अक्टूबर को शिव शक्ति राइस मिल में हत्या व लूट कांड में शामिल था। मनीष सहनी दर्पा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी चरस के साथ की गई है। पुलिस को शिव शक्ति मॉडर्न राइस मिल घटना में भी इसकी तलाश थी। इस मामले मेंअब तक 6 अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस ने कर ली है।पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा को सूचना मिली कि अपराधी बेला चौक के पास है। जो कहीं निकलने के फिराक में है। सूचना पर रक्सौल एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार व थाना अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में वाहन चेकिंग शुरू की गई। अपराधी मनीष सहनी पॉकेट में चरस लेकर कहीं जा रहा था। जांच के दौरान वह पकड़ा गया।

लालू के चक्रव्यूह में नीतीश

पटना । ललन सिंह के इस्तीफे की खबरों और दिल्ली में जदयू की बैठक के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब कुछ ही दिन के मेहमान हैं। वह मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। लालू यादव ने पूरा चक्रव्यूह रच दिया है। पहला चक्रव्यूह- अवध बिहारी को स्पीकर बनाना...नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री नहीं बना रहे हैं, ये कुछ दिन के मेहमान हैं। लालू जी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे। उनके पास अब दो रास्ते यही है कि वह तेजस्वी को सीएम बना दें और दूसरा-खउ्व का फ्खऊ के साथ विलय कर दें। यही दो रास्ता है अगर नहीं माने तो उनका जाना तय हैइससे पहले गिरिराज ने नवादा में भी मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री पर गाने के बोल से तंज कसा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव के साथ कंफर्टेबल नहीं रहते हैं। बीजेपी की तरफ वह देखते हैं और लालू को डरा धमकाकर रखते हैं। इधर, लालू यादव डर जाते हैं कि बेटा का क्या होगा। उधर, नीतीश कुमार गाना गाते हैं कि मैं मायके चली जाऊंगी तुम देखते रहियो।

बता दें कि बुधवार को नवादा के सर्किट हाउस में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ये बातें कहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी की खिड़की, दरवाजे सब कुछ बंद हैं। साल 2024 में बहुमत से सरकार बनाएंगे, सर्वे में

भी भाजपा की ही सरकार बन रही है।गिरिराज सिंह वारसलीगंज पहुंचे थे, वहां पर भी शहीदों को नमन किया। फिर नारोमुरार गांव पहुंचकर शहीद चंदन के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा था कि एक मंत्री ने बयान दिया था कि सेना के जवान जाते ही हैं मरने के लिए। यह राजद और नीतीश कुमार की सोच का प्रतिफल है। सेना किसी जाति का नहीं होता है, वह राष्ट्र का होता है। इसे कोई जाति-धर्म का रंग दे यह गलत है। शहीद चंदन चौक पर जो घटना हुई, उस पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। वहीं, देर रात उन्होंने नवादा के सर्किट हाउस में जिला अध्यक्ष और तमाम नेताओं के साथ बैठक की। शहीद के परिवार के लिए नवादा के डीएम आशुतोष कुमार वर्मा और एसपी अंबरीष राहुल से भी मुलाकात की है।केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के लायक नहीं हैं। अब वह बिहार की गद्दी छोड़ दें। उन्होंने कठ.ऊकअ. गठबंधन पर राज्य को राज्य से और जाति से जात के साथ लड़ाने का आरोप लगाया है। अश्विनी कुमार चौबे भटौली गांव में मोदी की गारंटी कार्यक्रम में पहुंचे थे।पिछले दो दिनों से जेडीयू में चल रही सियासी उठापटक और राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के इस्तीफे की खबरों के बीच पहली बार उट नीतीश कुमार ने बयान दिया है।

गुरुवार को उट नीतीश कुमार ने दिल्ली जाने से पहले कहा है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एक सामान्य बैठक है। हर साल कार्यकारिणी की बैठक होती है। ये बैठक भी उसी का हिस्सा है।

वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बदलने और खउ्व के ठऊअ में जाने की खबरों के सवाल को उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही जब उट नीतीश कुमार से यह पूछा गया है कि यह चर्चा है कि आप ठऊअ में जा सकते हैं तो इस सवाल को वो टाल गए।

ग्राम मोहम्मदपुर कदीम व खरजीवनपुर खिमावती ब्लॉक मुरादनगर में किया गया

विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन

संवाददाता

गाजियाबाद । 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन ग्राम मोहम्मदपुर कदीम व खरजीवनपुर खिमावती ब्लॉक मुरादनगर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय विधायक मंजू शिवाच जी व माननीय महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा जी और ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। कार्यक्रम के शुरूआत में माननीय प्रधान मंत्री जी का रिकार्ड किया गया संदेश, विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो, प्रारम्भिक चलचित्र का प्रसारण किया गया। तदोपरांत योजनाओं के सफल लाभार्थियों द्वारा अपने अनुभव साझा किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान ने अपने विचार साझा किये। उन्होने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से हर एक विभाग की उपलब्धियां दिखाई दे रहीं है। कृषि गतिविधियों पर सत्र ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की गयी तथा पीएम किसान सम्मान निधि योजना से जागरूकता रखने वाले और सहयोगी किसानों चरण सिंह पुत्र हरिकिशन, नरेंद्र, रत्न सिंह व आनंद, मिलन, राहुल, हरिओम त्यागी पुत्र गजपत को सम्मानित किया गया। जिसमें से किसान नरेंद्र, रत्न सिंह जी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को खेती करने में सहायता मिलती है। ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया के स्प्रे का प्रदर्शन किसान नरेंद्र पुत्र श्रीनिवास, श्रीनिवास पुत्र तारा चंद व हरिओम त्यागी के गेहूं के खेत पर किया गया। महिला एसएचजी सदस्यों/स्कूली छात्रों/स्थानीय

कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ - संदेशे आते हैं, स्वच्छता गीत आदि सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं, स्थानीय खिलाड़ियों आदि का अभिनंदन करते हुए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिसमें छात्रों एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत की उपलब्धियों का जश्न- भूमि रिकॉर्ड का 100% डिजिटलीकरण, ओडीएफ+ स्थिति, जल जीवन मिशन की संतृप्ति, आदि पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। स्वास्थ्य शिविर (टीबी स्क्रीनिंग, जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग) के शिविर लगाकर जांच की गई, पीएम उज्ज्वला के अलावा कार्यक्रम में राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, सहकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, अग्रणी जिला प्रबन्धक, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, आपूर्ति एवं विपणन विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, पुलिस प्रशासन सहित अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाकर जनमानस की समस्याओं सुना गया और सुझावों पर विचार किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किसानों छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा लगाया गया निशुल्क चिकित्सा शिविर

संवाददाता

धामपुर । दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर दमयंती देवी नर्सिंग होम मे लगाया गया । शिविर का शुभ आरंभ दीर्घ अवधि से समर्पित भाजपा कार्यकर्ता सुशील अग्रवाल उर्फ सिल्लू द्वारा फीता काटकर किया गया शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर अनिल दास फिजिशियन ने 120 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया।जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाइयां वितरण की साथ ही सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई । शिविर में "पॉलिथीन मुक्त अपना देश - प्रदेश "अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी ₹10 सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में अंकुर गोयल अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन धामपुर नगर युवा अध्यक्ष, हिमांशु कंसल, योगेंद्र सिंह, रजनीश कुमार ,पीयूष कुमार,साहिल, पंकज अग्रवाल, सतीश वर्मा, संदीप कुमार संकेत अग्रवाल आदि का योगदान सराहनीय रहा।

जे एस हिंदू इंटर कॉलेज में फल संरक्षण एवम प्रशिक्षण केंद्र की और से छुट्टी उपरांत 15 दिवसीय डिप्लोमा कोर्स कराया

संवाददाता

अमरोहा। अमरोहा शहर के जे एस हिंदू इंटर कॉलेज में फल संरक्षण एवम प्रशिक्षण केंद्र अमरोहा की और से छुट्टी उपरांत 15 दिवसीय डिप्लोमा कोर्स कराया गया । जिसमें दो बैच तैयार किए गए। एक बैच में 50 छात्राएं तथा दूसरे बैच में 40 छात्राओं ने कुकिंग से संबंधित इस डिप्लोमा को पूर्ण किया। आज प्रशिक्षण प्राप्त छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रमाण पत्र पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के प्रशिक्षक विक्रांत राणा ने बताया कि यह डिप्लोमा छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी है। राज्य स्तरीय कुकिंग से संबंधित जितनी भी सरकारी नौकरियां निकलती है उनमें साक्षात्कार में इन डिप्लोमा धारियों को पांच अंक अतिरिक्त प्रदान किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस डिप्लोमा की मान्यता यह भी है कि कोई भी छात्रा यदि भविष्य में अपना रोजगार चलाना चाहे तो उसके लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के अंतर्गत 10 लाख तक का अनुदान तथा 35% की छूट दी जाती है। होटल मैनेजमेंट से संबंधित अन्य रिक्तियों में भी इसको प्राथमिकता मिलती है। एफएसएसआई का नंबर लेने के लिए कोई परेशानी डिप्लोमा धारी को नहीं होती। समूह योजना के अंतर्गत कोई डिप्लोमा धारी अपना समूह चलाना चाहे तो चला सकता है। यह बहुत ही उपयोगी एवं महत्वाकांक्षी योजना है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने कहा कि यह महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अच्छी योजना है साथ ही छात्राओ ने खाली समय का सदुपयोग करते हुए इस डिप्लोमा को पूर्ण किया है। सभी छात्राओं को यह परीक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण करने के लिए बधाई। इस अवसर पर डॉक्टर राजवीर सिंह यादव, अनिल कुमार, मधुलिका गुप्ता आदि ने सहयोग किया।

शामली में गोली मारकर युवक की हत्या

शामली। जनपद के झिंझाना थाना क्षेत्र के गांव ओदरी में तीन दिन पहले हुए घर के बाहर युवक को बुलाकर गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। मृतक की हत्या के पीछे आरोपी ने फैसले के बाद गांव में न घुसने की चेतावनी के बाद ही उसकी उसी के घर के बाहर गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला शामली जनपद के झिंझाना थाना क्षेत्र के गांव ओदरी का है जहां पर 3 दिन पहले एक युवक की घर के बाहर बुलाकर कार सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के मामले में मृतक के भाई के द्वारा नाम दर्ज तहरीर देकर मामला दर्ज कराया था। जिसमें पुलिस ने आज कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी करना कोतवाली क्षेत्र के गांव गोगावा निवासी वासिफ पुत्र फैयाज है। जिसने बताया कि मृतक अमजद और आरोपी वासिफ दोनों ईंट भट्ठे पर मिट्टी डालने का ठेकेदारी का काम करते थे। जबकि उनके पैसे ठेकेदार लेकर फरार हो गया था। दोनों के बीच पैसों को लेकर हुए आपसी विवाद भी हुआ था। जिसको लेकर कुछ सम्मानित लोगों ने फैसला कर दिया था लेकिन मृतक अमजद ने आरोपी वासिफ को गांव में न घुसने की चेतावनी दी थी।

ताइक्वांडो में राष्ट्रीय चैंपियन खिलाड़ियों का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित तीन दिवसीय 38 वीं राष्ट्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता में प्रदेश की टीम ने सर्वाधिक 57 मेडल जीतकर अव्वल रही। विजेता ताइक्वांडो खिलाड़ियों के जनपद आगमन पर कुशीनगर में भव्य स्वागत कर उनका हौसला अफजाई किया गया। कसया नगर आगमन पर ताईक्वांडो एसोसिएशन ऑफ उप्र के अध्यक्ष राकेश जयसवाल, सदस्य संजय पांडेय, उपसचिव संतोष गुप्ता, शिक्षक अमरेंद्र सिंह, अध्यक्ष रामविलास चौधरी, अभिभावक रामविलास गुप्ता, रिशव राव, अभिभावक गण व ताइक्वांडो

एसोसिएशन कुशीनगर के खिलाड़ियों तथा नगर वासियों द्वारा विजयी ताइक्वांडो खिलाड़ियों व कोच दीपक मद्धेशिया को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत किया तथा खिलाड़ियों व कोच की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में 22 से 25 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की टीम 57 मेडल जीत कर ओवर आल चैंपियन बनी। इसमें 26 गोल्ड, 8 सिल्वर और शेष ब्रांज मेडल हैं। आंध्र प्रदेश और गुजरात से कड़े मुकाबले में प्रदेश टीम ने चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक अध्यक्ष के रूप में दीपक कुमार मद्धेशिया, निर्णायक के रूप में संजना श्रीवास्तव, श्वेता वर्मा, अजीत चौहान, धीरज यादव और अंकित कुमार गुप्त रहे।

ग्रामीण खेलकूद लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। रामकोला विकासखंड के टेकुआटार बाजार स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद मिनी स्टेडियम में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से आयोजित ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण खेलकूद लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि बलराम राव द्वारा पुरस्कार दिया गया । प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रतिनिधियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। खेल कूद लीग प्रतियोगिता में विकासखंड के लगभग दो दर्जन टीमों ने भाग लिया। जिसमे कबड्डी, जैवलिन ,भारतोलन, वॉलीबॉल और एथलीट आदि खेल हुआ। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान

प्राप्त खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरण किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि बलराम राव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बस इसको संवारने की जरूरत है अगर सरकार द्वारा उचित प्लेटफॉर्म मिले तो ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी देश स्तर पर अपना परचम लहराएंगे । कब्बडी महिला वर्ग में सनलाइट की बालिकाएं विजेता रही तो सेमरहना की बालिकाएं उपविजेता रही ।वालीबाल प्रतियोगिता में सब जूनियर में सन लाइट मिशन स्कूल ,जूनियर चंद्रावती देवी व सीनियर बालक वर्ग मोहसिन हसन आईजी इंटर एकेडमी में तीन टीमों का चयन किया गया। कब्बडी बालिका वर्ग में दुलहिन जगर नाथ कुँवरि विजेता और इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय की टीम उप विजेता रही। 800 मीटर दौड़ में दीपक, बालिका वर्ग में कुमकुम शर्मा प्रथम स्थान एवं जूनियर बालक वर्ग 400 मीटर में उमेश साहनी और बालिका वर्ग में सीमा गुप्ता प्रथम रही। कार्यक्रम आयोजक क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आदित्य चंद ने अतिथियों का बैज लगाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किए। संचालन ब्लाक कमांडर रामाश्रय कन्नौजिया ने किया । इस अवसर पर ग्राम प्रधान राधेश्याम यादव, सचिव प्रमोद कुमार, बीसी हरेंद्र शर्मा, गिरजेश शुक्ला, रामसुमेर सहित दर्शक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया बेसिक परिषदीय स्कूलों में निपुण भारत अभियान के तहत बौद्धिकता परीक्षा का किया निरीक्षण

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी द्वारा बेसिक विद्यालयों में निपुण भारत अभियान के तहत कक्षा 1 और कक्षा तीन के विद्यार्थियों के लिए जनपद के 1079 विद्यालयों में कराई जा रही बौद्धिकता परीक्षा का निरीक्षण किया गया । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय नारंगपुर सम्मिलियन विद्यालय रायपुर शहजादपुर प्राथमिक विद्यालय देवपुरा प्राथमिक विद्यालय महेंद्र नगर प्राथमिक विद्यालय कूवी का मोंके पर जाकर निरीक्षण किया गया और कक्षा अध्यापक से विद्याल के उपस्थित बच्चे अनुपस्थित बच्चों उपस्थित

अध्यापक गण अनुपस्थित अध्यापकों के संबंध में जानकारी ली गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड के दृस्टिगत सभी बच्चों को स्वेटर उपलब्ध कराया जाए। कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिया जाए प्राथमिक विद्यालय कूवी में जिला अधिकारी ने बच्चों से गिनती पहाड़ा और शब्दों के सवाल जवाब भी किया जिस पर संतोष जनक जवाब न दे पाने पर कक्षा अध्यापक को रुचि के साथ ध्यान से पढ़ाएं जाने के निर्देश दिया। कहा कि बच्चे कमजोर हैं उन्हें प्राथमिकता के साथ पढ़ाया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक कक्षा में अध्यापक के लिए जो विषय आवंटित है। वह समय पर पहुंचकर विद्यालय में बच्चों को समय दे। शिक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए विद्यालय में समय से आए और समय तक रहकर बच्चों को अच्छे से पढ़ाया जाय। बच्चों को भाषा विज्ञान गणित का अच्छा ज्ञान होना चाहिए कहा कि इस निपुण परीक्षा में जिन विद्यालयों की अच्छी रैंकिंग नहीं आएगी। बच्चे का रिजल्ट सहीनहीं मिलेगा उन विद्यालयों का सर्वे कर जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मोनिका सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

विश्व हिन्दू महाशक्ति संघ के प्रदेश महामंत्री बने आकाश कुमार

संवाददाता

धामपुर । विश्व हिंदू महाशक्ति संघ में शेरकोट थाना व धामपुर तहसील क्षेत्र एवं जिला बिजनौर निवासी आकाश कुमार पुत्र स्वर्गीय मेहर सिंह प्रजापति को उत्तर प्रदेश संगठन का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया जाता है । संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर प्रेमवीर सिंह ने आकाश कुमार की संगठन में आशा व्यक्त करते हुए कहा है कि वह संगठन और समाज के प्रति और

भारतीय जनता पार्टी के प्रति बहुत अच्छा कार्य करेंगे और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचने में सरकार की मदद करेंगे । राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर प्रेमवीर सिंह ने नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री आकाश कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की पुण्यतिथि कल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में 30 दिसंबर दिन

शनिवार को समाजसेवी स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की सातवीं पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। उक्त सूचना एक विज्ञप्ति के माध्यम से स्व0 श्री सिंह के छोटे भ्राता अजय प्रताप नारायण सिंह ने देते हुए बताया कि पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में श्री राम चरित मानस पाठ, श्रद्धांजलि सभा, गीत संगीत, सहभोज का आयोजन है इस अवसर पर लोगों को कंबल से सम्मानित भी किया जायेगा।स्वर्गीय श्री सिंह के छोटे सुपुत्र बीओसीडब्ल्यू सदस्य अभय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि सातवी पुण्यतिथि को इस बार बृहद स्वरूप दिया गया है।

बुजुर्ग ने प्रार्थनापत्र देकर लगाई जानमाल की गुहार

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। थानाक्षेत्र के नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वार्ड संख्या 10 बाल्मीकि नगर (बरवा जंगल) निवासी एक बुजुर्ग ने थानाध्यक्ष कसया को प्रार्थनापत्र देकर कुछ लोगों द्वारा हमेशा मारने पीटने और घुड़की धमकी का आरोप लगाते हुए जानमाल की गुहार लगाई है। वार्ड वासी 75 वर्षीय बुजुर्ग

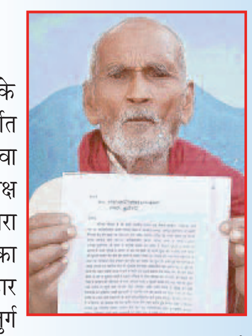

चन्द्रदेव राजभर पुत्र विक्रम ने थानाध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि बीते 27 दिसम्बर की रात्रि करीब 10 बजे वार्ड के संदीप यादव अपने मेली मददगारों के साथ हाथ में लाठी डंडा व लोहे की रॉड लेकर मेरे घोठे पर आए और प्रार्थी को अकेला पाकर अनाज/ धान अन्य सामान लूटने लगे। मेरे विरोध करने पर गला दबाकर हत्या की कोशिश करने लगे। शोर सुनकर जब लोग पहुंचे तो उक्त सभी भाग गए। संजय कई बार उसे व परिवार के लोगों को मारपीट कर घायल कर चुका है। पूर्व की घटनाओं को लेकर थाने से लगायत जिम्मेदार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दे चुका हूं। उक्त संदीप व मेली मददगारों पर एफआईआर भी दर्ज हुआ। बावजूद इसके मैन नहीं रहे हैं।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा

संवाददाता

गाजियाबाद। भोजपुर विकासखंड में कार्यक्रम का आयोजन प्रारंभ हो जाएगा इसी क्रम में 29 दिसंबर से एक 9 जनवरी 2023 तक आयोजित किए जाने वाले ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव , खंड विकास अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक के साथ विकास भवन के सभा कक्ष में बैठक मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजन के क्रम में दिनांक 29 दिसंबर 2023 से भोजपुर विकासखंड में कार्यक्रम का आयोजन प्रारंभ हो जाएगा इसी क्रम में 29 दिसंबर से एक 9 जनवरी 2023 तक आयोजित किए जाने वाले ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान एवं ग्राम सचिव , खंड विकास अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक के साथ विकास भवन के सभा कक्ष में बैठक मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में लगाए जाने वाले स्टॉल सफलता की कहानी लाभार्थी की जुबानी सांस्कृतिक कार्यक्रम ऑन स्पॉट पंजीकरण ड्रोन डेमोंसट्रेशन आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराते हुए सफल आयोजन के संबंध में ग्राम प्रधान एवं अधिकारियो को निर्देशित किया गया विकासखंड भोजपुर मैं 29दिसंबर को सुबह 10:00 बजे ग्राम पंचायत सैदपुर हुसैनपुर डिलना से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। बैठक में ग्राम पंचायत सैदपुर हुसैनपुर डिलना, शकूरपुर ,मुकीमपुर , नगौला अमीपुर , इसाक नगर जोया ,औरंगाबाद रिस्तल, कनकपुर,मुरादाबाद, खंजरपुर आदि ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

गेहूँ की 35 प्रतिशत उपज कम कर देता है खरपतवारः ओमप्रकाश गुप्ता

-गेहूँ के खेत में प्रमुख खरपतवार हैं बथुआ, हिरण खोरी, सैन्जी, कृष्णनिल

-खरपतवार नियंत्रण के लिए बुआई के 20 से 25 दिनो पर खरपतवारनाशी रसयन का छिड़काव करें

संवाददाता

कुशीनगर। गेहूँ में खरपतवार समय से नियंत्रण न करने पर 30% से 35% उपज कम कर देता है। खरपतवार, किसान द्वारा गेहूँ के लिए दिए गए उर्वरक का सर्वाधिक उपयोग करता है, सूर्य के प्रकाश जिसके द्वारा पत्तियां भोजन बनाती हैं, उसका उपयोग करता है, खेत की नमी आदि का उपयोग कर गेहूँ कि उपज को कम कर देता है। किसान गेहूँ बोने के 20 से 25 दिन पर पहली सिचाई करें, उसके बाद खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवारनाशी रसायनो का प्रयोग करें। यह जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र - पिपराइच गोरखपुर के सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने एक विज्ञप्ति में दी। सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने कहा कि गेहूँ की वैज्ञानिक खेती तथा खरपतवारों के नुकसान विषय में गेहूँ अनुसंधान संस्थान करनाल - हरियाणा के वैज्ञानिकों से हमने जानकारी ली तथा शोध प्रक्षेत्र को देखा, कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में, गेहूँ फसल को नुकसान पहुँचाने वाले प्रमुख खरपतवार जैसे बथुआ, गेहूँसा, हिरनखुरी, कृष्णनील, सेन्जी, तीनपत्तियां, चटरी माटरी, अकरा आकरी आदि खरपतवार के नियंत्रण के लिए फसल चक्र

अपनाएं, जिस गेहूँ वाले खेत में अधिक खरपतवार निकलता है उसे खेत में गन्ना की बुवाई करें, खरपतवारों में फूल आने के पहले गन्ने की गुड़ाई होगा ,खरपतवार नियंत्रण होगा। धान के खेत का बिना जुताई किए जीरो-टिल विधि से गेहूँ की बुवाई करें। इस विधि से गेहूँ बोने पर खरपतवार ना के बराबर जमाव होता है।जिस खेत में गेहूँ बोना हैं जुताई कर पाटा चलाकर एक सप्ताह छोड़ दें।अधिकांश खरपतवार जम जाएगा। उसके बाद गेहूँ की बुवाई करें। विशेष दशा में किसी एक खरपतवार नाशी रसायन का छिड़काव करें। प्रथम चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2 से 4 मिथाईल एमाईन साल्ट 58% मात्र आधा लीटर को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। द्वितीय बनरी, जंगली जई पतली पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए सल्फोसल्फयूरान 75% मात्रा 13 ग्राम प्रति एकड़ एक यूनिट का छिड़काव करें कृषि विभाग द्वारा दिया रसायन, ज्यादा दिन के खरपतवारों पर दवा का प्रभाव कम होता है।

शेयर बाजार में खुशी

भारतीय शेयर बाजार की बढ़त सुखद और स्वागतयोग्य है। देश के प्रमुख शेयर बाजार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30-शेयर सूचकांक पहली बार 72,000 अंक को पार कर 72,038 पर बंद हुआ। बुधवार को एक समय सेंसेक्स 72,119.85 पर पहुंच गया था। यह भी ऐतिहासिक है कि सेंसेक्स ने 71,000 अंक से 72,000 पार पहुंचने के लिए महज 12 दिन का समय लिया है। बीच में शेयर बाजार कुछ घटा था, पर अंततः बुधवार को उसकी शानदार वापसी भारतीय कंपनियों पर निवेशकों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का शेयर सूचकांक निफ्टी भी 213.40 अंक उछलकर अपने अब तक के उच्चतम स्तर 21,654.75 पर बंद हुआ है। दुनिया के लिए यह अच्छा संकेत है। केवल भारतीय बाजार ही नहीं, दुनिया के अनेक प्रमुख बाजारों में बढ़त का दृश्य है। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग भी लाभ के साथ बंद हुए हैं, तो यूरोपीय शेयर बाजार भी अच्छा कारोबार कर रहे थे। यहां तक कि अमेरिकी बाजार में भी उत्साहजनक स्थिति है। यह भी ध्यान देने की बात है कि किन कंपनियों या किन क्षेत्रों की कंपनियों को निवेशक ज्यादा पसंद कर रहे हैं। मुख्य रूप से सीमेंट, इस्पात, वाहन, मोबाइल सेवा, आईटी, मूलभूत ढांचा विकास और वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनियों के शेयरों को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। मतलब, निवेशक भविष्य की ओर देख रहे हैं, उन कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं, जिनके पास बेहतर ढांचा, प्रबंधन, योजना और तैयारी है। शेयर बाजारों की रौनक यह भी इशारा करती है कि दुनिया भर में निवेशक युद्ध और राजनीति से अलग भी सोच रहे हैं। दरअसल, युद्धग्रस्त देशों को भी अर्थव्यवस्था की चिंता है और कारोबार बढ़ने से उन्हें भी फायदा है। यहां तक कि रूस के प्रमुख शेयर बाजार में भी इस वर्ष तेजी देखी जा रही है। वैसे सबसे ज्यादा उछाल के मामले में भारतीय शेयर बाजार दूसरे स्थान पर है, पहले स्थान पर ब्राजील का प्रमुख शेयर बाजार चल रहा है। बढ़त का श्रेय घरेलू निवेशकों के अलावा विदेश निवेशकों को भी जाता है। अमेरिकी फेड बैंक दरों में कटौती कर सकता है और वैश्विक मुद्रास्फीति में भी कमी आ सकती है, इससे भी शेयर बाजारों को बल मिला है। इसके अलावा छुट्टियों का समय और अनेक देशों में उत्सव जैसा माहौल भी निवेशकों को उत्साहित कर रहा है। यह सकारात्मक बात है कि इस साल की शुरूआत में भारत के प्रमुख शेयर बाजार का सूचकांक 61 हजार के पास था और अब 72 हजार के पार है। आने वाले वर्ष में कभी थोड़ी-बहुत गिरावट हो सकती है, पर कुल मिलाकर, भारतीय शेयर बाजार में दस प्रतिशत तक की वृद्धि को तय माना जा रहा है। निफ्टी में भी इतनी वृद्धि का अनुमान है। कुछ विशेषज्ञ यह मानते हैं कि अगले साल के शुरूआती महीनों में ही 10 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाएगी। लोकसभा चुनाव का भी कुछ असर शेयर बाजार पर पड़ सकता है, पर बुरी स्थिति में भी शेयर बाजार में ज्यादा गिरावट की कोई आशंका नहीं है।

संख्याबल का कानून

संसद का 18-दिवसीय शीतकालीन सत्र 21 दिसंबर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। इसने भारत के संसदीय लोकतंत्र को एक नये निचलेपन तक पहुंचते देखा, क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष से बातचीत करने से इनकार किया, अपनी कार्यपालिकीय जवाबदेही ताक पर रखी और देश के लिए दूरगामी असर रखने वाले कई विधेयकों को पारित कर डाला। इस दौरान विपक्षी सांसदों का बड़ा हिस्सा निलंबित रहा। अंतिम रूप से सामने आयी गिनती में, विपक्ष के कुल 146 सांसद निलंबित थे (राज्यसभा के 46 और लोकसभा के 100), क्योंकि उन्होंने सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के लिए आवाज बुलंद की। यह मुद्दा 13 दिसंबर को लोकसभा के सदन में प्रदर्शनकारियों के प्रवेश हासिल करने से जुड़ा था। टकराव अब भी कायम है। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर विपक्षी सांसदों के निलंबन को सरकार द्वारा ह्यपूर्व-निर्धारित और पूर्व-नियोजितह्ल करार दिया है। खड़गे ने लिखा है कि दिमाग का कोई इस्तेमाल न किया जाना साफ दिख रहा था, निलंबित लोगों में एक ऐसा सांसद भी था जो लोकसभा में मौजूद तक नहीं था। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी सत्र का सुचारु संचालन सुनिश्चित नहीं कर सके। धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा की गयी कोशिशों में निष्पक्षता की आवश्यक झलक का अभाव था। सरकार ने देश की फौजदारी संहिता, दूरसंचार के नियमन और भारत के चुनाव आयोग की नियुक्ति का पुनर्लेखन करने वाले नये कानूनों को ज्यादातर विपक्षी सदस्यों की गैरहाजिरी में पारित कराया। इन कानूनों की साझा खासियत कार्यपालिका की शक्ति में अभूतपूर्व वृद्धि है, और यह कोई संयोग नहीं कि इन्हें बगैर किसी सार्थक संसदीय बहस के, जो विरोधी विचारों को आत्मसात करती, पारित किया गया। सरकार ने सुरक्षा में सेंध पर विपक्ष द्वारा बयान की मांग तक को ठुकरा दिया। यह दुराग्रह का प्रदर्शन था जो संख्यात्मक बहुमत को तार्किक और नैतिक रूप से गलत न हो सकने की योग्यता के बराबर मानता है। सरकार ने निलंबन की नौबत लाने के लिए विपक्ष को ही दोषी बताया है, और यही बात लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने दोहरायी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

मध्य प्रदेश के गुना में हुई सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु का समाचार दुखद है। मैं मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

रांची में झारखण्ड की जनता के असीम प्रेम और आशीर्वाद के बाद बनी झारखण्डी सरकार के 4 वर्ष पूरा होने से पूर्व मीडिया बंधुओ के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुआ। विपक्ष के षड्यंत्र और चुनौतियों के बाद भी राज्य की जनता को हक-अधिकार दे रही है राज्य सरकार। युवा झारखण्ड के बढ़ते कदम।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सरकार द्वारा पिछले 4 सालों से आदिवासी समाज के उपर लगातार हमले किए जा रहे हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर आदिवासी समाज के संसाधनों की राजनीतिक लूट मची हुई है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

यह तो 'गठबंधन' ही सनातन विरोधी है!

ANALYSIS

मृत्युंजय दीक्षित

भाजपा राम मंदिर, सनातन संस्कृति के उत्थान और विकसित भारत संकल्प यात्रा के बल पर लगातार आगे बढ़ती जा रही है। मगर विपक्ष का गठबंधन अभी तक चार बैठकों के बावजूद संयोजक का नाम तक तय नहीं कर पाया है। 19 दिसंबर को बैठक में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों से सीट साझा करने पर चर्चा करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जब दो राज्यों हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस को सफलता मिली तब कुछ विश्लेषकों को ऐसा लगने लगा कि प्रधानमंत्री मोदी का जादू उतरने लगा है और कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष के मन में आशा का एक नया संचार हुआ है किंतु राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम का रिजल्ट आते ही इन विश्लेषकों को सांप सूंघ गया। मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक विजय ने विपक्ष की बोलती बंद कर दी। अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां चल रही हैं।

देश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन इस बार और बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। विपक्ष भी आईएनडीआईए बनाकर हुंकार भर रहा है। वर्ष 2023 में हुए कुल नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश , कर्नाटक व तेलंगाना में विजय प्राप्त हुई है। मगर इस गठबंधन में कई पेंच इतनी बुरी तरह से उलझ गए हैं कि सुलझना कठिन होता जा रहा है। भाजपा राम मंदिर, सनातन संस्कृति के उत्थान और विकसित भारत संकल्प यात्रा के बल पर लगातार आगे बढ़ती जा रही है। मगर विपक्ष का गठबंधन अभी तक चार बैठकों के बावजूद संयोजक का नाम तक तय नहीं कर पाया है। 19 दिसंबर को बैठक में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों से सीट साझा करने पर चर्चा करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जब दो राज्यों हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस को सफलता मिली तब कुछ विश्लेषकों को ऐसा लगने लगा कि प्रधानमंत्री मोदी का जादू उतरने लगा है और कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष के मन में आशा का एक नया संचार हुआ है किंतु राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम का रिजल्ट आते ही इन विश्लेषकों को सांप सूंघ गया। मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक विजय ने विपक्ष की बोलती बंद कर दी। अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां चल रही हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने इसके लिए सोनिया गांधी,

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे, वामपंथी नेता सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं को निमंत्रण भेजा। अभी यह पक्का नहीं है कि सनातन विरोधी इस गठबंधन के नेता अयोध्या जाते हैं या नहीं। माना तो यही जा रहा है कि इनमें से कई नहीं जाएंगे। सबसे ज्यादा फजीहत इस गठबंधन की साथी समाजवादी पार्टी की होनी है। कौन नहीं जानता रामभक्त कारसेवकों पर मुलायम सिंह यादव ने ही गोली चलवाई थी। मुस्लिम-यादव गठजोड़ से सत्ता पाने वाले उनके पुत्र और सपा नेता अखिलेश यादव समारोह में चले जाते हैं तो उनके एम-वाई समीकरण को गहरा आघात लगना तय है। राम मंदिर निर्माण के समर्पण अभियान पर सपा नेताओं ने संघ व भाजपा को चंदाजीवी कहकर अपमानित किया है। आम आदमी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के चंपत राय पर जमीन घोटाले के फर्जी आरोप लगा दिये। वास्तविकता यह है कि आज इस पार्टी के कई बड़े नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह व सुरेंद जैन सलाखों के पीछे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाले के मुख्य किरदार बताए जा रहे हैं। ईडी का सामना तक नहीं कर पा रहे। आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल सभी दल व नेता हिंदू सनातन संस्कृति, भारतीय सभ्यता व संस्कृति, भाषा, रहन सहन व खानपान के घोर विरोधी हैं। सभी नेता मुस्लिम तुष्टिकरण, ईसाइयत और पश्चिमी सभ्यता के आकंठ डूबे हुए हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में पराजय के बाद विरोधी दलों के नेता संतुलन ही खो बैठे हैं। द्रमुक नेता तो सनातन धर्म का उन्मूलन करने का प्रण तक ले चुके हैं। गठबंधन के बड़े सरमायेदार मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी खामोश हैं। आज राममला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में जाना कांग्रेस के लिए सांप- छछूंदर की गति जैसा हो गया है। जाएं तो मुश्किल और न जाए तो भी मुश्किल। कांग्रेस के नेतृत्व में बने गठबंधन के सभी नेता हिंदू धर्म का जमकर मखौल उड़ा चुके हैं। कांग्रेस तो भगवान राम का अस्तित्व ही नकार चुकी है। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा तक कहा जा चुका है। संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों के सामूहिक निलंबन की ऐतिहासिक घटना के बाद ममता बनर्जी की टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी संवैधानिक पद पर विराजमान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड का मजाक बना चुके हैं। वह बार- बार कह रहे हैं कि उपराष्ट्रपति धनखड़ का हजार बार मजाक उड़ायेंगे । संसद के शीतकालीन सत्र में द्रमुक सदस्य ने गौमाता का अपमान करते हुए बयान दिया कि भाजपा केवल गोमूत्र वाले राज्यों में ही है। अभी डीएमके नेता दयानिधि मारन ने बयान दिया है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग सिर्फ हिंदी सीखते हैं और इसके बाद तमिलनाडु मजदूरी करने के लिए आते हैं। वो शौचालय और सड़कों की सफाई जैसे काम करते हैं। गठबंधन की पिछली बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हिंदी में भाषण दिया तो द्रमुक नेता टीआर बालू ने उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद मांग लिया। इससे नीतीश कुमार नाराज हो गये। अब यह साफ हो चुका है कि 26 दलों के इस गठबंधन के सभी नेताओं में घोर विरोधाभास है। यह सभी दल भ्रष्टाचार के दलदल में अथाह डूबे हुए हैं और गिरफ्तारी से बचने के लिए नये- नये पैंतरे चल रहे हैं । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। पश्चिम

खेत-खलिहान के प्रयोगधर्मियों के नवाचारों को संरक्षण आज की जरूरत

बदलते सिनेरियो में सरकार को अब विश्वविद्यालयों की बड़ी-बड़ी और संसाधनयुक्त प्रयोगशालाओं से अलग खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर अपनी मेहनत, नवाचारी, परंपरागत और आधुनिकतम खेती के बीच सामंजस्य बनाते हुए नित नए प्रयोग करने वाले प्रयोगधर्मी किसानों की मेहनत को मान्यता, संरक्षण और पहचान देने की पहल भी करनी होगी। इसमें कोई दोराय नहीं की देश के कृषि विश्वविद्यालयों में शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वस्तरीय कार्य हो रहा है और आज खेती किसानी के क्षेत्र में देश नित-नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि के क्षेत्र में भारत आज अग्रणी देश बन गया है। हालात यह हो गए है कि आज गेहूं और धान के निर्यात पर रोक के बावजूद देश के किसानों की ही मेहनत का फल है कि बागवानी व अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाकर देश निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित करने की और अग्रसर है। पर यहां हमें यह नहीं भूलना होगा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण जहां गेहूं, धान आदि के उत्पादन के हालात सेचुरेशन वाले हो गये हैं वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने के साथ ही पानी का अत्यधिक दोहन, स्वास्थ्य और सेहत के लिए हानिकारक होता जा रहा है। आज देश जैविक व परंपरागत खेती की और बढ़ रहा है। हालांकि यह भी उपलब्धि है कि हमारा सिक्किम दुनिया का पहले नंबर पर जैविक अनाज उत्पादक प्रदेश बन गया है। खैर इस सबके बीच हमें उन प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों को प्रोत्साहित और उनकी मेहनत को संरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए आगे आना होगा जो अपनी सीमित साधन, संसाधन और विपरीत वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद नई इबारत लिख रहे हैं। सही मायने में देखा जाये तो इन प्रयोगधर्मी अन्नदाताओं की मेहनत व लगन को किसी कृषि वैज्ञानिक से कम नहीं आंका जा सकता। देश के अनेक प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों में से अपनी खेती-अपना खाद, अपना बीज-अपना स्वाद को ध्येय बनाकर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के टड़िया गांव के किसान वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी ऐसे ही देश कुछ गिने-चुने खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर जुटे हुए हैं। सच ही कहा गया है कि ईश्वर किसी ना किसी तरह से न्याय अवश्य करता है। इसी का जीता जागता उदाहरण श्रीप्रकाश रघुवंशी है। 23 साल की आयु में बीमारी के दौरान पेनिसिलिन की इंजेक्शन के दुष्प्रभाव से आंखों पर अधिक असर पड़ने के कारण आंखों की परेशानी के कारण खेत और खेती को ही प्रयोगशाला बनाकर श्रीप्रकाश ने जो नवाचार और प्रयोग किए आज उन्हें संरक्षित करने की अधिक आवश्यकता है। निकट भविष्य में श्रीप्रकाश को पूरी तरह से दिखाई देना बंद होने की संभावना के अहसास के डर से लग रहा है कि ऐसी विकट स्थिति आई तो कृषि क्षेत्र में उनकी शोध यात्रा थम जाएगी। उन्हें चिन्ता है कि गेहूं, अरहर, सरसों आदि की उनके द्वारा विकसित ह्यकुदरतह्ल और करिश्मा प्रजाति के बीज और 200 प्रकार के देसी बीजों के खजाने का क्या होगा। श्रीप्रकाश ने नित नए प्रयोग करते हुए 200 प्रकार की देशी वैरायटी के बीज विकसित किए हैं। इनमें गेहूं की 80 प्रजाति, धान की 20 प्रजाति, अरहर की 5 प्रजाति, सरसों की 3 प्रजाति सहित हमारी जलवायु और वातावरण में अच्छी, जल्दी पकने वाली देशी प्रजातियों को विकसित करने का अहम काम किया गया है। ह्यगेहूं कुदरत-9 और कुदरत-8 विश्वनाथ लम्बे बाली वाला होता है। एक बाली में 80-90 दाने होते हैं। तेज पानी, हवा से पौधा गिरता नहीं। उत्पादन क्षमता 25 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ है। दाना मोटा, चमकदार और वजनदार होता होता है। खास बात यह है कि देश के कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे दावों को जांचा परखा गया है और गुणवत्ता पर खरे उतरे हैं। देश के कई हिस्सों में खासतौर से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब हरियाणा आदि में 100, 50, 25 ग्राम के सैंपल्स उपलब्ध कराकर प्रयोग किया गया है और यह प्रयोग सफल रहा है। अब श्रीप्रकाश की चिंता यही है कि इन स्वदेशी बीजों का बैंक बन जाए तो इनका उपयोग, उत्पादन और संरक्षण का काम हो सकेगा। इसका लाभ अंततोगत्वा देश के कृषि क्षेत्र को ही मिलेगा। श्रीप्रकाश के बहाने यहां चिंतनीय और विचारणीय हालात यह हो जाता है कि देश के ऐसे भूमि पुत्रों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाना ही पर्याप्त नहीं है। सम्मान अपने आपमें मायने रखता है पर इनकी मेहनत और प्रयोग को जब उपादेय माना जाता है तो उसके संरक्षण और संवर्द्धन किया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि केन्द्र व राज्य सरकार के कृषि मंत्रालयों को ऐसे नवाचारी, अपनी धुन में मस्त, मानव समाज और कृषि जगत के लिए किये जा रहे कार्यों को पहचान के साथ ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बल्कि होना तो यह चाहिए कि मंत्रालयों में एक अनुभाग ऐसा होना चाहिए जो केवल ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने, उन्हें सहयोग करने, आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराने और परीक्षण के बाद खरी उतरने वाले प्रयोगों को सरकार द्वारा अपने हाथ में लेकर आगे बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। आज किसानों को भ्रमण कराया जाता है। यदि ऐसे नवाचारी भूमिपुत्रों के खेत खलिहान का भ्रमण कराया जाता है, अनुभवों से रूबरू कराया जाता है तो यह अधिक लाभदायक होगा इसमें कोई संदेह नहीं किया जाना चाहिए। देखा जाए तो श्रीप्रकाश तो एक बहाना है। हां यह अवश्य है कि उत्तर प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय को आगे आकर श्रीप्रकाश द्वारा 200 से अधिक किए गए 20 प्रजाति के बीज बैंक की स्थापना कर संरक्षित करने के लिए आगे आना चाहिए। श्रीप्रकाश के स्वास्थ्य की विपरीत परिस्थिति को देखते हुए संबल प्रदान करना चाहिए। यह केवल श्रीप्रकाश की ही बात नहीं हैं देश के हर कोने में इस तरह के कर्मयोगी मिल जाएंगे। मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के महेन्द्र मधुप ने इस तरह के कर्मयोगियों व उनके प्रयोगों को अन्वेषक किसान सहित अपनी पुस्तकों व अनवरत लेखकीय प्रयासों से सामने लाने की पहल की है।

गालिब का है अंदाज-ए-बयां और

मिर्जा गालिब के अंदाज-ए-बयां पर अपने मुल्क और मुल्क के बाहर शोध होता रहा है, जिक्र होता रहा है। मगर गालिब ने अपने अंदाज-ए-बयां को लेकर खुद ही कहा था- 'हैं दुनिया में और भी सुखनवर बहुत अच्छे/ कहते हैं कि गालिब का है अंदाज-ए-बयां और।' तो एक बड़ा व अहम सवाल है कि क्या गालिब का अंदाजे बयां औरों से मुख्तलिफ था? यकीनन मिर्जा गालिब अपने लबो-लहजा को लेकर, अपने फिक्रो-फलसफा को लेकर, अपनी सोच के दस्तरस को लेकर औरों से मुख्तलिफ थे। मेरे ख्याल में मिर्जा गालिब उर्दू अदब में सबसे जहीन व अजीम-तरीम शाइर हैं। उर्दू अदब के जितने भी शोअ'रा हुए हैं, उसमें मिर्जा गालिब मेरे सबसे अजीज हैं और मेरे लिए ही नहीं, बल्कि उर्दू अदब के जितने भी खिदमतगार हैं, उनके लिए भी मिर्जा गालिब बहुत अजीज हैं। क्योंकि गालिब का अंदाज-ए-बयां बिला शुबहा औरों से मुख्तलिफ है। गालिब जिंदगी के कई मकामात पे याद आते हैं, मिर्जा गालिब उर्दू अदब का एक ऐसा नाम है, जो हमें बताता है कि दर्द-ओ-अलम के वक्त भी जिंदगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसलिए उर्दू का हर खिदमतगार यह नाम बड़ी अकीदत से लेता है। गालिब जितने मकबूल हैं, उतने मुश्किल भी हैं। उनके अश'आर जितने आसां हैं, उतने ही दुश्वार भी हैं, क्योंकि गालिब में इश्क भी है, गम भी है, मायूसी भी है, तंज भी है। और आखिर में है तसव्वुफ। ये तसव्वुफ का जो मसअ'ला है, वो ता हयात उनके साथ चलता है। हर लम्हा उनके साथ चलता है और इसलिए वे कहते हैं, 'ये मसाइले तसव्वुफ, ये तेरा बयान गालिब/ तुझे हम वली समझते, जो न बादाख्वार होता।' एक तरफ तसव्वुफ है और दूसरी तरफ खुद पे तंज भी कसते हैं, और यही गालिब की खुसूसियत है। गालिब इश्क करना सिखाते हैं, तो इश्क पे हंसना भी सिखाते हैं। गालिब की खुसूसियत यह है कि वो अपने अहद, अपने समय का शाइर होते हुए भी अपने अहद का शाइर नहीं है। गालिब आने वाले दिनों का शाइर है और शायद यही वजह है कि आज उनकी पैदाइश से सवा दो सौ साल गुजर जाने के बाद भी उनकी मकबूलियत में रत्तीभर भी कमी नहीं आयी है। यह हकीकत है कि गालिब अपने समय में जितने मकबूल नहीं थे, उतने आज हैं, बल्कि उससे ज्यादा हैं। लगता है, वो अभी-अभी हमसे गुफ्तगू करने आये हैं। गालिब ने फारसी में भी लिखा और उर्दू में भी। लेकिन पजीराई मिली उन्हें उर्दू कलाम से। गालिब को जितनी दफा पढिए, वो अलग-अलग शेड में नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर 'दीवान-ए-गालिब' का पहला शेह्यर ही लीजिए। इसे जितनी बार पढिए, उतनी बार उसके मअ'नी अलग-अलग ढंग से खुलते नजर आते हैं। 'नक्श फरियादी है किसकी शोखि-ए-तहरीर का/ कागजी है पैरहन हर पैकर-ए-तस्वीर का।' इस शे'र में गजब का रहस्य है और इस शे'र की तासीर बहुत दूर तक जाती है। ये फिक्र-ओ-फन और नजरिया-ए-हयात का इक तअ'रूफ है। गालिब कहते हैं कि ये दुनिया फानी है और वे खुदा से गुफ्तगू करते नजर आते हैं। फारस में बादशाह के यहां फरियादी कागज का पैरहन पहनकर जाते थे और जो हुक्म होता था, वो उनके कागजी पैरहन पर लिख दिया जाता था। गालिब कहते हैं कि पूरी दुनिया इसी तरह फरियादी बनकर खड़ी है और सब ने कागजी पैरहन पहन रखा है। और जिस तरह ये पैरहन उतर जाते हैं, उसी तरह ये जिस्म भी साथ छोड़ देता है। गालिब में वेदांत का दर्शन भी झलकता है। इसलिए उर्दू के बड़े अदीब और नक्काद अब्दुर्ररहमान बिजनौरी ने कहा था कि हिंदुस्तान में दो ही मुकद्दस किताबें हैं- एक वेद और दूसरा दीवान-ए-गालिब। नामवर सिंह भी कहा करते थे कि उनके सिरहाने तीन किताबें हमेशा रहती हैं- एक रामचरित मानस, दूसरा गीता और तीसरा दीवान-ए-गालिब।

तिकड़म को वैध बनाना

न्यायपालिका को पूजा स्थलों की स्थिति को बदलने के लिए बार-बार किए जाने वाले सांप्रदायिक रूप से प्रेरित प्रयासों को वैध बनाने वाले उपकरण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। एक और आदेश में, जो अप्रत्यक्ष तरीकों से एक मस्जिद को मंदिर में परिवर्तित करने की परियोजना में तेजी ला सकता है, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि 1991 में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के स्थल के एक हिस्से को भगवान विश्वेश्वर की संपत्ति के रूप में घोषित करने के लिए दायर किए गए मुकदमों के एक सेट पर कानून द्वारा रोक नहीं है। अदालत ने यह फैसला दिया है कि हिंदू उपासकों के एक समूह द्वारा 2022 के मुकदमे में उसके फैसले की तरह ही इस मामले में भी पुराने मुकदमों को पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया गया है। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम किसी भी पूजा स्थल की उस स्थिति को जो 15 अगस्त 1947 को थी में बदलाव कर सकने वाली कानूनी कार्यवाही को अमान्य करता है। एक खास लगने वाले तर्क में, अदालत ने माना है कि इस मामले में उक्त अधिनियम लागू नहीं होता है क्योंकि इस संरचना का धार्मिक चरित्र अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है। दूसरे शब्दों में, मुकदमेबाजी के चालाक पैंतरेबाजी को शुरू में ही ध्वस्त करने के बजाय अदालत ने यह तय करने के लिए पूर्ण दीवानी सुनवाई करने की इजाजत दी है कि ज्ञानवापी परिसर में स्थित संरचना एक मस्जिद या मंदिर है। अदालत ने कहा है कि जब तक यह स्थिति सबूतों के आधार पर निर्धारित नहीं की जाती है, इसे मंदिर या मस्जिद नहीं कहा जा सकता। इस किस्म का नजरिया आखिरकार एक आधुनिक समाज को मध्ययुगीन लूट-खसोट का बदला लेने की तिकड़मी मानसिकता में धकेल सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गुरुवार को गुलजार रहा बाजार

गुरुवार को गुलजार रहा बाजार, निवेशकों की कमाई में 1.69 लाख करोड़ का इजाफा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला कारोबारी सप्ताह के पांचवें दिन भी जारी रहा। सेंसेक्स और निटी दोनों ने कारोबार के दौरान अपना नया सर्वकालिक उच्च स्तर छूआ। बाजार लगातार 5वें दिन तेजी के साथ बंद हुए। इसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति गुरुवार दिनभर में करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। सबसे अधिक तेजी ऑयल एंड गैस, मेटल, एनर्जी, एफएमसीजी और रियल्टी शेयरों में देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर आईटी और इंडस्ट्रियल शेयरों में गुरुवार को गिरावट रही। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप क्रमशः 0.66 प्रतिशत और 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 371.95 अंक की तेजी के साथ 72,410.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों का वाला सूचकांक, निटी 123.95 अंक बढ़कर 21,778.70 के स्तर पर बंद हुआ।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरुवार को बढ़कर 363 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 27 दिसंबर को 361.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप गुरुवार करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। जिससे निवेशकों की वेल्थ में करीब 1.69 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयर बीएसई सेंसेक्स के 30 में 21 शेयर गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए। इसमें भी एनटीपीसी के शेयरों में सबसे अधिक 3.11 प्रतिशत की तेजी रही। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही और ये 1.81 प्रतिशत से लेकर 2.58 फीसदी तक की तेजी के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर वहीं सेंसेक्स बाकी 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसमें भी भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स रहा। वहीं बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर 0.35 प्रतिशत से लेकर 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एक्सचेंज पर कुल 3,920 शेयरों में गुरुवार को कारोबार देखने को मिला। इसमें से 1,825 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं 1,963 शेयरों में गिरावट देखी गई। जबकि 132 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट बंद हुए। इसके अलावा 357 शेयरों ने गुरुवार कारोबार के दौरान अपना नया 52-वीक हाई छुआ। वहीं 21 शेयरों ने अपने 52-हेतों का नया निचला स्तर छुआ।

एसबीआई और यूनियन बैंक ने एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। एसबीआई और यूनियन बैंक ने दो करोड़ रुपये से कम के फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरें 0.50 फीसदी तक बढ़ा दी है। एफडी पर बढ़ाई गईं नई दरें 27 दिसंबर से लागू हो गई हैं। एसबीआई ने बताया कि सात दिन से लेकर 45 दिन की अवधि के एफडी पर 0.50 फीसदी ज्यादा यानी 3.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 46 से 179 दिन वाले एफडी पर 0.25 फीसदी ज्यादा ब्याज मिलेगा, जो 4.75 फीसदी होगा। दो से तीन साल की अवधि के एफडी पर सबसे ज्यादा सात फीसदी ब्याज मिलेगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि उसने एफडी पर 0.25 फीसदी तक ब्याज बढ़ाया है। बैंक के मुताबिक सात दिन से 14 दिन की अवधि के जमा पर अब तीन फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं 121 दिन से लेकर 180 दिन के जमा पर 4.4 फीसदी और एक साल के जमा पर 6.30 फीसदी का ब्याज मिलेगा। बैंक के ग्राहकों को 399 दिन के जमा पर सात फीसदी जबकि पांच साल से 10 साल की अवधि वाले जमा पर 6.70 फीसदी ब्याज मिलेगा। एसबीआई और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि दोनों वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर 0.50 फीसदी अधिक ब्याज देंगे।

अमेरिका में ओपन एआई और माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा

अमेरिका में ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर मुकदमा वोशिंगटन (ईएमएस)। ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर अमेरिका की एक अखबार एजेंसी ने मुकदमा कर दिया है। गौरतलब है कि एजेंसी ने ओपनएआई और माइक्रोसॉट पर आरोप लगाया है कि कंपनी ने अखबार के कई आर्टिकल्स को बिना अनुमति के इस्तेमाल किया है। कंपनी ने आरोप लगाया है कि ओपन एआई और माइक्रोसॉट ने अपने चैटबॉट के ट्रेनिंग प्रोसेस में इन आर्टिकल्स का इस्तेमाल किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि इसके लिए उनके लाखों आर्टिकल्स का बिना उपयोग किया गया है। इस मामले में एजेंसी ने कहा है कि वो अमेरिका का पहला प्रमुख मीडिया है, ओपन एआई और माइक्रोसॉट पर कॉपीराइट मुद्दों को लेकर मुकदमा दायर किया है। बता दें कि ओपन एआई में माइक्रोसॉट का निवेश हैं, वहीं ओपन एआई मौजूदा समय में प्रचलित एआई टूल चेटजीपीटी बनाने वाली कंपनी है। गौरतलब है कि एजेंसी के अलावा लेखकों और अन्य लोगों ने भी मुआवजे के बिना अपने ऑनलाइन कॉन्टेंट की एआई सर्विसेज द्वारा स्क्रैपिंग या डेटा के ऑटोमेटिक कलेक्शन को सीमित करने के लिए मुकदमा दायर किया है। अखबार एजेंसी ने मामला मैनहैटन फेडरल कोर्ट में दर्ज किया है।

पीसीबीएल को ए[ाफार्म के अधिग्रहण के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने विशेष रसायन कंपनी पीसीबीएल के एक्वाफार्म केमिकल्स में 100 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। एक नोटिस में यह जानकारी दी गई है। सीसीआई ने ग्रीन चैनल रूट के तहत इस सौदे को अपनी मंजूरी दी है। ग्रीन चैनल रूट के तहत वैसे लेनदेन जिसका प्रतिस्पर्धा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव का खतरा नहीं है, सीसीआई को सूचित किए जाने पर अनुमोदित माना जाता है। पीसीबीएल लिमिटेड कार्बन ब्लैक और हरित बिजली उत्पादन के निर्माण और बिक्री कार्य में संलग्न है। सीसीआई ने कहा कि यह सौदा कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों से एक्वाफार्म केमिकल्स की 100 प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी हासिल करने के पीसीबीएल के प्रस्ताव से संबंधित है। लेन-देन पूरा होने के बाद एक्वाफार्म केमिकल्स, पीसीबीएल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होगी।

एईपीसी ने सरकार से आरओएससीटीएल योजना बढ़ाने का किया आग्रह

नई दिल्ली। परिधान निर्यातकों की प्रमुख संस्था एईपीसी ने सरकार से आरओएससीटीएल योजना का विस्तार करने का आग्रह किया और कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए यह बहुत ही जरूरी है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के अनुसार बाजार सर्वकालिक निचले स्तर पर है और अमेरिका तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के पारंपरिक बाजार मंदी से प्रभावित हैं। एईपीसी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए इस योजना आरओएससीटीएल (राज्य तथा केंद्रीय करों एवं शुल्क की छूट) को 31 मार्च 2024 से आगे बढ़ाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस योजना (आरओएससीटीएल) ने परिधान उद्योग को प्रतिस्पर्धी बने रहने के साथ-साथ व्यवसाय संबंधि योजना तैयार करने में काफी मदद की है। उन्होंने उद्योग जगत से नवप्रवर्तन तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने को भी कहा। अेधिकारी ने कहा कि वर्तमान में परिधान उद्योग को बहुत कम एफडीआई मिलता है, जबकि परिधान क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। उन्होंने कहा कि निर्यात को मौजूदा 16-17 अरब अमेरिकी डॉलर से 2030 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए लागत में कटौती, तेजी से मंजूरी, बाजार तथा उत्पाद का विस्तार, क्लस्टर-आधारित मॉडल अपनाने, निवेश लाने के लिए नवाचार पर ध्यान देने आदि की आवश्यकता है।

बैंकों का एनपीए घटा, आरबीआई की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि सितंबर 2023 की समाप्ति पर बैंकों का ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट (जीएनपीए) घटकर 3.2 फीसदी पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि साल 2018-19 में बैंकों के एसेट गुणवत्ता में सुधार की प्रक्रिया की शुरुआत हुई थी वो वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के पहले छमाही में भी जारी रही , जिसके बाद सितंबर 2023 की समाप्ति पर बैंकों का ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग एसेट घटकर 3.2 फीसदी पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग सेक्टर के ट्रेंड्स और प्रोग्रेस को लेकर नाम से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में बैंकिंग सेक्टर के प्रदर्शन का जिक्र किया गया है जिसमें 2022-23 और 2023-24 के दौरान को-ऑपरेटिव बैंकों और एनबीएफसी का प्रदर्शन भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक रिटेल और सर्विसेज सेक्टर्स को क्रेडिट में बढ़ोतरी, बैंकों में डिपॉजिट बढ़ने के चलते शेड्यूल कमर्शियल बैंकों के बैलेंसशीट में 2022-23 में 12.2 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। हालांकि बैंकों का डिपॉजिट ग्रोथ क्रेडिट ग्रोथ रेट के मुकाबले कम रहा है।

देश के सात शहरों में इस साल आवासीय बिक्री बढ़कर 4.77 लाख इकाई पहुंची

- वर्ष 2022 में 3,64,870 इकाइयों की बिक्री की गई थी

नई दिल्ली।

इस साल देश के सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 31 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 4.77 लाख इकाई पहुंच गई है। कीमतों के औसतन 15 फीसदी बढ़ने और उच्च ब्याज दरों के बाद भी यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने हाल ही में सात प्रमुख शहरों के आवासीय बाजार के वार्षिक आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष 2023 में आवासीय बिक्री 4,76,530 इकाई रही। यह किसी भीवित्त वर्ष में दर्ज अभी तक की सबसे अधिक बिक्री है। 2022 में 3,64,870 इकाइयों की बिक्री की गई थी। रियल एस्टेट कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वैश्विक प्रतिकूलताओं, घरेलू संपत्ति की बढ़ती कीमतों और इस साल की पहली छमाही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद 2023 भारतीय आवासीय क्षेत्र के लिए बेहतरीन रहा। उन्होंने कहा कि शीर्ष सात शहरों में आवासीय बिक्री 2022 के पिछले उच्च स्तर को पार कर गई। आशंका थी कि संपत्ति की बढ़ती कीमतों और ब्याज दरों के साथ-साथ वैश्विक बाजार की अनिश्चितताएं आवासीय बिक्री को प्रभावित करेंगी, हालांकि उच्च मांग बनी रही। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष सात शहरों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर पुणे रहा। एमएमआर में बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 1,53,870 इकाई रही, जो पिछले साल 1,09,730 इकाई थी। पुणे में आवासीय बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 86,680 इकाई रही, जो पिछले साले 57,145 इकाई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिक्री केवल तीन प्रतिशत बढ़कर 65,625 इकाई रही, पिछले साल यह 63,710 इकाई रही थी। बेंगलुरु में आवासीय बिक्री पिछले साल 49,480 इकाइयों की तुलना में 29 प्रतिशत बढ़कर 63,980 इकाई रही। कोलकाता में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 21,220 इकाई से 23,030 इकाई हो गई। चेन्नई में बिक्री पिछले वित्त वर्ष में 16,100 इकाइयों से इस वर्ष 34 प्रतिशत बढ़कर 21,630 इकाई हो गई। रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार कच्चे माल की लागत में वृद्धि और मजबूत मांग के कारण इन सात शहरों में आवासीय कीमत 10 से 24 प्रतिशत तक बढ़ीं।

पूर्वोत्तर राज्यों की सैर के लिए आईआरसीटीसी का सस्ता टूर पैकेज

नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर राज्य की सैर करने के लिए आईआरसीटीसी आपके लिए शानदार टूर पैकेज लेकर आया है। इस पैकेज का नाम है ज्वेल ऑफ नार्थ ईस्ट पैकेज ईएक्स लखनऊ। यह एक 10 दिन का ट्रेन पैकेज है जिसमें आपको पूर्वोतर की कई जगह जैसे गुवाहाटी, कामोया, शिलांग और चेरापूंजी की सैर का मौका मिल रहा है।

इस पैकेज का लुत्फ हर सोमवार को उठाया जा सकता है। यह 11 दिन और 10 रात का टूर पैकेज है जिसमें आपको कामोया देवी मंदिर जैसी धार्मिक जगहों पर भी यात्रा करने का मौका मिलेगा। इस पैकेज में आप अपने बजट के हिसाब से 2 एसी और 3 एसी में से किसी एक में यात्रा कर सकते हैं। इस पैकेज में आपको ब्रेकफास्ट की सुविधा मिल रही है। लंच और डिनर की व्यवस्था आपको खुद करनी होगी। आईआरसीटीसी के नॉर्थ ईस्ट टूर में आपको लखनऊ के अलावा गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, सिवान और छपरा से बोर्डिंग और डीबोर्डिंग की सुविधा मिल रही है। अगर आप सेकंड एसी पैकेज का चुनाव करते हैं तो ऑक्यूपेंसी के आधार पर 35,300 रुपये से लेकर 81,445 रुपये तक प्रति व्यक्ति के हिसाब से शुल्क देना होगा। वहीं कंफर्ट पैकेज थर्ड एसी 33,305 रुपये से लेकर 79,550 रुपये प्रति व्यक्ति शुल्क देना होगा।

दो तिहाई भारतीयों की कमाई अभी भी 35 हजार के नीचे

नई दिल्ली।

देश में परिवारों की आमदनी, खर्च, लाइफस्टाइल, बचत, निवेश और भविष्य की योजना के बारे में किए गए गए एक सर्वे में रोचक आंकड़े निकलकर सामने आए हैं। इस सर्वे में कर्नाटक के परिवार देश में सबसे समृद्ध निकले। उन्होंने महाराष्ट्र के परिवारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हालांकि दो तिहाई भारतीय अभी भी हर महीने 35 हजार से कम कमा पाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों को निवेश के नए विकल्प अभी तक लुभा नहीं पाए हैं। वह गोल्ड और बैंक में जमा पैसों को सुरक्षित निवेश के तौर पर देखते हैं। लगभग 77 फीसदी भारतीय अपनी कमाई को बैंक में रखना पसंद करते हैं। साथ ही 21 फीसदी लोग गोल्ड में निवेश करने को तरजीह देते हैं। हालांकि भारतीय परिवारों में बीमा इंश्योरेंस और शेयर बाजार के प्रति रुझान बढ़ा है। फिर भी अभी इनकी संख्या कम है।

सर्वेक्षण से पता चला कि कोविड महामारी के बाद प्रवासी मजदूर शहरों की ओर वापस लौटे हैं। इसकी वजह से 2023 में शहरी परिवारों की औसत मासिक आय 12 फीसदी बढ़कर 25,910 रुपये हो गई मगर अभी भी 77 फीसदी भारतीय 35,000 रुपये मासिक से कम कमाते हैं। सिर्फ 30 फीसदी परिवारों ने बताया कि पिछले 5 साल में उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। 53 फीसदी परिवारों के पास अभी भी स्वास्थ्य बीमा नहीं है। शेय बाजार और म्यूचुअल फंड में पैसा लगाने वालों की संख्या भी बढ़ी है। गलुरु और तिरुवनंतपुरम में सबसे ज्यादा गोल्ड सेविंग होती है। भारत में सबसे ज्यादा बीमा मदुरई के परिवारों के पास है।

इस सर्वे में 20 राज्यों के 1,170 स्थानों और 115 जिलों में फैले 35,000 से अधिक घरों को शामिल किया गया। यह सर्वेक्षण रिसर्च ट्राइएंगल इंस्टिट्यूट (आरटीआई) इंटरनेशनल के सहयोग से किया गया है।

वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों की प्रीमियम 13 प्रतिशत बढ़ीः इरडा

साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय 16.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।

जीवन बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय पिछले वित्त वर्ष में 12.98 प्रतिशत बढ़कर 7.8 3 लाख करोड़ रुपये हो गई जबकि साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय 16.4 प्रतिशत बढ़कर 2.57 लाख करोड़ रुपये हो गई। बीमा नियामक इरडा ने अपनी सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 में कहा कि निजी क्षेत्र के जीवन बीमा कंपनियों ने प्रीमियम में 16.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के जीवन बीमाकर्ता ने प्रीमियम में 10.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जीवन बीमा कंपनियों की कुल प्रीमियम आय में पुरानी पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम का हिस्सा 52.56 प्रतिशत रहा है जबकि 47.44 प्रतिशत योगदान नए पॉलिसी प्रीमियम का है। हालांकि नई पॉलिसी के प्रीमियम में 17.90 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई जबकि नवीनीकरण कारोबार 8.88 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इरडा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में जीवन बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत खंड में 284.70 लाख नई पॉलिसी जारी की। सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ताओं ने 204.29 लाख पॉलिसी (71.75 प्रतिशत) और निजी जीवन बीमा कंपनियों ने 80.42 लाख पॉलिसी (28.25 प्रतिशत) जारी कीं। जीवन बीमा उद्योग का मुनाफा बीते वित्त वर्ष में पांच गुना बढ़कर 42,788 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 7,751 करोड़ रुपये था। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र का लाभ 800 प्रतिशत रहा जबकि निजी बीमा कंपनियों ने कुल मिलाकर 72.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी जारी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार के कारोबारी दिन भी तेज रही। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 63,800 रुपये और चांदी के वायदा भाव 75,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई लेकिन बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 50 रुपये की तेजी के साथ 63,728 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 112 रुपये की तेजी के साथ 63,790 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 96 रुपये की तेजी के साथ 75,743 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 38 रुपये की तेजी के साथ 75,685 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,089.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,093.10 डॉलर था। फिलहाल यह 3.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,096.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.64 डॉलर था। फिलहाल यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 24.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

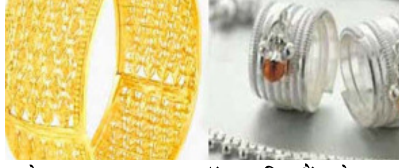

एनटीपीसी एक-दो साल में हरित ऊर्जा इकाई सूचीबद्ध करेगीः गुरदीप सिंह

मुंबई।

सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी अपनी हरित ऊर्जा इकाई को एक-दो साल में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह ने कहा कि कंपनी को भविष्य में इसमें अधिक मांग की उमीद है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूंजीगत व्यय में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि की उमेीद कर रही है। सिंह ने कंपनी की हरित ऊर्जा इकाई को सूचीबद्ध करने पर विचार करने से जुड़े एक सवाल पर कहा कि शायद मुझे लगता है कि एक आईपीओ अगले एक से दो साल में आने वाला है। उन्होंने यह बात यहां हाल ही में आयोजित 10वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में एक परिचर्चा में कही। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से आगे देख रहे हैं और यह हमारी सोचने की प्रक्रिया है, मुझे लगता है कि लगभग एक या दो साल में हम आईपीओ के लिए जाएंगे।

बाजार में आए चार नए फोन, 60 एमपी कैमरा और 100 वॉट की चार्जिंग ने बढ़ाया

नई दिल्ली।

इन दिनों बाजार में चार नए मोबाइल उतारे गए है। जिनके कई तरह की खासियतें है। 60 मेगापिक्सल्स का कैमला और 100 वॉट की चार्जिंग ने ग्राहकों को आकर्षित किया है। ये स्मार्टफोन हुवावे की नोवा 12 सीरीज के हैं। इस सीरीज में आने वाले इन फोन्स का नाम- हुआवेई नोवा 12,हुआवेई नोवा 12 लाइट,हुआवेई नोवा 12 प्रो
और हुआवेई नोवा 12 अल्ट्रा है। कंपनी के ये नए फोन 60 मेगापिक्सल के सेल्फी कैमरा से लैस हैं। कंपनी ने इन फोन्स को 12जीबी तक की रैम और 1टीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च किया है। नोवा 12 सीरीज के ये लेटेस्ट फोन 100 वॉट तक की फास्ट चार्जिंग और पावरफुल प्रोसेसर के साथ आते हैं।

नोवा 12 अल्ट्रा 12जीबी रैम और 1टीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में आता है। वहीं, नोवा 12 प्रो को कंपनी ने 12जीबी रैम और 512जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में लॉन्च किया है। प्रोसेसर के तौर नोवा 12 अल्ट्रा में किरीन 9000 एसएल और नोवा 12 प्रो में किरीन 8000 5 जी चिपसेट दिया गया है। इन फोन में 6.6 इंच का ओलेड डिस्प्ले दिया गया है। यह डिस्प्ले 120 एचजेड तक के रिफ्रेश रेट और 300 एचजेड के टच सैंप्लिंग रेट के साथ आता है। फोटोग्राफी के लिए इन फोन मे 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। वहीं, सेल्फी के लिए भी कंपनी इनमें दो कैमरे दे रही है। इनमें एक 60 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और एक 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा शामिल है। इन फोन की बैटरी 4600 एमएएच की है, जो 100 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। ओएस की बात करें तो यह फोन हॉरमोनी ओएस 4.0 पर काम करता है।

हुवावे की नई सीरीज के ये दोनों फोन प्रोसेसर के मामले में एक दूसरे अलग हैं। नोवा 12 में कंपनी किरीन 8000 चिपसेट दे रही है। वहीं, नोवा 12 लाइट स्नैपड्रैगन 778जी 4 जी प्रोसेसर के साथ आता है। कंपनी इन फोन में 2412 गुणा 1084 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.7 इंच का फुल एचडी प्लस ओलेड डिस्प्ले दे रही है, जो 120 एचजेड के रिफ्रेश रेट के साथ आता है। फोटोग्राफी के लिए इन फोन में ऊंची 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। फोन का सेल्फी कैमरा 60 मेगापिक्सल का है। इन फोन में सेल्फी के लिए दो कैमरे नहीं दिए गए हैं। फोन्स की बैटरी 4500 एमएएच की है, जो 66 वॉट की वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कनेक्टिविटी के लिए इन फोन में वाई-फाई 2.4 जीएचजेड, 5 जीएचजेड , ब्लूटूथ 5.2, यूएसबी टाइप-सी और जीपीएस जैसे ऑप्शन दिए गए हैं।

ज्यादा देर सोने से याददाश्त पर पड़ता है बुरा असर, दिमाग में हो जाते हैं जख्म

पिछले कई अध्ययनों में अल्जाइमर की बीमारी को नींद की कमी से जुड़ा हुआ पाया गया, लेकिन एक नए शोध में दावा किया गया है कि ज्यादा देर तक आंख बंद रहने या ज्यादा नींद लेने से याद्दाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया की जो व्यक्ति नौ घंटे या उससे अधिक की नींद लेते हैं उनकी याद्दाश्त और भाषा कौशल में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही उन लोगों में भी खतरा देखने को मिला, जो छह घंटे की नींद लेते हैं। शोध के बाद वैज्ञानिकों ने दावा किया कि सात या आठ घंटे की नींद लेना सबसे बेहतर है और इससे इन खतरों को टाला जा सकता है। हालांकि, शोधकर्ता इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि ज्यादा सोना अवसाद के खतरे को बढ़ा सकता है, लेकिन उनका कहना था कि यदि व्यक्ति के मस्तिष्क में किसी प्रकार का व्यावधान या रोग हो, तो उसे नींद ज्यादा आती है। इसके लिए मिआमी मिलर स्कूल यूनिवर्सिटी की टीम ने सात वर्षों तक करीब 5,247 स्पेन के लोगों पर अध्ययन किया। इसमें शामिल होने वाले प्रतिभागी 45 से 75 वर्ष की उम्र के और अलग-अलग समुदाय के थे। इसमें शिकागो, मिआमी, सेनडिआगो, न्यूयॉर्क के लैटिनो शामिल थे। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने प्रतिभागितयों के ध्यान, याददशत, भाषा के साथ-साथ मस्तिष्क स्वास्थ्य और उसमें होने वाले बदलावों का निरीक्षण किया।

अधिक सोने से दिमाग में हो जाता है जख्म: वैज्ञानिकों के अनुसार ज्यादा सोने से दिमाग में जख्म हो जाता है, जिसे व्हाइट मैटर हाइपर इंटेंसिटी भी कहा जाता है। इन जख्मों के चलते दिमाग में रक्त प्रवाह भी प्रभावित होता है। एमआरआई में दिखाई देने वाले ये सफेद घब्बे अवसाद और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिआमी के न्यूरोलॉजिस्ट और नींद के विशेषज्ञ डॉक्टर रामोस ने कहा कि अल्पनिद्रा और अधिक नींद लेने का सीधा संबंध व्यक्ति के तंत्रिका संबंधी रोग से है, जो अल्जाइमर और अवसाद के लिए जिम्मेदार होता है।

डॉक्टर से कम नहीं घर का खाना

थायरॉइड जैसे कई रोगों की कर देता है छुट्टी

कभी शौक में, तो कभी अलग स्वाद के लिए अक्सर लोग बाहर खाना पसंद करते हैं। मगर सेहत के नजरिए से बाहर का खाना कभी घर के खाने की बराबरी नहीं कर सकता।

अमेरिका में हुए एक हालिया अध्ययन की मानें तो बाहर का खाना कई गंभीर व लाइलाज बीमारियों की वजह बन सकता है। अध्ययन के मुताबिक खुद खाना बनाकर खाने से कई ऐसे टॉक्सिक रसायनों से बचा जा सकता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को नुकसान पहुंचाते हैं। साइलेंट प्रिरंग इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया कि जो लोग घर का बना खाना खाते हैं, उनके शरीर में पीएफएएस नामक खतरनाक रसायन कम पाए गए। यह रसायन हमारे पर्यावरण की तमाम जगहों पर पाए जाते हैं और इस तरह शरीर में चले जाते हैं।

कैंसर-थायरॉइड से बचाता है घर का भोजन

घर का बना खाना पीएफएएस के खतरे को टाल देता है। यह कैंसर और थायरॉइड की समस्या से बचाव में खासतौर पर मददगार है। सबसे खास बात है कि घर के बने खाने के हर टुकड़े में सेहतमंद गुण मिलेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यावरण में मौजूद टॉक्सिन के खिलाफ कोई बेहतरीन बचाव का उपाय नहीं है।

रेसिपी

ब्रेड पोहा

सामग्री

■ ब्रेड स्लाइस: 8-10 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ मूंगफली दाना : 1/2 कप ■ प्याज: 1 बारीक कटा ■ टमाटर: 1 बारीक कटा ■ हरी मिर्च : 2 बारीक कटी ■ नींबू का रस ■ जीरा : 1 छोटा चम्मच ■ राई :1 छोटा चम्मच ■ सौंफ : 1 छोटा चम्मच ■ हल्दी पाउडर : 1 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच ■ लाल मिर्च : 1/2 छोटा चम्मच ■ तेल : 1 बड़ा चम्मच ■ नमक : स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा, राई और करी पत्ता डालकर तड़काएं। अब इसमें बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च को डालकर प्याज के सुनहरा होने तक भुनें। इसके बाद इसमें टमाटर, मूंगफली के दाने डाल दें। 2 मिनट भनने के बाद सारे मसाले डाल दें। टमाटर को सॉफ्ट होने तक पकाएं। टमाटर जब पक जाएं तब इसमें ब्रेड के छोटे टुकड़े कर डालें और 2 मिनट और पकाएं। तैयार है ब्रेड पोहा, जिसे आप ब्रेकफास्ट के अलावा शाम के स्नैक्स में भी सर्व कर सकते हैं।

फ्लेवर्ड कोकोनट इडली

सामग्री

■ 12-15 मिनी इडली ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कुछ टूथपिक्स ■ तेल ■ राई दाना: 1 टी स्पून ■ 1 नींबू, ■ हींग: चुटकी भर ■ थोड़ा हल्दी पाउडर ■ थोड़ा करी पत्ता ■ साउथ इंडियन मसाला ■ लाल मिर्च पाउडर

विधि

नॉनस्टिक कड़ाही में राई दाना, हींग और साउथ इंडियन मसाला डालकर 4-5 इडली डालकर निकालें। यह लाल रंग की हो जाएगी। अब हरे रंग के लिए कड़ाही में तेल डालें। उसमें राई, हींग और करी पत्ते का पेस्ट डालकर थोड़ी इडली डालें और निकालें। इडली को पीला रंग देने के लिए तेल, राई दाना, हींग, हल्दी, नमक और नींबू डालकर बाकी बची इडलियां डालकर निकाल लें। अब सभी रंग की इडलियों को टूथपिक में लगाकर सेट करें। अगर आपके पास मिनी इडली स्टैंड नहीं है तो नॉर्मल साइज वाली इडली बनाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3048

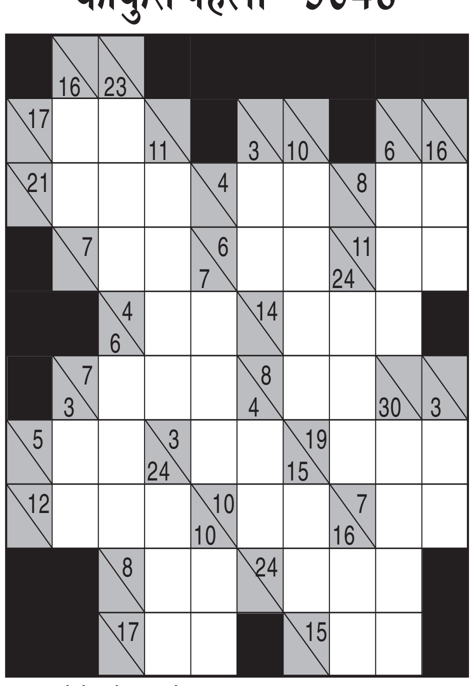

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (11); 1, 2, 4 (7)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3047 का हल

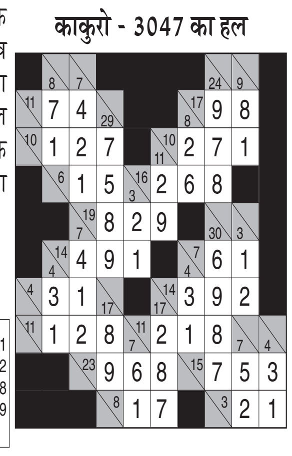

लॉफिंग जोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3048

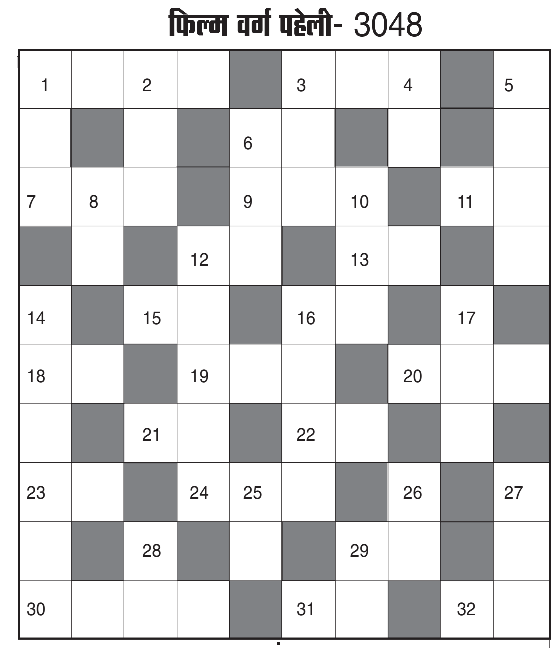

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3047

सूडोकु -3048

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3047 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3048

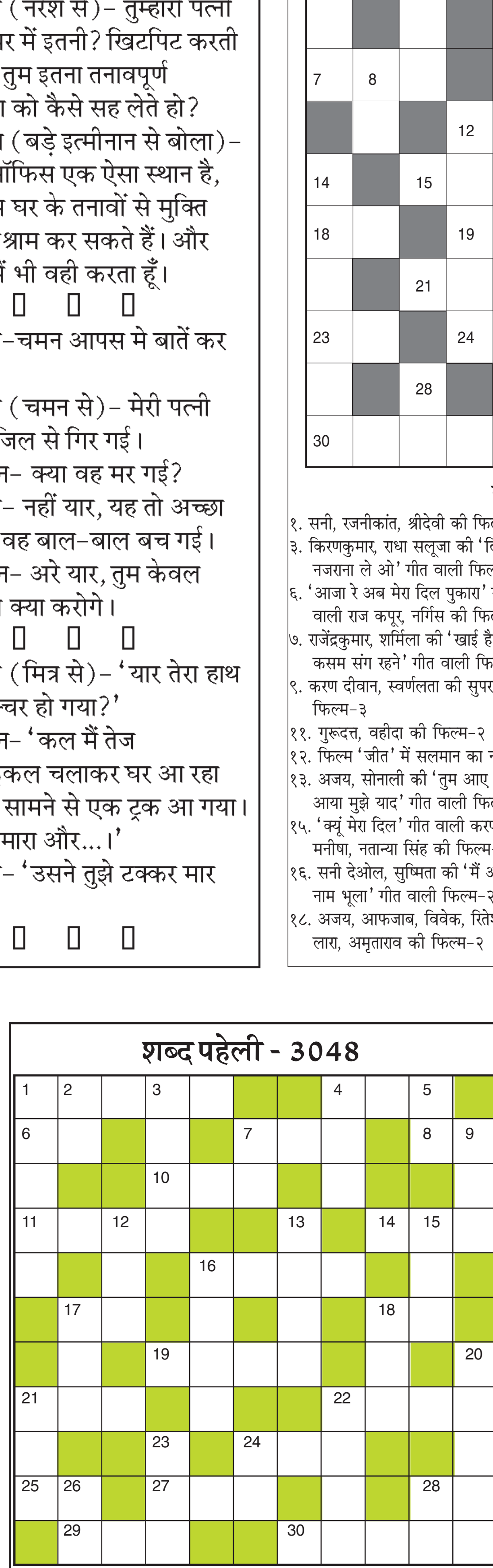

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -3047 का हल

डब्ल्यूएफआई को निलंबित करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं, अदालत में चुनौती देंगे : संजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि खेल मंत्रालय ने कुश्ती की राष्ट्रीय संस्था को निलंबित करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और वे सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। खेल मंत्रालय ने रविवार को डब्ल्यूएफआई को चुनाव के तीन दिन बाद निलंबित कर दिया था कि उसने अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की घोषणा समेत कुछ फैसले करने में अपने ही संविधान का उल्लघंन किया था। संजय ने हालांकि कहा कि सरकार डब्ल्यूएफआई का पक्ष सुने बिना उनकी स्वायत्त और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई संस्था को निलंबित नहीं कर सकती।

संजय ने कहा, 'हमने लोकतांत्रिक तरीके से डब्ल्यूएफआई के चुनाव जीते। जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश निर्वाचन अधिकारी थे, इसमें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के भी पर्यवेक्षक थे। चुनावों में 22 राज्य इकाईयों (25 राज्य संघ में से तीन अनुपस्थित थे) ने हिस्सा लिया था, 47 वोट मिले थे जिसमें से मुझे 40 मिले थे।' उन्होंने कहा, 'इसके बावजूद अगर हमें निलंबित कर दिया जाता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गयी संस्था को अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया गया जो न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है जबकि भारतीय संविधान के अंतर्गत हर कोई इसका हकदार होता है।'

डब्ल्यूएफआई के लिए अगला कदम क्या होता तो उन्होंने कहा, 'डब्ल्यूएफआई एक स्वायत्त संस्था है और सरकार ने उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। हम सरकार से बात करेंगे और अगर सरकार निलंबन वापस नहीं लेती है तो हम कानूनी राय लेंगे और अदालत का रूख करेंगे।' संजय ने कहा कि क्योंकि डब्ल्यूएफआई निलंबन का विरोध कर रहा है तो वह आईओए द्वारा गठित तीन सदस्यीय तदर्थ समिति को स्वीकार नहीं करते। बुधवार को आईओए ने डब्ल्यूएफआई का कामकाज देखने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। संजय ने साथ ही कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया से मिलने के लिए हरियाणा के अखाड़े में पहुंचने से स्पष्ट हो गया कि तिकड़ी (बजरंग, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक) राजनीति कर रही है।

डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय ने कहा, 'साफ है कि उन्हें (बजरंग, विनेश और साक्षी) कांग्रेस और वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है। ये तीनों इन राजनीतिक दलों के हिसाब से चल रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'आप मुझे कोई चौथा पहलवान बतायें जो डब्ल्यूएफआई का विरोध कर रहा हो। ये तीनों नहीं चाहते कि जूनियर पहलवान आगे बढ़ें, ये जूनियर पहलवानों का अधिकार छीनना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बजरंग हांगझोउ एशियाड में ट्रायल्स में हिस्सा लिये बिना गया था और वह 0-10 से हारकर वापस आया। ये कुश्ती नहीं कर रहे, ये राजनीति कर रहे हैं। अगर आप कुश्ती के बारे में चिंतित हो तो आगे आओ, रास्ता आपके लिये साफ है। लेकिन अगर आप राजनीति करना चाहते हो तो खुले में करो।' संजय ने बजरंग के पद्मश्री फुटपाथ पर छोड़कर जाने के बारे में कहा, ''यह निजी मामला हो सकता है, लेकिन खेल रत्न से देश की भावनायें जुड़ी हैं, यह एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे समाज का होता है। पद्मश्री ऐसी चीज नहीं है जो सड़क पर रख दिया जाए।'

संजय के डब्ल्यूएफआई प्रमुख चुने जाने के बाद साक्षी ने कुश्ती से संन्यास ले लिया था जबकि बजरंग ने अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला किया था। विनेश ने भी अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार वापस कर दिया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू को डब्ल्यूएफआई से प्रतिबंध हटाने का अनुरोध करते हुए पत्र लिया था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय संस्था से अनुकूल फैसला आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमने

यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पत्र लिखकर डब्ल्यूएफआई पर लगा प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया था क्योंकि चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से कराये गये थे। यूरोप में अभी कार्यालय में छुट्टी चल रही है जिससे इसमें कुछ दिन लग सकते हैं।'

वार्नर ने एमसीजी को अलविदा कहा

– ऑस्ट्रेलिया ने पाक पर शिकंजा कसा

मेलबर्न (एजेंसी)। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में अपनी अंतिम पारी खेली। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में छह रन पर आउट होने के साथ ही इस मैदान को अलविदा कह दिया। इसका कारण ये है कि वार्नर पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की इस सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। वार्नर ने स्टेडियम में उपस्थित प्रशंसकों का अभिवादन किया। इस दौरान उन्होंने अपने ग्लव्स भी एक प्रशंसक को दिये।

वार्नर के मैदान पर विदा लेते ही प्रशंसक अपने इस स्टार बल्लेबाज के सम्मान में खड़े हो गये। अब वार्नर का लक्ष्य अपने अंतिम टेस्ट में यादगार प्रदर्शन करना रहेगा। वार्नर की एमसीजी से विदाई का एक विडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें लिखा गया है, उस मैदान पर जहां उन्होंने 912 टेस्ट रन बनाए और अपना टी20आई डेब्यू किया आज उससे दूर हो रहे हैं।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले चार विकेट केवल 16 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श के बीच 153 रन की साझेदारी की सहयता से उसने 241 रन की अहम बढ़त बना ली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट 187 रन रनों पर ही खो दिये। दिन का खेल समाप्त होने के समय मार्श 96 और स्मिथ 50 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले कप्तान पैट कमिंस के पांच विकेट की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने पाक को पहली पारी में 264 रनों पर ही समेट दिया था। इस प्रकार उसके पास पहली पारी के आधार पर 54 रन की बढ़त थी। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 318 रन बनाये थे।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20ई क्रिकेट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

–फिल साल्ट लंबी छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंचे, रिजवान तीसरे स्थान पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा पुरुष टी20ई क्रिकेट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के इंग्लैंड के सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर बने हुए हैं। सूर्या के 887 रेटिंग अंक हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट लंबी छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। साल्ट के अब 802 रेंटिंग अंक हो गये हैं। सॉल्ट को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी का लाभ मिला है। वहीं पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 787 रेटिंग अंक के साथ ही अब तीसरे नंबर पर हैं। हैं।

इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन भी बल्लेबाजी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वह 27 पायदान ऊपर आकर 38वें स्थान पर पहुंच गए। इसी प्रकार वह ऑलराउंडर श्रेणी में 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पाक के ही मोईन अली और शादाब खान 173 रेटिंग अंक के साथ ही 9वें स्थान हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील होसेन 683 अंक लेकर चौथे स्थान पर आ गये हैं। वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और महीश थीक्षाना 679 और 677 रेटिंग अंक लेकर उनसे पीछे हो गये हैं।

एल्गर के शतक से दक्षिण अफ्रीका को मिली बढ़त

सेंचुरियमन (एजेंसी)। डीन एल्गर के शानदार शतक से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम के 245 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका को एल्गर के शतक से 11 रनों की बढ़त मिल गयी। इससे पहले भारतीय टीम ने केएल राहुल के शतक से पहली पारी में 245 रन बनाये थे। राहुल ने 137 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली थी। इसके जवाब में उतरी मेजबान टीम की ओर से एल्गर ने शतक लगाकर अपनी टीम को पांच विकेट पर 256 तक पहुंचाया। इस प्रकार उसे 11 रनों की बढ़त मिल गयी है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक एल्गर 140 और मार्को यान्सन 3 रन बनाकर खेल रहे थे।

भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाजजसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट लिए। मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। ऐडन मार्कराम 5 जबकि टोनी 28 रन पेवेलियन लौट गये। कीगन पीटरसन भी 2 रनों पर आउट हो गये। इसके बाद डेविड बेडिंघम ने 87 गेंदों पर 56 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। काइल 7 रन पर 4 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुए। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज 2-2 विकेट लेने में सफल रहे। अफ्रीका की ओर से ऐडन मार्कराम 5 तो टोनी 28 रन बनाकर आऊट हो गए। कीगन पीटरसन 2 ही रन बना पाए। अफ्रीका के मध्यक्रम बल्लेबाज डेविड बेडिंघम ने 87 गेंदों पर 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। काइल 7 रन पर 4 रन बनाकर प्रसिद्ध का शिकार हुए। इससे पूर्व मेजबान टीम के गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजी टिक नहीं पायी। केवल एक छोर पर केएल राहुल डटे रहे। राहुल ने शानदार शतक लगाकर पारी को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

रोहित का पुल शॉट लगाना गलत नहीं : राठौड़

सेंचुरियन ।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पुल शॉट लगाने के प्रयास में शुरु में ही आउट हो गये थे।जिसके लिए पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने उनकी आलोचना की थी।कई दिग्गजों का मानना था कि रोहित को संयम रखना था क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में हालात अलग होते हैं।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि पुल शॉट उनका पसंदीदा शॉट है जिससे वह खेलेंगे ही। ऐसे में टीम प्रबंधन पुल शॉट खेलने के उनके फैसले के खिलाफ नहीं है।रोहित पुल शॉट खेलते समय तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की गेंद पर आउट हो गए जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ा।हालांकि राठौड़ ने स्पष्ट किया कि टीम प्रबंधन इसको लेकर परेशान नहीं है क्योंकि कभी–कभी पुल शॉट खेलना ही पड़ता है।पांचवें ओवर में रोहित ने रबाडा के बाउंसर पर शॉट का फैसला किया पर गेंद सीधे नांद्रे बर्गर हाथों में चली गयी।राठौड़ ने कहा कि रोहित ने उस शॉट पर पहले काफी रन बनाए हैं और लोग आम तौर पर उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुलर कहा जाता है, इसलिए उनके इस प्रकार के शॉट खेलने पर किसी को चिन्तित नहीं होना चाहिये।राठौड़ ने कहा, पुल शॉट पर वह विश्वास करता है, यही वह शॉट है जिससे वह बहुत सारे रन बनाता है।ये उनका शॉट है।इसलिए, वह यह शॉट खेल रहे हैं।किसी और दिन जब वह इसी शॉट पर छक्का मारेगा तो हर कोई कहेगा कि यही वह शॉट है जो वह वास्तव में बहुत अच्छा खेलता है।

शार्दुल ओर कृष्णा को पहले गेंदबाजी देकर रोहित ने गलती की : शास्त्री

सेंचुरियन ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की रणनीति सही नहीं थी।शास्त्री ने कहा कि अगर वह कोच होते तो इस मामले में रोहित से बात करते। शास्त्री इस मैच में कमेंट्री कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ब्रेक के बाद शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ गेंदबाजी की शुरुआत की गयी उससे वह हैरान हैं।उन्होंने कहा कि इससे बल्लेबाजों को संभलने का अवसर मिला गया था।इसके बाद जब तक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वापस लाया गया। हालात बदल गये।शास्त्री ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि लंच के बाद किसी भी हालत में शार्दुल और कृष्णा से गेंदबाजी नहीं करानी चाहिये थी।साथ ही कहा कि जब मैं कोच था तब हमने कई बार इस पर बात की थी।वहीं आमतौर पर हमने सत्र की शुरुआत में सर्वश्रेष्ठ 2 गेंदबाजों के साथ जाने का फैसला किया था।शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम ने जिन गेंदबाजों के साथ शुरुआत की, वह सही नहीं थी। शास्त्री से पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर भी सहमत नजर आये। उन्होंने कहा कि कोच राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा ने ब्रेक के दौरान सोचा होगा किसे गेंदबाजी सौंपी जाये। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर ने कहा कि भारतीय टीम के पास शुरुआत में दबाव बनाने का अवसर था पर उसने उसे खो दिया। भारत ने शुरुआत में 42 रन दिए और इससे दक्षिण अफ्रीका को दबाव से निकलने का अवसर मिल गया।

भारत और इंग्लैंड से तीन मैचों की महिला टेस्ट सीरीज खेलना चाहती है ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आने वाले समय में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने का अवसर मिल सकता है। यह इसलिए क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चाहता है कि टीम को अधिक मैच खेलने को मिलें। सीएसए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि वह भारत और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आयोजन का विचार कर रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच की सीरीज होते है। दोनों ही टीमों के बीच हाल में वानखेड़े स्टेडियम में एक टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें भारतीय टीम को जीत मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच साल 1984 के बाद ये पहला टेस्ट मैच भारत में खेला गया था। हॉकले ने कहा, 'हम महिला क्रिकेट में कई प्रारूपों की सीरीज खेलने के पक्ष में हैं। इसके तहत अधिक से अधिक टेस्ट मैच खेले जाने हैं। ऐसे में संभव है कि भविष्य में हम तीन टेस्ट मैच की 'मार्की श्रृंखला खेलें। यह मार्की श्रृंखला केवल इंग्लैंड और भारत से होगी।

कोच अमोल ने महिला क्रिकेट टीम को दी अहम सलाह

मुंबई ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से पहले टीम का हौंसला बढ़ाया है।कोच ने कहा है कि उसे अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिये और ये नहीं देखना चाहिये कि किससे मुकाबला होना है।भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलने हैं।एकमात्र टेस्ट में जीत से भारतीय टीम के हौंसले पहले ही बुलंद हैं।भारतीय टीम के लिए सीमित ओवरों की सीरीज इसलिए अहम है क्योंकि उसे अगले साल सितंबर अक्टूबर में बांग्लादेश में खेलने जाना है और उसके बाद देश में ही 50 ओवर का विश्व कप खेलना है। इसे देखते हुए मजूमदार ने कहा कि टीम की नजरें बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। मजूमदार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की टीम बहुत अच्छी है।उसने पूर्व में अच्छा प्रदर्शन किया है पर हमारा अपनी टीम के लिए स्पष्ट संदेश है, हमें केवल अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना है।हमें प्रत्येक अवसर और प्रत्येक दिन अपने खेल में सुधार करना है।अगर हम ऐसा कर सकते हैं तो मुझे बहुत खुशी होगी। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया ने लंबे समय तक निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए उसने कई टी20 या एकदिवसीय विश्व कप जीते हैं लेकिन हमें अपने मजबूत पक्षों पर गौर करने की जरूरत है।हमें इस पर विचार करने की जरूरत है कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ हम कैसे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।मजूमदार ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ इस मामले को लेकर उनकी कई बार बातचीत हुई कि इस टीम को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

कमिंस की शानदार गेंदबाजी से पाक 264 रनों पर सिमटा

मेलबर्न (एजेंसी)। यहां ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान की टीम अपनी पहली पारी में 264 रनों पर आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 318 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबान कंगारुओं को पहली पारी के आधार पर 54 रनों की बढ़त मिल गयी। कप्तान पैट कमिंस के पांच विकेट की सहायता से मेजबान टीम ने पाक बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया और मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय मोहम्मद रिजवान 29 और आमिर जमाल दो रन बनाकर खेल रहे थे और पाक ने छह विकेट पर 194 रन बनाये थे। पाक टीम ने शुरुआती पांच विकेट केवल 70 रनों पर ही खो दिये थे। वहीं इससे पहले मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 187 रन से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी में 318 रन बनाये। बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाये जबकि मिचेल मार्श ने 41 रनों की पारी खेली।।

इसके बाद खेलने उतरी पाक टीम ने एक विकेट पर 124 पर बना लिए थे पर इसके बाद पाक टीम ने 70 रनों के अंदर ही पांच विकेट खो दिये। पाक की ओर से सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक 10 रन बनाकर आउट हुए। वह नाथन लियोन का शिकार बने। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े। शफीक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने पचास रन पूरे किये। शफीक ने 109 गेंद में पांच चौके लगाकर 62 रन बनाये। बाबर आजम केवल एक रन पर ही आउट हो गये। कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारी खेली। वह 76 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं सऊद शकील नौ रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

एसीबी के फैसले से निराश नवीन बोले, सच देर से सामने आता है

काबुल ।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के विदेशी टी20 लीग के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं करने के फैसले पर नाराजगी जताते हुए नवीन–उल–हक ने कहा है कि सच देर से सामने आता है जबकि झूठ बेहद तेजी से फैलता है।सहित सहित प्रतिबंधित किये गये तीनों ही खिलाड़ियों ने प्रतिबंधित किये जाने के फैसले पर निराशा जतायी है।इससे पहले एसीबी ने एक बयान जारी कर घोषणा की कि इन तोनों को ही केद्रीय अनुबंध देर से मिलेगा। इसके साथ ही इन तीनों ही खिलाड़ियों नवीन–उल–हक, फजलहक फारूकी और मुजीब उर रहमान को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं दिया जाएगा। इससे इन खिलाड़ियों का विदेशी लीग में खेलना भी अब मुश्किल हो गया है।ये तीनों क्रिकेटर दुनिया भर में कई फ्रेंचाइजी–आधारित टी20 लीगों में खेलते हैं और इन लोगों ने अगले साल शुरू होने वाले वार्षिक केंद्रीय अनुबंध से मुक्त किये जाने की अपील की थी।एसीबी ने कहा कि उसने तीनों के खिलाफ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एसीबी ने कहा था, इन खिलाड़ियों के लिए केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर न करने का आग्रह वाणिज्यिक लीगों में उनकी भागीदारी थी। इसका कारण है कि ये अफगानिस्तान के लिए खेलने की जगह पर अपने व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दे रहे थे।इसके साथ ही एसीबी ने इस मुद्दे की जांच करने और के लिए एक समिति भी बनाई।समिति ने अन्य बातों के अलावा एक वर्ष के लिए नवीन, फारूकी और मुजीब को अनुबंध जारी नहीं करने और उनके सभी सक्रिय एनओसी को रद्द करने की बात कही है। निर्णय लिया।अफगानिस्तान की टीम अब एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों के लिए संयुक्त अरब अमीरात का दौरा कर रही है पर इन तीनों को ही टीम में शामिल नहीं किया गया है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटरों के बचाव में उतरे आकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा तीन क्रिकेटरों नवीन-उल हक, मुजीब उर रहमान और फजलहक फारूकी को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं देने के अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के फैसले से सहमत नहीं हैं। आकाश ने इसे गलत बताया है। ये तीनों पर आरोप है कि इन्होंने राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने की जगह पर टी20 लीग को प्राथमिकता दी।

वहीं एसीबी ने कहा कि अनुशासनात्मक कदम के तौर पर नवीन, मुजीब और फारूकी को वार्षिक केंद्रीय अनुबंधों से मुक्त करने के अनुरोध को देखते हुए अगले दो वर्षों तक के लिए एनओसी नहीं दी जाएगी। एसीबी ने कहा कि तीनों ने अफगानिस्तान के लिए खेलने की जगह पर अपने व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दी जिसे एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी माना जाता है। इसी कारण इन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाना पड़ा है।

वहीं चोपड़ा ने साथ ही कहा, आप उन्हें अनुबंध नहीं दे रहे हैं। आप उन्हें अवसर भी नहीं दे रहे हैं। ये खिलाड़ी इसलिए बेहतर नहीं बन रहे हैं क्योंकि एसीबी अच्छा काम कर रहा है, बल्कि इसलिए क्योंकि ये फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वे अलग-अलग देशों में जाकर क्रिकेट खेलते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें दो साल तक एनओसी न देना नुकसानदेह रहेगा। इन खिलाड़ियों ने पहले ही कहा था कि वे अफगानिस्तान के बाहर अपना जीवन यापन करते हैं। उनसे कहा जा रहा है कि देश के हितों को प्राथमिकता दें। लेकिन अगर उनके हितों की रक्षा नहीं की जाती है, अगर उन्हें आजीविका कमाने की अनुमति नहीं दी जाती है, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

एसीबी के इस फैसले से ये क्रिकेटर आईपीएल 2024 में भी नहीं खेल पायेंगे। लखनऊ सुपर जाइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने क्रमशः नवीन और फारूकी को बरकरार रखा जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने 19 दिसंबर को दुबई में आईपीएल प्लेयर नीलामी में मुजीब को बोर्ड में शामिल किया। चोपड़ा ने अंत में कहा, कहा जा रहा है कि इस फैसले से तीन आईपीएल फ्रेंचाइजियों लखनऊ, हैदराबाद और कोलकाता की मुश्किलें भी बढ़ जाएंगी क्योंकि उन्हें अंतिम समय पर वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल करने पड़ेंगे।

ठाणे में एक यहूदी पूजा स्थल में बम रखने की सूचना से मचा हड़कंप

ठाणे। मुंबई से सटे ठाणे में सिविल अस्पताल के सामने सिनगॉग चौक में एक यहूदी पूजा स्थल में बम रखे होने का ईमेल पूजा स्थल के प्रबंधन को मिलने के बाद वहां हड़कंप मच गया। आनन-फानन में वहां पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। एहतियात के तौर पर ठाणे पुलिस ने इस जगह की ओर जाने वाली सभी सड़कों को यातायात के लिए बंद कर दिया और सभी इलाकों में तलाशी शुरू कर दी. लेकिन गनीमत ये रही कि पुलिस को कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिला. जानकारी के अनुसार ठाणे पुलिस को गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे बजे सूचना मिली. जिसके बाद वहां गहनता से निरीक्षण किया गया. पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े ने कहा कि पूजा स्थल में कोई बम नहीं मिला। यहूदी समुदाय का यह पूजा स्थल है। इस बीच, यह जांच चल रही है कि उक्त मेल कहां से आया। ठाणे पुलिस के उपायुक्त गणेश गावड़े ने कहा कि साइबर सेल इस संबंध में आगे की जांच कर रही है. इस दौरान मौके पर परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त गणेश गावड़े, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया ढाकने, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र क्षीरसागर और रबोडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किशोर खरात मौके पर मौजूद थे.

ईडी की चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा के साथ प्रियंका गांधी का भी हुआ जिक्र

नई दिल्ली। पहली बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम का जिक्र हुआ है। जानकार बता रहे हैं कि अब रॉबर्ट वाड्रा के साथ-साथ प्रियंका गांधी की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सीसी थंपी और सुमित चड्ढा के खिलाफ दर्ज चार्जशीट में प्रियंका के नाम का जिक्र है। जांच में सामने आया है कि रॉबर्ट वाड्रा और थंपी के अलावा प्रियंका गांधी ने भी फरीदाबाद में जमीन खरीदी थी। इससे पहले प्रियंका गांधी विवादों से दूर थीं। संजय भंडारी के करीबी थंपी-वाड्रा फाइनेंशियल तफ्तीश के दौरान हुआ खुलासा। बताया जा रहा है कि प्रियंका और रॉबर्ट वाड्रा का नाम हालांकि बतौर आरोपी नहीं है। साल 2005-2006 के बीच फरीदाबाद के अमीपुर गांव में एच एल पाहवा (थंपी के करीबी) प्रोपर्टी डीलर के जरिये रॉबर्ट वाड्रा ने करीब 40 .8 एकड़ जमीन खरीदी थी, जिसे दिसंबर साल 2010 में पाहवा को ही वापस बेच दिया था। इसी तरह प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम पर भी इसी अमीपुर गांव में साल अप्रैल 2006 में खरीदी गई जिसे फरवरी 2010 में पाहवा को ही वापस बेच दिया गया। सूत्रों की मानें तो पाहवा थंपी का बेहद करीबी है, इसी अमीपुर गांव में थंपी को भी जमीन पाहवा ने ही खरीदवाई थी। थंपी-वाड्रा के बीच के फाइनांशियल कनेक्शन की जाँच के दौरान प्रियंका गांधी का नामसामने आया था।

नितीश का फोटो लगाकर जेडीयू ने जारी किया नया पोस्टर

नई दिल्ली। जेडीयू ने दिल्ली में बैठक के दौरान नितीश कुमार का फोटो लगाकर नया पोस्टर जारी किया है। इधर जेडीयू की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के लिए सीएम नीतीश कुमार पटना से दिल्ली रवाना हो गए। इससे पहले उन्होंने जदयू की इस बैठक को सामान्य बैठक बताया। वहीं बैठक से पहले ललन सिंह के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की खबर की चर्चा अब तक जारी है। बैठक से पहले दिल्ली के जेडीयू कार्यालय पर नीतीश के नए लुक वाले पोस्टर लगे नजर आए हैं। इन पोस्टर्स में सिर्फ नीतीश कुमार हैं और स्लोगन में लिखा है प्रदेश ने पहचाना अब देश भी पहचानेगा। इस पोस्टर में सिर्फ नीतीश कुमार की फोटो लगी है। ललन सिंह समेत किसी भी पार्टी नेता का फोटो पोस्टर में नहीं है। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर इस बात की चर्चा तेज हो गई थी। बैठक में कोई बड़ा फैसला लिया जाएगा। इस बात की चर्चा चल रही है कि ललन सिंह को अध्यक्ष पद से इस्तीफा लिया जा सकता है। उनकी राजद सुप्रीमो लालू यादव नजदीकियां बढ़ रही है। जिससे नीतीश कुमार नाराज चल रहे हैं। इन सभी अफवाहों को नीतीश सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने सिरे से खारिज किया। ललन सिंह ने भी खुद इन चर्चाओं को बेबुनियाद बताया है। अब तेजस्वी यादव ने भी इन सभी अफवाहों को बेकार की बातें बताया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हर पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर बैठक होती है। कार्यकारिणी होती है। हम लोगों की पार्टी आरजेडी का भी दिल्ली में खुला अधिवेशन हुआ था। वैसे ही जेडीयू की बैठक हो रही है। ऐसे में लोगों को तूल देना है तो दें, ये सब फालतू की बातें है। और महागठबंधन सरकार की कामयाबी को ढंकने के लिए ऐसी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। दो दिन की खुशी न्यूज चलाने का क्या मतलब है। सीएम नीतीश कुमार ने दिल्ली रवाना होने से पहले जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सामान्य मीटिंग बताया और कहा कि ये हर साल एक बार पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर बैठक होती है।

नाकाम हुआ बड़ा नक्सली हमला, सुरक्षाबलों ने बरामद किया विस्फोटक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने बड़े नक्सली हमले को नाकाम कर दिया है। सरक्षाबलों ने सड़क पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए दो आईईडी विस्फोटक को बरामद किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने इस साल अब तक राज्य में नक्सलियों द्वारा लगाए गए कम से कम 180 आईईडी को बरामद कर चुके हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा ?कि जब जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और जिला पुलिस के बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) की एक संयुक्त टीम गश्त के लिए निकली थी उसी दौरान पालनार-चेरपाल गांव की सड़क पर सोमवार को 5 किलोग्राम वजन वाले दो आईईडी का पता चला। उन्होंने बताया कि विस्फोटक प्रेशर स्विच से जुड़े हुए थे। बमों को बाद में बीडीएस द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। उन्होंने बताया कि सात जिलों वाले बस्तर संभाग में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान नक्सली अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए विस्फोटक लगाते हैं। बीजापुर में एक अन्य घटना में सोमवार रात पालनार-सावनार गांवों के पास एक जंगल में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने बताया कि हालांकि मुठभेड़ में किसी भी पक्ष को कोई नुकसान नहीं हुआ। गौरतलब है कि अभी हाल ही में सुकमा जिले में सीआरपीएफ 165वीं बटालियन की कंपनी ऑपरेशन पर निकली थी, इसी दौरान उनकी नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई थी, जिसमें सीआरपीएफ सब-इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी शहीद हो गए थे। उनके साथ ही सीआरपीएफ कांस्टेबल रामू को गोली लगी थी, जिसमें वह घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, रविवार की सुबह 7 बजे जगरगुंडा थाना क्षेत्र के बेदरे कैंप से सीआरपीएफ 165वीं बटालियन की कंपनी उर्सांगल की ओर ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई है जिसमें एक जवान शहीद हो गया।

इस साल भी गणतंत्र दिवस की परेड में नहीं दिखेगी दिल्ली की झांकी

-स्क्रीनिंग कमेटी को नहीं भाया दिल्ली का विकास मॉडल, कर दिया रिजेक्ट

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर इस बार भी दिल्ली के विकास मॉडल की झांकी कर्तव्य पथ पर नहीं दिखेगी। रक्षा मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी ने इस साल भी दिल्ली के विकास-मॉडल को नापसंद कर दिया है। यही वजह है कि गणतंत्र दिवस परेड-2024 के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से झांकी के लिए भेजे गए प्रस्ताव को स्क्रीनिंग कमेटी ने रिजेक्ट कर दिया है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी इसकी पुष्टि की है। यह लगातार तीसरा गणतंत्र दिवस होगा, जब दिल्ली की झांकी देश के मुख्य समारोह का हिस्सा नहीं होगी। आखिरी बार 2021 में दिल्ली की झांकी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई थी। उस साल चांदनी चौक (शाहजहांनाबाद) में किए गए री-डिवेलपमेंट थीम पर आधारित झांकी निकाली गई थी। दिल्ली सरकार के सूत्रों के मुताबिक, इस साल 'विकसित भारत' की थीम के तहत दिल्ली सरकार की ओर से जिस झांकी का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया था, उसमें दिल्ली के विकास की नई तस्वीर पेश करने का विचार प्रस्तुत किया गया था। बताया गया ?कि झांकी में दिल्ली के नए सरकारी स्कूलों, अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों के मॉडल को दर्शाया जाने वाला था, जिन्होंने दिल्ली को एक नई पहचान दिलाई है, लेकिन केंद्र सरकार की स्क्रीनिंग कमिटी को यह थीम जंची नहीं और इसीलिए उन्होंने दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया। दिल्ली के साथ ही पंजाब की भी झांकी को रिजेक्ट कर दिया गया है। जिसके बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब और दिल्ली की झांकी रिजेक्ट किए जाने के बाद केंद्र सरकार पर विपक्षी पार्टियों की सरकारों के साथ इस मामले में भेदभाव करने का आरोप भी लगाया है। मान ने कहा कि इस साल भी झांकी के लिए चुने गए राज्यों में से 90 प्रतिशत से अधिक भाजपा के शासन वाले राज्य हैं।

कोहरे से जनजीवन प्रभावित, पश्चिमी विक्षोभ से कोहरे और बारिश की संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी

-वाहन चालकों को फॉग लाइट जलाने और यात्रियों को एयरलाइन, रेलवे और यातायात का शेड्यूल देखने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ से दक्षिण पश्चिम राजस्थान और उत्तरी मध्यप्रदेश में छाये कोहरे से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कोहरे से सड़क, रेल यातायात सहित विमान सेवाएं भी बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। ऐसे में विजिबिलिटी 0 से 25 मीटर तक रह गई है। बुधवार को उत्तर भारत में कोहरे के कहर की वजह से विभिन्न हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई। कोहरे की वजह से रेल और हवाई सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित रहीं। खराब दृश्यता के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुईं। स्थिति यह हुई की दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक विजिबिलिटी घटकर 0 और 12.30 बजे तक 200 मीटर तक रह गई। अमृतसर, आगरा और इलाहाबाद एयरपोर्ट पर भी विजिबिलिटी घटकर 0 रह गई थी। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस के साथ मौसम का सबसे ठंडा दिन रहा। यह सामान्य से एक डिग्री अधिक है। अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री और अधिकतम तापमान 21 से 22 डिग्री तक रह सकता है। राजधानी के मुंगेशपुर में अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री और जाफरपुर में 12.8 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को सुबह साढ़े पांच बजे पंजाब के पटियाला में विजिबिलिटी 25 मीटर तक है। वहीं, हरियाणा के अंबाला, चंडीगढ़ और दिल्ली के पालम में भी विजिबिलिटी 25 मीटर तक दर्ज की गई। हालांकि, राजधानी के सफदरजंग के साथ ही उत्तर पश्चिमी राजस्थान में गंगानगर और चूरू विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। यूपी के लखनऊ, बरेली, वाराणसी में विजिबिलिटी 25 मीटर, झांसी और बहराइच में 50 मीटर दर्ज की गई। उत्तर मध्य प्रदेश के ग्वालियर में विजिबिलिटी 25 मीटर तो सतना में 50 मीटर दर्ज की गई। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में हवा चलने की वजह से बुधवार के मुकाबले धुंध कम है। कोहरे को लेकर मौसम विभाग ने वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। इसके अलावा वाहन चालकों को फॉग लाइट जलाकर चलने के साथ ही यात्रा पर निकलने वाले लोगों को एयरलाइन, रेलवे और ट्रांसपोर्ट विभाग का शेड्यूल चेक करने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार 31 दिसंबर तक दिल्ली के अलावा हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में कोहरा छा सकता है। 30 दिसंबर को नॉर्थ वेस्ट इंडिया पर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर दिखेगा। इसकी वजह से निचली सतह पर पूर्वी हवाएं चलना शुरू होंगी। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में 30 दिसंबर से एक जनवरी 2024 तक बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगले दो दिनों तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद भी राहत की संभावना नहीं है। 30 और 31 दिसंबर को कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। धुंध की मोटी सफेद चादर दिखने का कारण हवाओं की गति कम रहना बताया गया है। हवा में नमी का स्तर अधिक है नमी और हवाओं की कमजोर गति के बीच प्रदूषण भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। इससे कमजोर हवाएं नमी और प्रदूषण को नहीं बहा पा रही हैं।

डीएमडीके के संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन

चेन्नई। देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। डीएमडीके (देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम) संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन हो गया है। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजयकांत को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डीएमडीके ने एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी इससे पहले, नवंबर में तबीयत बिगड़ने पर विजयकांत को चेन्नई के एमआईओटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खांसी और गले में दर्द के कारण वह 14 दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रहे। बता दें कि देशभर में कोरोना के एक्टिव केस भी अब बढ़कर 4 हजार से ज्यादा हो गए हैं। बीते दिन कोरोना के 529 मामले सामने आए, जिससे सक्रिय मामले अब 4093 हो गए हैं। गोवा में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 के केस सबसे ज्यादा पाए गए हैं, वहीं दिल्ली में भी इस वेरिएंट ने दस्तक दे दी है।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर खरगे ने कहा: पार्टी का उद्देश्य जनकल्याण, जनता की प्रगति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में काम किया है जो संसदीय लोकतंत्र और समानता पर आधारित हो। कांग्रेस का आज 139वां स्थापना दिवस है और इसी के साथ पार्टी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का प्रारंभ नागपुर में विशाल रैली के साथ कर रही है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' इंडियन नेशनल कांग्रेस का उद्देश्य जन कल्याण और भारत के लोगों की प्रगति है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विश्वास ऐसे भारत में है जो संसदीय लोकतंत्र पर आधारित हो, जहां समानता हो और भेदभाव के बिना सभी के लिए अवसर हों और जहां संविधान में दर्ज राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों का पालन हो।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' हमें गर्व है कि पिछले 138 वर्ष से हम इस प्रकार के भारत के निर्माण के लिए पूरी ईमानदारी से संघर्ष करते आ रहे हैं। कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक भारतीय को दिल से शुभकामनाएं।'' कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर खरगे ने यहां पार्टी मुख्यालय में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा समेत वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि कांग्रेस जैसे संगठन का हिस्सा होने पर वह गौरवान्वित हैं जिसका आधार सत्य और अहिंसा है और प्रेम, बंधुत्व, सम्मान तथा समानता जिसके स्तंभ हैं और देशभक्ति जिसकी छत है। कांग्रेस अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का प्रारंभ महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 'हैं तैयार हम' रैली के साथ करेगी। पार्टी के नेताओं के अनुसार पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी रैली को संबोधित करेंगे।

लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करेगी टीएमसी : ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपाविपक्षी दलों के नेताओं पर चोर का ठप्पा लगा रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी व्यवस्था बन गयी है जहां लोकतंत्र का संचालन केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। ममता ने कहा, '' माकपा, भाजपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन बनाया है और सक्रिय रूप से हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) राष्ट्रव्यापी स्तर पर भाजपा का मुकाबला करेगा जबकिपश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी।' मुख्यमंत्री ने उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश मूल के लोगों की बड़ी आबादी तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए नागरिकता के मुद्दे में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है।

संजय राउत ने राम मंदिर उद्घाटन को बताया बीजेपी का कार्यक्रम

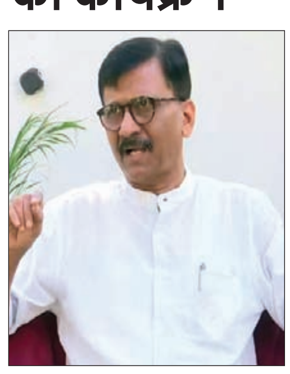

अयोध्या (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य अभिषेक समारोह पूरी तरह से राजनीतिक है और यह कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी की रैली है, इसलिए भगवा पार्टी के कार्यक्रम के बाद शिव सेना (यूबीटी) के सदस्य अयोध्या जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये सब राजनीति है, बीजेपी के कार्यक्रम में कौन जाना चाहता है? यह कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं है, ये बीजेपी का कार्यक्रम है, ये बीजेपी की रैली है। उसमें पवित्रता कहां है? बीजेपी का कार्यक्रम खत्म होने के बाद हम (अयोध्या) जाएंगे। इधर अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह पर भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम सभी इस पल का वर्षों से इंतजार कर रहे थे। राम मंदिर का सपना साकार हो रहा है। मेरा अनुरोध है कि अगर आपको आमंत्रित किया जाए तो आप 22 जनवरी को जरूर जाएं। जो लोग बाद में जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें अयोध्या जाने से पहले सब कुछ सोच कर लेना चाहिए ताकि कोई असुविधा न हो।

बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि उन्हें अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह समझना मुश्किल है कि क्या पार्टी इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कर रही है। बता दें कि राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।

पीएम के चेहरे को लेकर शरद पवार ने कही बड़ी बात, चौंक गया इंडिया गठबंधन

अमरावती (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकजुट हुए इंडिया गठबंधन में मुख्य रूप से दो मुद्दों को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। पहला मुद्दा सीट शेयरिंग को लेकर है और दूसरा पीएम के चेहरे को लेकर। इस पर सहमति बने इसके पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के एक बयान ने सियासी दलों में हलचल मचा दी है। पवार ने 1977 का उदाहरण देते हुए अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि विपक्ष ने 1977 के आम चुनाव में मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया और सभी लोग चुनावी मैदान में उतर गए थे। राकांपा अध्यक्ष के इस बयान को लेकर अब उसके मायने निकाले जा रहे हैं।

यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने भरोसा जताया कि अगले आम चुनाव के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा, -1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने बिना प्रधानमंत्री पद का चेहरा पेश किए लड़ा था। चुनाव में विपक्ष की जीत के बाद मोरारजी देसाई को इस पद के लिए चुना गया। पवार ने कहा, 'राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में खराब नतीजों के बावजूद हमें विश्वास है कि लोग 'इंडिया गठबंधन को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं। अभी तक सीट-बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन सर्वसम्मति बनाने और मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू हो गई है।'

मोरारजी देसाई पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। वह 1977 से 1979 के बीच प्रधानमंत्री रहे और जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व किया था। नागपुर में गुरुवार को कांग्रेस के स्थापना दिवस पर आयोजित हो रही रैली को लेकर पवार ने उम्मीद जताई कि कार्यक्रम के दौरान जो कुछ भी बोला जाएगा, उसका उद्देश्य विपक्षी गठबंधन के लिए अनुकूल आधार तैयार करना होगा। क्या मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी को विपक्षी गुट में शामिल किया जाएगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) पहले से ही गठबंधन का हिस्सा है और ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा जिससे अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी को नुकसान हो।

जब उनसे प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के बारे में पूछा गया, तो पवार ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन की पिछली बैठक के दौरान, उन्होंने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से आंबेडकर से बात करने और उनकी पार्टी से गठबंधन करने की कोशिश करने के लिए कहा था। राकांपा प्रमुख ने कहा, इसके बाद क्या हुआ, यह मुझे नहीं पता।' पवार ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमें यकीन है कि लोकसभा चुनाव के बाद सरकार बदलेगी और फिर हम देखेंगे कि इस दुरुपयोग को कैसे रोका जा सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद से निलंबित सांसद सवाल पूछ रहे थे कि जब लोकसभा की कार्यवाही चल रही थी तो 'घुसपैठिए अंदर कैसे आ गए? पवार ने कहा, 'उनकी मांगें क्या थीं, उन्हें कौन लेकर आया और अगर उनकी मांगें जायज हैं तो उन पर गौर किया जाना चाहिए।'

चार महीने में 41 देशों में फैला कोरोना का वायरस जेएन.1, भारत में भी खतरे का संकट

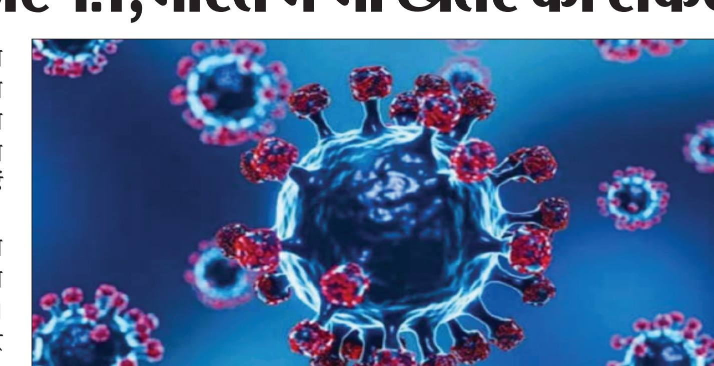

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना का संकट पूरी दुनिया पर मंडरा रहा है। अब तक 41 देशों में संक्रमण फैला चुका है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में मंगलवार को एक दिन में कोरोना के 412 नए मामले सामने आए हैं जिससे कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4170 हो गई है। इन मामलों में से 69 मामले नए जेएन.1 सब-वैरिएंट के हैं। यह ओमिक्रॉन वैरिएंट के सब-वैरिएंट बीए.2.86 से बना है। 2022 की शुरुआत में बीए.2.86 ही दुनियाभर में कोरोना के मामलों में वृद्धि का कारण बना था।

नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कोविड टास्क फोर्स के को-प्रेसिडेंट राजीव जयदेवन के अनुसार, जेएन.1 वेरिएंट तेजी से फैलने और इम्युनिटी से बच निकलने में सक्षम है। बता दें कि जेएन.1 सब-वैरिएंट 17 अगस्त 2023 को यूरोप के लग्जमबर्ग में पहली बार सामने आया था। भारत में जेएन.1 सब-वैरिएंट से संक्रमित होने का पहला मामला 8 दिसंबर को केरल में पाया गया था। जेएन.1 वैरिएंट 41 देशों में फैल चुका है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, जेएन.1 सब-वैरिएंट के सबसे अधिक मामले फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर, कनाडा, ब्रिटेन और स्वीडन में सबसे अधिक हैं।

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने इसे यूएस में सबसे तेजी से बढ़ने वाला वैरिएंट बताया दिया है। यह इम्युनिटी को चकमा देकर संक्रमित कर सकता है।

जिस तरह बीए.2.86 के स्पाइक प्रोटीन में अतिरिक्त म्यूटेशन है, उसी तरह जेएन.1 के स्पाइक प्रोटीन में भी एक अतिरिक्त म्यूटेशन है जो इसे और संक्रामक बनाते हैं।मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट और महामारी विशेषज्ञ डॉ. लैंसलॉट पिंटो ने जेएन.1 की पहचान के लिए और अधिक रिसर्च पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, 'यह नया वैरिएंट ओमिक्रॉन के पूर्ववर्ती सब-वैरिएंट बीए.2.86 से काफी मिलता-जुलता है जो केवल एक स्पाइक प्रोटीन में अलग होता है। यही कारण है कि यह संक्रामक हो सकता है और तेजी से फैल सकता है।को-प्रेसिडेंट राजीव जयदेवन ने कहा था, जेएन.1 इम्युनिटी को चकमा देने वाला और तेजी से फैलने वाला वैरिएंट है जो एक्स बीबी और इस वायरस के दूसरे सभी वैरिएंट्स से अलग है। यह उन लोगों को भी संक्रमित करने में सक्षम है जो पहले संक्रमित हो चुके हैं या जिन्हें पहले भी वैक्सीन लग चुकी है।

जेएन.1 सब-वैरिएंट के बारे में कहा जा रहा है कि यह काफी तेजी से फैलता तो है लेकिन इससे फैलना वाला संक्रमण काफी हल्का है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व साइंटिस्ट और आईसीएमआर की पूर्व डायरेक्टर जनरल डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा था, जेएन.1 कितना गंभीर है, इस बारे में जानकारी के लिए अभी हमारे पास पर्याप्त डेटा नहीं है। हमें चिंता की जरूरत नहीं है लेकिन सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं हम यह भी नहीं कह सकते कि यह निमोनिया या मृत्यु का भी कारण बन सकता है।

सिएटल में फ्रेड हचिंसन कैंसर सेंटर में कोरोना वायरस वैरिएंट की निगरानी करने वाले जीव विज्ञानी जेसी ब्लूम का कहना है, कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि जेएन.1 सब-वैरिएंट के कारण संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने के मरीजों की संख्या कितनी होगी। अभी इस पर और रिसर्च की जरूरत है।महाराष्ट्र के जीनोम सेक्वेंसिंग कॉर्डिनेटर डॉ. कार्यकर्ते का कहना है, इस वैरिएंट से जोखिम कम है। जो लोग पहले संक्रमित हो चुके हैं या जिन्होंने वैक्सीन ली हुई है, उन्हें खतरा कम है।जीनोम रिसर्चर विनोद स्कारिया और बानी जॉली ने कहा है, कोविड-19 वायरस लगातार बढ़ रहा है और नई-नई लीनेज बना रहा है। जेएन.1 ओमिक्रॉन का सब-वैरिएंट है जिसके स्पाइक प्रोटीन में एक अतिरिक्त म्यूटेशन है। मजबूत इम्युनिटी से बचने का मतलब यह होगा कि जेएन.1 अन्य वैरिएंट से कॉम्पिटिशन कर सकता है। लेकिन अभी तक मौजूद जानकारी के मुताबिक, इस वैरिएंट से घबराने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है।

विश्वप्रसिद्ध पर्यटकस्थल एफिल टावर हुआ बंद

– गुस्ताव एफिल की 100वीं पुण्यतिथि पर कर्मचारियों की हड़ताल

पेरिस । फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित दुनिया के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक एफिल टॉवर को बुधवार को बंद कर दिया गया। एफिल टॉवर का संचालन करने वाली संस्थान एसईटीई ने बताया कि कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद इसे बंद कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, हार्ड–लेफ्ट सीजीटी यूनियन ने एक बयान में कहा कि टावर बनाने वाले इंजीनियर गुस्ताव एफिल की मृत्यु की 100वीं वर्षगांठ पर यह हड़ताल की गई। यूनियन ने कहा कि हमारी कुछ मांगे हैं, जिसको लेकर यह हड़ताल हुई है। हालांकि मांगों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि इसके डिजाइनर गुस्?तावे की वर्ष 1923 में 28 दिसंबर अर्थात आज ही के दिन मृत्यु हो गई थी। ऐसे में गुस्?तावे की मौत को 100 साल पूरे हो गए। एफिल टावर के प्रवक्ता के अनुसार, पर्यटक अभी भी टावर के नीचे कांच से घिरे एस्प्लेनेड तक पहुंच सकते हैं, लेकिन 300 मीटर (984 फुट) के ऐतिहासिक स्थल तक पहुंच अगली सूचना तक बंद है। प्रवक्ता ने कहा कि हड़ताल की घोषणा पेरिस शहर के साथ अनुबंध वार्ता से पहले की गई थी। यूनियन प्रतिनिधियों ने अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि यह हड़ताल कितने समय तक चलेगी। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली जगहों में से एक, एफिल टॉवर आम तौर पर साल में 365 दिन खुला रहता है। हालांकि इसमें कभी–कभार हड़तालें देखी जाती हैं। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में एफिल टॉवर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसे खाली कराया गया था। हालांकि यह बम की धमकी सिर्फ अफवाह निकली। बता दें कि इस ऐतिहासिक टॉवर पर निर्माण कार्य जनवरी 1887 में शुरू हुआ था और 31 मार्च, 1889 को समाप्त हुआ था।

पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान हैं बेशुमार दौलत के मालिक

इस्लामावाद । पाकिस्तान में आगामी 8 फरवरी 2024 को आम चुनाव होने वाले हैं। 15 दिसंबर को पाकिस्तानी चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की है। वहां के चर्चित नेताओं में शुमार इमरान बेशुमार दौलत के मालिक हैं। ये पाक के 22वें प्रधानमंत्री रह चुके हैं। सेलिब्रिटी के नेट वर्थ की जानकारी देने वाली वेबसाइट सीए नॉलेज के मुताबिक इनके पास 410 करोड़ रुपये इंडियन करेंसी की दौलत है। उनके पास इस्लामाबाद के बानी गाला में 37.5 एकड़ में फैली है। 6 हजार 2 सौ 38 करोड़ रुपए की हवेली है। उनके पास लाहौर के पार्क में 241 करोड़ रुपए का एक घर भी है। इसके अलावा कई फार्म हाउस और एग्रीकल्चर लैंड में भी इमरान ने निवेश किया है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि इमरान खान अरबों–खरबों की सम्पत्ति के मालिक हैं। इमरान खान के नाम पर भले ही कोई कार रजिस्टर्ड न हो लेकिन वे अक्सर 3.5 करोड़ रुपये की टोयोटा लैंड क्रूजर और 12.26 करोड़ रुपये की मर्सिडीज मेबैक एस 600 में घूमते हैं। ये कार किनके नाम पर है इसकी जानकारी नहीं है। इमरान खान तोशखाना मामले में जेल में बंद हैं।

टेस्ला फैक्ट्री में रोबोट ने किया इंजीनियर पर हमला

वाशिंगटन । टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क किसी न किसी वजह से मीडिया की सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में एलन और उनकी कंपनी टेस्ला फिर चर्चा में आ गई है। बताया जा रहा है कि टेक्सास में स्थित टेस्ला की फैक्ट्री में कुछ तकनीकी गड़बड़ी होने के बाद रोबोट ने एक इंजीनियर पर हमला कर दिया। रोबोट के इस अटैक से उसके पंजे इंजीनियर की पीठ और बांह में घुस गए, इससे पूरे फर्श पर खून ही खून हो गया और इंजीनियर को काफी चोटें आईं। इस रोबोट को एल्युमीनियम कार के हिस्से पकड़ने के लिए बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जिस वक्त रोबोट ने ये हमला किया उस वक्त वहां दो दूसरे रोबोट के लिए सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग कर रहा था। इस मामले की जानकारी उस वक्त सामने आई थी जब ट्रैविस काउंटी और संघीय रेगुलेटरों को 2021 में रिपोर्ट दी गई थी। इस घटना की टेस्ला की ओर से कोई सूचना संबंधित नियामकों को नहीं दी गई थी। टेस्ला में काम करने वाले कर्मचारियों ने कंपनी पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। बीते साल वर्कर्स डिफेंस प्रोजेक्ट ने टेक्सास के कर्मचारियों की तरफ से यूएस ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन में भी कम्पलेंट की थी। इसमें कर्मचारियों को झूठे सेफ्टी सर्टिफिकेट देने की बात कही गई थी। रोबोट द्वारा इंसान पर हमले का मामला मीडिया में आने के बाद एलन मस्क ने एक ट्विट के जवाब में अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्स पर पोस्ट करते हुए मस्क ने कहा इंडस्ट्री में उपयोग में आने वाले कूका रोबोट आर्म (सभी फैक्ट्रीज में मिलने वाली) से दो साल पहले हुई इस घटना को मीडिया द्वारा उछाला जाना बेहद शर्मनाक है।

टेक्सास में भीषण सड़क हादसाड्ड दो बच्चों सहित भारतीय मूल के 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के टेक्सास में भीषण सड़क हादसे में दो बच्चों सहित भारतीय मूल के एक परिवार के करीब छह लोगों की मौत हो गई। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी (डीपीएस) ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार शाम को उस वक्त हुई जब जॉनसन काउंटी के पास एक वैन और एक ट्रक आमने–सामने से टकरा गए। अधिकारी ने बताया कि वैन में आंध्र प्रदेश के अमलापुरम शहर के एक ही परिवार के सात लोग सवार थे और उसमें केवल लोकेश पोटाबाथुला (43) नामक व्यक्ति की जान बची। वह गंभीर रूप से घायल है। डीपीएस ने वैन चालक की पहचान इरविंग के रुशिल बैरी (28) के रूप में की। उन्होंने अन्य मृतकों की पहचान लोकेश की पत्नी नवीना पोटाबाथुला (36) उनके बच्चे कार्तिक पोटाबाथुला (10) और निशिधा पोटाबाथुला (9) और माता–पिता नागेश्वरराव पोन्नाडा (64), सीतामहालक्ष्मी पोन्नाडा (60) के रूप में की। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि बुजुर्ग व्यक्ति भारत से अपनी बेटी नवीना और नाती–नातिन कार्तिक और निशिधा से मिलने आए थे। भारतीय मिशन के मुताबिक, दंपत्ति एल1 वीजा पर टीसीएस के लिए काम कर रहा था तथा हादसे में मारे गए लोग मुम्मीदीवरम के विधायक पी. वेंकट सतीश कुमार के रिश्तेदार थे। डीपीएस जांचकर्ताओं ने बताया कि ट्रक काउंटी रोड 1119 के पास राजमार्ग 67 पर दक्षिण की ओर जा रहा था, जबकि वैन उसी क्षेत्र में उत्तर की ओर जा रही थी। तभी ट्रक उत्तर की ओर जाने वाली लेन में प्रवेश कर गया और मिनीवैन उससे टकरा गई। डीपीएस ने कहा कि दुर्घटना के वक्त बुजुर्ग दंपति और दोनों बच्चों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी हुई थी। उन्होंने बताया कि ट्रक में सवार 17 वर्षीय दो लड़कों को भी गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें फोर्ट वर्थ के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद राजमार्ग 67 कई घंटों तक बंद रहा, लेकिन बाद में इस यातायात के लिए खोल दिया गया।

यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर की अमरीकी सैन्य सहायता की घोषणा

–वायुरक्षा, तोपखाना, रॉकेट सिस्टम के लिए अतिरिक्त गोला–बारूद की होगी आपूर्ति

वाशिंगटन । डेढ़ साल से अधिक समय से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच एक बार फिर अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता की घोषणा की है। हालांकि साथ में व्हाइट हाउस ने चेतावनी भी दी है कि एडिशनल फंड की मंजूरी के बिना यूक्रेन की लड़ाई के लिए अमेरिकी सहायता वर्ष के अंत तक समाप्त हो जाएगी।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका इस साल रूस के साथ युद्ध में कीव की मदद के लिए सहायता के अंतिम पैकेज में यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर तक के हथियार और उपकरण प्रदान करेगा।

ब्लिंकन ने कहा कि नए सहायता पैकेज में वायु रक्षा युद्ध सामग्री, उच्च गतिशीलता तोपखाने रॉकेट सिस्टम के लिए अतिरिक्त गोला–बारूद, तोपखाने गोला–बारूद, एंटी–आर्मर गोला–बारूद और 15 मिलियन से अधिक राउंड गोला–बारूद शामिल विभाग के नियंत्रक माइक मैककॉर्ड ने कांग्रेस को लिखे एक पत्र में कहा, एक बार जब ये धनराशि बाध्य हो जाती है, तो विभाग यूक्रेन को सुरक्षा सहायता के लिए हमारे पास उपलब्ध धनराशि समाप्त कर देगा। यह पैकेज कांग्रेस से अतिरिक्त फंडिंग के बिना यूक्रेन को हथियार उपलब्ध कराने की अमेरिका की क्षमता की सीमा को दर्शाता है।

कांगो में विरोध प्रदर्शन के बीच ही सड़क पर विरोधियों ने टायर जला कर फेंक दिये। इस दौरान हालात पर नियंत्रण का प्रयास करती हुई पुलिस।

भारत की मांग से फंसा पाकिस्तान, प्रत्यर्पण की बात पर साध ली चुप्पी

–क्या हिंदुस्तान लाया जाएगा हाफिज सईद!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान से 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को भारत में प्रत्यर्पित करने और राष्ट्रीय जांच एजेंसियों (एनआईए) द्वारा लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक के खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों में मुकदमे का सामना करने का अनुरोध किया है। यह एक लेटर ऑफ रोगेटरी है जिसका पाकिस्तानी एजेंसियों ने जवाब नहीं दिया है। सूत्रों ने आगे कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की किसी भी संभावना से पहले, इस्लामाबाद को नई दिल्ली के हाफिज सईद के प्रत्यर्पण अनुरोध का पालन करना होगा।

भारत ने 26/11 मुंबई हमलों के मुकदमे का सामना करने के लिए हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की बार-बार मांग की है, लेकिन इस प्रक्रिया में जटिलता रही है क्योंकि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है। पाकिस्तान की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने कहा कि भारत ने लगातार पाकिस्तान से पाकिस्तान में आरोपियों के खिलाफ मुकदमे के शीघ्र और सफल समापन के लिए कहा है। यह बता दिया गया है कि मुंबई आतंकी हमले की साजिश पाकिस्तान में हुई थी और इसलिए, ट्रायल कोर्ट में सभी आवश्यक सबूत पेश करना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हाफिज

सईद के एक नए राजनीतिक मोर्चे ने 8 फरवरी, 2024 को होने वाले देश के आम चुनावों के लिए पाकिस्तान भर में अधिकांश राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी हाफिज सईद कई आतंकी वित्त मामलों में कई वर्षों तक दोषी ठहराए जाने के बाद जुलाई 2019 से जेल में है। उन्हें 11 साल की सज़ा सुनाई गई। दिसंबर 2008 में उसी वर्ष 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के बाद उन्हें 'अल-कायदा और आईएसआईएल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समिति' के तहत सूचीबद्ध किया गया था। सिर्फ भारत में ही नहीं, हाफिज सईद को संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में नामित किया गया है। अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा है।

पुतिन ने दिया मोदी को रूस आने का निमंत्रण, दोस्ताना संबंधों की दी दुहाई

मास्को। भारत में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को रूस आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा कि वह अपने दोस्तों की हर सफलता की कामना करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और मॉस्को के बीच पारंपरिक दोस्ताना संबंध बने रहेंगे, भले ही राजनीतिक गठबंधन कुछ भी हो। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ बैठक के दौरान लोकसभा चुनावों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि उन्होंने यूक्रेन के घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री से बात की है। पुतिन ने कहा कि कई बार, मैंने उन्हें सलाह दी कि वहां क्या चल रहा हैं और मुझे पता है कि पीएम मोदी अपनी पूरी कोशिश करने को तैयार हैं ताकि मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि भारत–रूस मुद्दों पर लगातार चर्चा करते रहेंगे। पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी य?दि रूस आएंगे तो उन्हें बेहद खुशी होगी। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि मॉस्को यह जानकर बहुत खुश है कि दुनिया भर में चल रही तमाम उथल–पुथल के बावजूद, एशिया में उनके सच्चे दोस्त भारत के साथ संबंध लगातार तरक्की की राह पर हैं। पुतिन ने कहा कि उनके दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर रूस के दौरे पर आएंगे तो उनको बहुत खुशी होगी। इस दौरान दोनों नेता सभी प्रासंगिक, वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने और रूसी और भारतीय संबंधों की संभावनाओं पर बात कर सकेंगे।

दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे नवाज शरीफ, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया नामांकन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के चुनाव निकाय ने 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के नामांकन को स्वीकार कर लिया। इसका मतलब यह है कि 73 वर्षीय नवाज शरीफ की उम्मीदवारी पर कोई आपत्ति नहीं की गई है क्योंकि वह अब लाहौर और खैबर पख्तूनख्वा के मनसाहरा शहर दोनों से चुनाव लड़ेंगे। उनके छोटे भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि फरवरी में आम चुनाव के बाद नवाज शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। शहबाज शरीफ ने कहा कि नवाज शरीफ (8 फरवरी, 2024) चुनाव के बाद भगवान की इच्छा से चौथी बार पीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान को फिर से आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है।

नवाज शरीफ को 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जिसने उन्हें अपने बेटे के स्वामित्व वाली कंपनी से आय का खुलासा नहीं करने के लिए बेईमान घोषित कर दिया था। एक अदालत ने नवाज़ शरीफ़ के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार के दो दोषसिद्धि को

पलट दिया, जो लंदन में चार साल के आत्म-निर्वासन से अक्टूबर में स्वदेश वापस आये थे। उनकी सबसे बड़ी चुनौती अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी, पूर्व क्रिकेट हीरो इमरान खान से अपना समर्थन आधार वापस हासिल करना होगा, जो 2022 में प्रीमियर पद से बाहर होने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप के कारण इमरान खान को चुनाव से अयोग्य घोषित कर दिया गया है, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की है। इससे पहले, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने आरोप लगाया था कि नवाज शरीफ 'लंदन योजना' के तहत देश लौटे हैं, जिसके अनुसार सैन्य प्रतिष्ठान उन्हें प्रधानमंत्री बनाएगा।

ईरान के पास है दुनिया का सबसे हाईटेक ड्रोन

तहरान (एजेंसी)। ईरान दुनिया के सबसे उन्नत ड्रोन कार्यक्रमों में से एक का दावा करता है और छोटे और सस्ते लेकिन अत्यधिक प्रभावी यूएवी के उत्पादन में माहिर है। जहां एमक्यू9बी रीपर जैसे पश्चिमी यूएवी की कीमत प्रति ड्रोन 100 मिलियन डॉलर से अधिक है, वहीं शहीद 129 जैसे ईरानी ड्रोन की कीमत केवल 5 से 10 मिलियन डॉलर है। ईरान के पास आत्मघाती ड्रोन के कम से कम 10 अलग-अलग मॉडल हैं। बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह सटीक और रडार से बचने के लिए कम उड़ान भरने वाली, वे मेराज 521 जितनी छोटी हो सकती हैं, जो केवल 3 किलोग्राम विस्फोटक ले जाती है या शहीद 136 की तरह, जो लगभग 45 किलोग्राम विस्फोटक ले जाती है। इनकी रेंज 5 किलोमीटर से लेकर 2,500 किलोमीटर तक है। ईरान के सबसे बड़े आत्मघाती ड्रोन, 260 किलोग्राम विस्फोटकों को 2,000 किमी दूर तक लक्ष्य तक ले जा सकते हैं। फाइटर ड्रोन के एक दर्जन से अधिक मॉडल हैं जो जमीन, समुद्र या हवाई लक्ष्यों पर हमला करने या उनकी टोह लेने में सक्षम हैं।

बड़े फाइटर ड्रोनों में से एक, शहीद 149 दो हजार किमी तक की दूरी पर 500 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। शहीद 123 को सीरिया और इराक में संघर्षों में प्रमुखता मिली, जबकि वह अपनी क्षमता के साथ, यूक्रेन और यमन में इस्तेमाल किया गया है। ये ड्रोन अब दुनिया भर में संघर्षों की प्रमुख विशेषता बन गए हैं। हिजबुल्लाह और हूती जैसे समूहों सहित सहयोगी शक्तियों को ईरान के ड्रोन के निर्यात ने क्षेत्रीय शक्ति गतिशीलता को फिर से परिभाषित किया है। सीरिया, इराक, अफगानिस्तान और उससे आगे के संघर्षों में सक्रिय भागीदारी ईरानी ड्रोन की वैश्विक पहुंच को दर्शाती है। जब अमेरिकी नौसेना ने 1991 में ऑपरेशन गल्फ स्टॉर्म में इराकी सैन्य लक्ष्यों के खिलाफ 288 टॉमहॉक भूमि-हमला मिसाइलों का इस्तेमाल किया, तो उन्होंने क्रूज मिसाइलों द्वारा सटीक हमलों की प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया। तीन दशक बाद, ईरानी बहुत सस्ते यूएवी के साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

अरब सागर में व्यापारिक जहाज केम प्लूटो पर हालिया हमले, इज़राइल पर हमास, यूक्रेन पर रूस और अदन की खाड़ी में हूती हमलों के बीच क्या समानता है। इनमें से हर मामले में सस्ते मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) या ड्रोन का उपयोग किया गया था, जो सभी ईरान से आए थे। यह बात बिल्कुल अटपटी लगती है कि ईरान जैसा अलग-थलग और भारी प्रतिबंध वाला देश ड्रोन युद्ध के विकास और तैनाती में अग्रणी बनकर उभर सकता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि ईरान ने रणनीतिक रूप से खुद को एक बड़ी ड्रोन महाशक्ति के रूप में स्थापित कर लिया है और अब वैश्विक संघर्ष की गतिशीलता को नया आकार दे रहा है।

बता दें कि 1980 के दशक में इराक युद्ध के दौरान, ईरान ने नवीन टोही समाधानों की आवश्यकता को पहचाना। 1985 तक, अबाबील-1 और मोहजेर-1 जैसे ईरानी ड्रोन पहले से ही इराकी ठिकानों पर जासूसी कर रहे थे। इसके बाद ऑपरेशन प्रेयरिंग मेंटिस आया, जहां अमेरिकी नौसेना ने ईरान की वायु और नौसेना बलों को भारी नुकसान पहुंचाया। ईरानी रणनीतिकारों को अमेरिकी सेनाओं से सीधे जुड़ने की मानवीय और वित्तीय लागत का एहसास हुआ। ईरान ने अपने स्वदेशी ड्रोन कार्यक्रम में भारी निवेश करना शुरू कर दिया। यहां चीन और रूस जैसे देशों के साथ सहयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति हुई।

भारत और रुस की दोस्ती पक्की: अब हथियार निर्माण में भी होगी साझेदार

मॉस्को (एजेंसी)। मॉस्को पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रूस एक मूल्यवान साझेदार है, समय की कसौटी पर परखा हुआ साझेदार है। इधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस आने का न्योता दिया है। जयशंकर ने रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात की। पुतिन ने जयशंकर से कहा, हमें अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी।

पांच दिवसीय रुस की आधिकारिक यात्रा पर यहां आए जयशंकर ने इससे पहले अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। लावरोव के साथ अपनी बातचीत के बाद संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन अगले साल वार्षिक शिखर सम्मेलन में मिलेंगे। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दी और एक निजी संदेश सौंपा। राष्ट्रपति पुतिन को उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मेरी चर्चाओं से अवगत कराया। दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने पर उनके मार्गदर्शन की

सराहना की। लावरोव के साथ सार्थक बैठक की और इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्थिति और समसामयिक मुद्दों पर बात की। रूस की पांच दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने लावरोव के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र, यूक्रेन संघर्ष, गाजा की स्थिति, अफगानिस्तान और मध्य एशिया, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, जी20 और संयुक्त राष्ट्र पर भी विचार-विमर्श किया।

उन्होंने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग, ऊर्जा व्यापार, कनेक्टिविटी प्रयासों, सैन्य-तकनीकी सहयोग और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 2024-28 की अवधि के लिए परामर्श प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। भारत-रूस संबंध भू-राजनीतिक वास्तविकताओं, रणनीतिक भागीदारी और पारस्परिक लाभ को दर्शाते हैं। रूस, भारत और ईरान ने 2000 में उत्तर-दक्षिण मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के निर्माण पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें भागीदारों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। परियोजना का लक्ष्य भारत, ईरान और फारस की खाड़ी के देशों से रूसी क्षेत्र के माध्यम से पारगमन माल ढुलाई को यूरोप तक लाना है। लावरोव ने कहा, हमने सैन्य और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इनमें आधुनिक हथियारों का साझा उत्पादन शामिल था...। जयशंकर ने कहा, हमने साझा निवेश, द्विपक्षीय निवेश संधि पर आगे बढ़ने की जरूरत पर भी बात की। हमने कल रेलवे, इंडस्ट्रियल जोन इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बात की। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जनवरी के मध्य के बाद शुरू हो जाएगी।

लावरोव ने बुधवार को कहा कि मॉस्को मेक इन इंडिया के तहत आधुनिक हथियारों के उत्पादन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस समझता है और, मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सेना के लिए समान बनाने में नई दिल्ली की पहल में साथ देने के लिए तैयार है।

कतर से आई राहत भरी खबर, भारत को मिली बड़ी कामयाबी, नौसेना के 8 पूर्व अफसरों को नहीं होगी फांसी

भारत सरकार ने कहा कि कतर की एक अदालत ने जासूसी के एक कथित मामले में पिछले महीने आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को दी गई मौत की सजा को कम कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि कतर की अपील अदालत ने दहरा ग्लोबल मामले में मौत की सजा कम कर दी है। हालाँकि, यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि अदालत ने क्या कहा, यह कहते हुए कि मामले में विस्तृत निर्णय की प्रतीक्षा है। यह घटनाक्रम कतर की प्रथम दृष्टया अदालत द्वारा नौसेना के दिग्गजों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार द्वारा दायर अपील को स्वीकार करने के कुछ सप्ताह बाद आया है। विशेष रूप से भारतीय अधिकारी अगले कदम पर निर्णय लेने के लिए कानूनी टीम के साथ–साथ परिवार के सदस्यों के साथ निकट संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हमने दहरा ग्लोबल मामले में कतर की अपील अदालत के आज के फैसले पर गौर किया है, जिसमें सजा कम कर दी गई है। विस्तृत फैसले का इंतजार है। कतर में हमारे राजदूत और अन्य अधिकारी परिवार के सदस्यों के साथ आज अपील अदालत में उपस्थित थे। हम मामले की शुरुआत से ही उनके साथ खड़े हैं, और हम सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। हम आगे भी जारी रखेंगे।

निज्जर की हत्या के आरोपियों की कनाडा ने की पहचान, जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। कनाडा ने आरोप लगया था कि निज्जर की हत्या के मामले में भारत का हाथ है। इस पर भारत ने सबूत मांगते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। अब कनाडा पुलिस दावा कर रही है कि उसने आरोपियों की पहचान कर ली है और बहुत जल्द दो लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि दोनों ने मिलकर ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदिग्ध पुलिस निगरानी में हैं और उम्मीद है कि उन्हें कुछ ही हफ्तों में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय मीडिया के मुताबिक तीन अज्ञात स्रोतों के हवाले से कहा कि निज्जर की हत्या के बाद संदिग्ध हत्यारों ने कभी कनाडा नहीं छोड़ा और महीनों से पुलिस की निगरानी में हैं। सूत्रों ने कहा कि आरोप तय होने पर पुलिस कथित हत्यारों और भारत सरकार की संलिप्तता के बारे में स्पष्टीकरण देगी। कनाडा ने भारत पर निज्जर की हत्या में भूमिका होने का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि निज्जर को भारत ने 2020 में आतंकवादी घोषित किया था। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, कनाडा ने अभी तक अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत या जानकारी साझा नहीं की है। जून में ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा का मानना है कि एक भारतीय अधिकारी के कहने पर एक दूसरे खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की साजिश रचने के लिए एक भारतीय नागरिक को अमेरिका द्वारा दोषी ठहराए जाने से उसका मामला मजबूत हुआ है।

एनिमल की आलोचना पर संदीप रेड्डी ने तोड़ी चुप्पी, बोले फिल्म कोई शैक्षणिक संस्थान नहीं

संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में एनिमल ने कई रिकॉर्ड कायम किए हैं। फिल्म को देखने बड़ी संख्या में दर्शक जुटे हैं, लेकिन दूसरी तरफ फिल्म की आलोचना भी भरपूर हुई है। किसी ने फिल्म में दिखाई गई हिंसा पर सवाल खड़े किए तो किसी को फिल्म महिला विरोधी लगी। फिल्म को मिली आलोचना पर अब संदीप रेड्डी ने चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक संदीप रेड्डी ने फिल्म को मिली आलोचना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक फिल्म कोई शैक्षणिक संस्थान नहीं है और इससे हमेशा दर्शकों के मूल्यों को स्थापित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उन्होंने मुंबई और पूरे देश में बढ़ती संवेदनशीलता और जागरूकता पर चिंता व्यक्त की और कहा, लोग जीवन के अन्य पहलुओं की तुलना में फिल्मों के प्रति कुछ ज्यादा ही संवेदनशील लगते हैं। अपने लिखने के तरीके पर बात करते हुए संदीप रेड्डी ने इसकी तुलना विश्व सिनेमा से की। इस दौरान निर्देशक ने उच्च मानकों तक पहुंचने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भले ही क्रिटिक्स उनके काम की सराहना न करें, लेकिन उनकी फिल्में जनता के लिए बनी हैं। फिल्म समीक्षकों पर चर्चा करते हुए संदीप रेड्डी वंगा ने कहा कि आलोचक एक साधारण, औसत फिल्म को भी प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने फिल्म की सफलता पर नेगेटिव रिव्यूज के प्रभाव के बारे में चिंता जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि क्रिटिक्स की प्राथमिकताएं और अलग-अलग शैलियों की सराहना करने की उनकी क्षमता अलग-अलग होती है। बता दें कि फिल्म एनिमल पहली दिसंबर को रिलीज हुई। इसमें रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल, शक्ति कपूर और तृप्ति डिमरी भी अहम रोल में हैं। फिल्म बाप-बेटे की संवेदनशील कहानी पर आधारित है। एनिमल घेरलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। अब तक इसका कलेक्शन 537.33 करोड़ रुपये हो चुका है।

मनोज को जोरम के रोल के लिए मिली घर से प्रेरणा

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी नवीनतम फिल्म जोरम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है। जोरम इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी ने एक आवाजहीन व्यक्ति की भूमिका निभाई थी। हाल ही में, अभिनेता ने यह खुलासा किया कि वह इस किरदार को इतनी खूबसूरती के साथ कैसे निभा पाए। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने कुछ प्रेरणा अपने परिवार से ली है।

मनोज बाजपेयी ने हाल ही में एक बातचीत में अपने पहले के पारिवारिक जीवन के बारे में बात की। साथ ही उस समय के बारे में भई बताया, जब उनकी मां मरना चाहती थीं। अभिनेता ने अपने किरदार और पर परिवार पर बात करते हुए बताया, मैंने इसे अपने परिवार में देखा है। मेरे पिता के पास आवाज नहीं थी। हम छह बच्चे हैं और अगर आप मेरे किसी भी भाई-बहन से पूछेंगे तो वे भी यही कहेंगे। मेरी मां अल्फा महिला थीं। अपने अंतिम दिनों में भी वह बहुत स्वतंत्र थीं। अभिनेता ने आगे बताया, उन्हें किसी पर निर्भर रहनने से नफरत थी। वह मेरी बहन से उसे जहर देने के लिए कह रही थीं, ताकि वह मर जाएं। क्योंकि उन्हें इस बात से नफरत थी कि वह अपने बच्चों पर निर्भर थीं। तो, मैं उस परिवार से हूं। मैं उस तरह के माहौल में रहा हूं। मनोज बाजपेयी की मां गीता देवी का उम्र संबंधी समस्याओं की वजह से वर्ष 2022 में निधन हो गया था। रणबीर कपूर की एनिमल के लगभग एक हफ्ते बाद मनोज की जोरम रिलीज हुई थी। अभिनेता ने हाल ही एक बातचीत में कहा था कि एनिमल के चलते जोरम के बिजनेस पर बुरा प्रभाव पड़ा। जोरम 8 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा बॉक्स ऑफिस के प्रति जुनून के खिलाफ बोला है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि इसने हमारे देश में फिल्म निर्माण की संस्कृति को बर्बाद कर दिया है। लोगों के चेहरे पर नंबर फेंकना सही बात नहीं है। इससे ज्यादा नुकसान यह हुआ है कि दर्शक भी अब वही भाषा बोलने लगे हैं।

मुस्कान ने धारावाहिक 'अनुपमा' को कहा अलविदा, नहीं निभाना चाहती मां का किरदार

टीवी के बहुचर्चित शो अनुपमा में पाखी का किरदार निभा के घर घर में अपनी पहचान बनाने वाली मुस्कान बामने ने तीन साल बाद शो को अलविदा कह दिया है। अपनी शैतानियों से पूरे घर के नाक में दम करने वाली पाखी ने दर्शकों पर अपने अभिनय से अमिट छाप छोड़ी है। मुस्कान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी। मुस्कान ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, जैसे कि एक बीज जमीन की तह से जुड़कर जल वायु और प्रकाश के संरक्षण में रहकर अंकुरित होता है और धीरे धीरे एक दिन बहुउपयोगी विशाल वृक्ष बन जाता है, ठीक कुछ ऐसे ही मेरी भी स्थिति है। आज मैं जो भी हूं, आप सभी के सहयोग आशीर्वाद और प्यार के बदौलत ही इस अच्छे मुकाम पर हूं। अनुपमा सेट पर प्रथम दिन से लेकर आज तक आप सभी अग्रज स्टार कलाकारों के साथ स्वर्णिम यादें जुड़ी हुई है, हर पल हर समय बहुत कुछ आप सभी से सीखने को मिला है। मुस्कान से शो छोड़ने का कारण पूछे जाने पर उन्होंने बताया, शो में मेकर्स एक ट्रैक दिखाना चाहते हैं, जिसमें मुझे एक मां का किरदार निभाना है। वे मेरा बच्चा दिखाना चाहते हैं जो आईवीएफ से पैदा होगा। लेकिन एक मां का किरदार निभाने के लिए मैं बहुत छोटी हूं। मैंने इसीलिए शो छोड़ने का फैसला किया। मैं और एक्सप्लोर करना चाहती हूं। मैने देखा है कि जब कोई कलाकार ऐसी भूमिकाएं निभाता है तो भविष्य में ऐसे ही छोटे किरदार मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती है। मैं वो रिस्क नही लेना चाहती। मुस्कान बामने तीन साल तक शो से जुड़े रहने के बाद शो को छोड़ रही हैं। हालांकि वह अपने आने वाले कल के लिए आशावान है। उन्होंने कहा, मैं तीन साल तक अनुपमा का हिस्सा रही और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं इस अवसर का। इस शो के बदौलत ही मैंने घर घर अपनी पहचान बनाई। यहां मैने बहुत सीखा है और एक बेहतर अभिनेता के तौर पर उभरी हूं। मैं उम्मीद करती हूं की आगे भी मैं अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूं। मुस्कान अब धारावाहिकों में मुख्य भूमिकाएं निभाना चाहती हैं। वह कहती हैं, मैं मुख्य किरदार ही करना चाहती हूं क्योंकि तीन साल में जो नाम और पहचान मैने बनाई है उसे मैं जाया नहीं जाने देना चाहती। मैं उसकी सीढ़ी बना के आगे और ऊपर जाना चाहती हूं। अच्छे किरदार निभा के अपनी अभिनय को निखारना चाहती हूं। ओटीटी हो या फिल्म हो या टीवी हो जिससे भी मेरे कैरियर को गति मिले, मैं वो करने के लिए तैयार हूं।

हिंदी में भी दमदार कमाई कर रही सलार, जल्द ही 100 करोड़ के क्लब में होगी शामिल

प्रभास के हिंदी वर्जन को बहुत सॉलिड स्क्रीन काउंट मिलने की उम्मीद कम ही थी। लेकिन गुरुवार शाम से खेल बदलना शुरू हुआ और शाहरुख खान की हिंदी फिल्म डंकी के बावजूद, प्रभास की फिल्म को एक सॉलिड मौका मिला। हिंदी ऑडियंस भी प्रभास की इस फिल्म को खून एन्जॉय कर रही है। पहले दिन 15 करोड़ से थोडा ज्यादा नेट कलेक्शन करने वाली सलार (हिंदी) ने रविवार को 21 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया। पहले वीकेंड में फिल्म के हिंदी वर्जन का कलेक्शन 53.2 करोड़ रुपये था। सोमवार को भी सलार के हिंदी वर्जन ने सॉलिड कमाई की और रिपोर्ट्स बताती हैं कि चौथे दिन इसका कलेक्शन 14-15 करोड़ रुपये के बीच है। 4 दिन में सलार के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर 67 करोड़ से ज्यादा नेट कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को लेकर हिंदी मार्किट में ठंडा माहौल नजर आ रहा था और डंकी जैसी बड़ी फिल्म इसके सामने खड़ी थी, उस हिसाब से तो सलार के हिंदी वर्जन की कमाई बहुत दमदार है। प्रभास की फिल्म अब जल्द ही वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ और भारत में 300 करोड़ पार नजर आएगी। फिल्म का हिंदी वर्जन भी बड़ी तेजी से 100 करोड़ का मार्क पार करने की तरफ बढ़ रहा है।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार कंगना की फिल्म तेजस

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। हर मुद्दे पर वह बेबाकी से अपनी बात सामने रखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी फिल्मों के जरिए कई तरह की भूमिकाओं को खूबसूरती के साथ पर्दे पर उतारा है। हालांकि, अभिनेत्री की फिल्म तेजस बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखाने में असफल रही थी। अब सिनेमाघरों के बाद कंगना की फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर इस थ्रिलर में कंगना एक भारतीय वायु सेना पायलट की भूमिका में हैं। यह सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित है और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित है। 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही और इसे खराब समीक्षा मिली। कंगना ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेजस में सशस्त्र बलों की बहादुरी के बारे में वास्तविक जीवन की कहानी दर्शकों को प्रेरित करेगी। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे उम्मीद है कि दर्शक सशक्त कहानी को पसंद करेंगे और हमारे वास्तविक जीवन के नायकों की अविश्वसनीय कहानियों से प्रेरणा लेंगे। एक रोमांचक यात्रा के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि तेजस डिजिटल मंच पर उड़ान भर रहा है।

तेलुगु डेब्यू मायावन की शूटिंग में व्यस्त हैं आकांशा रंजन कपूर

गिल्टी, रे और मोनिका, ओह माय डार्लिंग फेम आकांक्षा रंजन कपूर ने हैदराबाद में अपनी पहली तेलुगु फिल्म मायावन की शूटिंग शुरू कर दी है। यह तेलुगु सिनेमा में उनकी पहली फिल्म है और इसमें संदीप किशन भी हैं। फिल्म का निर्देशन इराइवी, कधलुम कडंधु पोगम, सुधु कव्वुम और पिज्जा जैसी फिल्म डायरेक्ट करने वाले सीवी कुमार ने किया है। आकांशा ने कहा, मैं फिल्म की तैयारी करने और टीम को समझने के लिए शूटिंग शुरू होने से एक सप्ताह पहले हैदराबाद पहुंची। यहां हर कोई विनम्र है। सीवी सर और संदीप बेहद सहयोगी रहे हैं। ऐसा महसूस होता है जैसे पूरी टीम एक परिवार है। उन्होंने कहा, यह तेलुगु भाषा में मेरी पहली फिल्म है, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं। मैंने एक ट्यूटर की मदद से तेलुगु सीखना शुरू कर दिया है। मैं उम्मीद कर रही हूं कि मैं अपनी लाइन्स को भी डब करूं। यह एक व्यक्तिगत जीत होगी। सीवी कुमार द्वारा निर्देशित मायावन एक मनोरम सिनेमाई यात्रा का वादा करती है, जिसमें आकांशा रंजन कपूर और संदीप किशन की जोड़ी है।

ओरी की टिप्पणी से सोशल मीडिया पर हंगामा, क्या इस शख्स संग शादी कर चुकीं श्रुति हसन?

हिंदी सिनेमा और साउथ की फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर दर्शकों को अपने हुस्न और अदाओं का दीवाना बनाने वाली अभिनेत्री श्रुति हसन अपने ब्वॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका के साथ लंबे समय से रिश्ते में हैं। दोनों काफी समय से साथ ही रह रहे हैं लेकिन सोशल मीडिया लीवर ओरहान अवात्रामणि (ओरी) के एक कमेंट ने अफवाहों का बाजार गरम कर दिया है। ओरी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेशन आस्क मी एनीथिंग किया जिस पर उनसे पूछा गया कि क्या कोई ऐसा सेलिब्रिटी है जिसने उनके साथ पोज करने से इंकार किया हो। एक यूजर ने उनसे पूछा, हाय ओरी, क्या ऐसा कोई सेलिब्रिटी है जिसने आपके साथ पोज करने से इंकार किया हो? अगर आप नाम नहीं ले सकते तो कोई हिंट दे सकते हैं। ओरी ने काफी कड़क अंदाज में इसका जवाब दिया, हां, श्रुति हसन। पोज करने के लिए नहीं क्योंकि मैंने उनसे कहा ही नहीं मेरे साथ पोज करने के लिए। लेकिन एक इवेंट में उन्होंने मेरे साथ काफी रूड व्यवहार किया था जिसमें मैंने ही उन्हें प्रवेश दिलाया था। मैं तो उन्हे जनता भी नहीं हूं। ओरी ने बताया। आगे बात करते हुए उन्होंने शांतनु को उनका पति कह के संबोधित किया, जिससे सबके कान खड़े हो गए हैं। ओरी ने बताया, मुझे बहुत बुरा लगा लेकिन हो सकता है कि कोई गलतफहमी हुई हो। उनके पति के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध है और मैं उन्हे बहुत पसंद करता हूं। ये भी जल्दी ही सुलझ जाएगा। मैने एक अफवाह सुनी कि, उन्होंने मुझे पियुन कहा जैसे स्पॉटबॉय या कुछ। इसी साल एक इंटरव्यू में शादी के बारे में सवाल करने पर उन्होंने कहा था कि अभी शादी करने का उनका कोई विचार नही है क्योंकि उन्हें शादी शब्द से डर लगता है। उन्होंने ये भी बताया था कि वो दोनों एक साथ काफी खुश हैं और उनके बीच का समीकरण काफी विवाहित लोगों से बेहतर है। सोशल मीडिया पर लाइव चैट के दौरान किसी यूजर ने उनसे पूछा कि क्या वे शांतनु से शादी करेंगी जिसके जवाब में श्रुति हंसी और कहा, नहीं क्योंकि..... और कैमरा शांतनु की तरफ मोड़ दिया। श्रुति हसन की फिल्म सलार 1 सीजफायर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इससे पहले श्रुति वाल्टेयर वीरैया और वीर सिम्हा रेड्डी में नजर आ चुकी है। उनकी आगामी फिल्मों में साउथ की फिल्म डकैत शामिल है।

सैयामी ने स्पेशल ऑप्स सीजन 3 के लिए कैसे की तैयारी

सैयामी खेर ऐसी अभिनेत्री हैं, जो किसी भी किरदार को निभाने से पहले उसमें डूब जाती हैं। चाहे पहली फिल्म मिर्जिया के लिए घुड़सवारी सीखना हो या फिल्म फिल्म घूमर के लिए बाएं हाथ के गेंदबाज से ट्रेनिंग लेना। सैयामी खेर जल्द ही निर्माता, निर्देशक नीरज पांडे की वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स के नए सीजन में नजर आने वाली हैं। सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसमें वह जबर्दस्त एक्शन करती नजर आएंगी। अभिनेत्री सैयामी खेर वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स के अगले सीजन में एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभा रही है। इस किरदार में खुद को ढालने के लिए सैयामी खेर मिक्स मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली है। वह कहती हैं, मुझे हमेशा एक्शन प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग करना पसंद है।